राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 5 अंक 54

मूल्य ₹8.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 3 अगस्त, 2021

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सिर पर गेंद लगने से मयंक चोटिल, पहले टेस्ट से बाहर

>>7

<< मैच जीतने के बाद खुशी का इजहार करती भारतीय टीम की खिलाड़ी। हार के बाद आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निराश होकर बैठ गई। • रायटर

- महिला हाकी टीम 1980 में मास्को में पहली बार ओलिंपिक में खेली थी और चौथे स्थान पर रही थी। तब कुल छह टीमें खेली थीं और मैच राउंड रोबिन आधार पर खेले गए थे
- महिला टीम का यह तीसरा ओलिंपिक है। 1980 के 36 साल बाद वह 2016 में रियो में खेली और अंतिम स्थान पर रही
- गोलकीपर सविता पूनिया ने इस मैच में आस्ट्रेलिया को एक भी गोल नहीं करने दिया। सात पेनाल्टी कार्नर भी उन्होंने रोके

म्हारी छोरियां छोरों से कम हैं के...

भारतीय महिला हाकी टीम पहली बार ओलिंपिक सेमीफाइनल में, गुरजीत के गोल से आस्ट्रेलिया को हराया

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : 'म्हारी छोरियां छोरों से कम हैं के...' भारोत्तोलक मीराबाई चानू के रजत, शटलर पीवी सिंधु के कांस्य जीतने और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहाई के पदक पक्का करने के बाद अब भारतीय महिला हाकी टीम ने वो कर दिखाया, जिसकी उम्मीद शायद ही किसी को हो। ड्रैगफ्लिकर गुरजीत कौर के गोल और गोलकीपर सविता रूपी दीवार की बदौलत भारत ने सोमवार को विश्व रैंकिंग में दूसरे नंबर की आस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर पहली बार ओलिंपिक के सेमीफाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया। अब भारतीय टीम का सामना अर्जेंटीना से होगा, जिसने दूसरे क्वार्टर फाइनल में जर्मनी को 3-0 से हराया।

पीवी सिंधु ने ही सिर्फ पदक नहीं जीता है, बल्कि हमने ओलिंपिक में पुरुष और महिला हाकी टीमों के ऐतिहासिक प्रयासों को भी देखा है। मुझे आशा है कि 130 करोड़ भारतीय भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे क्योंकि देश अमृत महोत्सव मना रहा है। **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने रविवार को सेमीफाइनल में जगह बनाई तो सोमवार को महिला टीम ने भी भारतीय हाकी के पुराने गौरव को लौटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। गुरजीत ने 22वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर महत्वपूर्ण गोल किया। इसके बाद टीम ने अपनी पूरी ताकत गोल बचाने में लगा दी, जिसमें वह सफल भी रही। अंतिम सीटी बजने के साथ ही भारतीय खिलाड़ी खुशी से झूम उठीं और भारतीय कोच शोर्ड मारिन की आंखों से आंसू निकल आए।

रानी रामपाल की अगुआई वाली टीम की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि क्योंकि पूल चरण में उसे शुरू में संघर्ष करना पड़ा। भारतीय टीम अपने पूल में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड को हराकर चौथे स्थान पर रही थी, जबकि आस्ट्रेलिया अपने पूल में शीर्ष पर रहा था। (संबंधित खबरें पेज-12)

भारत के अन्य परिणाम

TOKYO 2020

- ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और संजीव राजपूत पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।
- फर्राटा धाविका दुती चंद एथलेटिक्स में महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में अंतिम स्थान पर रहकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकीं।
- महिलाओं की चक्का फेंक स्पर्धा के फाइनल में कमलप्रीत कौर छठे स्थान पर रहीं। वह पदक जीतने से चूक गईं।

सेमीफाइनल का कार्यक्रम

भारत vs अर्जेंटीना	नीदरलैंड्स vs ग्रेट ब्रिटेन
सुबह 7:00 बजे से	दोपहर 3:30 बजे से

नोट : ये मुकाबले चार अगस्त को खेले जाएंगे।

जागरण विशेष

इवि ने खोजा कोरोना से लड़ने वाला 'अस्त्र'

प्रयागराज : कोरोना महामारी के बीच इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (इवि) में रसायन विज्ञान विभाग के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। आठ रासायनिक यौगिकों की खोज हुई है जो वायरस से लड़ने में कारगर हो सकते हैं। (पेज-6)

फंड का दुरुपयोग रोकेगा ई-रुपी

बड़ा कदम ▸ प्रधानमंत्री मोदी ने लांच किया डिजिटल भुगतान का नया प्लेटफार्म

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

ई-रुपी वाउचर लांच होने के साथ ही देश में चयनित सेवाओं के सटीक भुगतान के नए युग का आगाज हो गया है। इससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि किसी व्यक्ति को जिस काम के लिए पैसा दिया है, उसका उपयोग भी उसी काम के लिए हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे लांच करते हुए कहा कि इससे लक्षित, पारदर्शी और लीकेज फ्री डिलिवरी में मदद मिलेगी। शुरुआत भले ही गरीबों को ई-रुपी के मार्फत निजी अस्पतालों में मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराने से की गई हो, लेकिन बाद में इसका इस्तेमाल आयुष्मान भारत, खाद सब्सिडी जैसी योजनाओं में आसानी से किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ किया कि इसका इस्तेमाल सिर्फ सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रहेगा। कोई सामान्य संस्था या संगठन किसी के इलाज में, किसी की पढ़ाई में या दूसरे काम के लिए कोई मदद करना चाहता है तो वह कैश के बजाय ई-रुपी दे पाएगा।

पीएम ने कहा कि ई-रुपी सुनिश्चित करेगा कि जिस मकसद से कोई मदद दी जा रही है, वह उसी के लिए प्रयुक्त होगा। यह सुनिश्चित करेगा कि लक्षित सेवा के मद में ही पैसा खर्च हो। फिलहाल ई-रुपी की शुरुआत जरूरतमंदों को कोरोनारोधी मुफ्त वैक्सीन देकर की गई है। ई-वाउचर के माध्यम से कोई भी संस्था या कारपोरेट हाउस अपने कर्मचारियों या अन्य जरूरतमंदों को निजी अस्पतालों में कोरोनारोधी वैक्सीन का भुगतान ई-रुपी देकर कर सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय जल्द ही इसे टीबी और गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने की योजना के लिए कर सकता है।

नई व्यवस्था से की जा सकेगी भुगतान की निगरानी : टीबी के मरीजों को पौष्टिक आहार के लिए हर महीने सरकार मदद मुहैया कराती है, लेकिन बैंक खाते में जाने वाली इस राशि का इस्तेमाल पौष्टिक आहार के लिए किया जा रहा है या नहीं, इसकी निगरानी की कोई प्रणाली नहीं है। यही स्थिति गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को दी जाने वाली आर्थिक सहायता की भी है। ई-रुपी से भुगतान की स्थिति में यह सुनिश्चित हो जाएगा कि उसका इस्तेमाल पौष्टिक आहार खरीदने के लिए ही किया गया है।

आयुष्मान भारत योजना को इससे जोड़ेगा स्वास्थ्य मंत्रालय : स्वास्थ्य मंत्रालय देश के लगभग 50 करोड़ गरीबों को साल में पांच लाख रुपये तक का मुफ्त और कैशलेस इलाज मुहैया कराने की आयुष्मान भारत योजना को भी ई-रुपी से जोड़ने की तैयारी में है। अभी तक गरीबों के इलाज का बिल अस्पताल सरकार को भेजता है और सरकार उसका पेमेंट करती है। ई-रुपी वाउचर से लाभार्थी खुद अपना इलाज करा सकता है और वेरीफिकेशन कोड से उसकी पुष्टि किए जाने के बाद तत्काल अस्पताल को उसका भुगतान मिल पाएगा।

नए युग का आगाज

- सेवाओं के लक्षित, पारदर्शी और लीकेज फ्री डिलिवरी में मिलेगी मदद
- फिलहाल वैक्सीन से शुरुआत, लेकिन जल्द ही अन्य योजनाओं को भी जोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ई-रुपी लांच किया। प्रेट्र

ऐसे काम करेगा

- ई-रुपी किसी खास उद्देश्य के लिए किसी को पैसा देने के एक डिजिटल डिलिवरी के रूप में काम करेगा
- जिसे भी यह पैसा दिया जाएगा, उसके मोबाइल पर एक एसएमएस आएगा या फिर स्मार्ट फोन की स्थिति में क्यूआर कोड आएगा
- लाभार्थी इस एसएमएस या क्यूआर कोड के माध्यम से उस सेवा का लाभ ले सकता है
- उसे सिर्फ सेवा देने वाले को एसएमएस या क्यूआर कोड दिखाना होगा
- प्रणाली फुलप्रूफ बनाने को वेरीफिकेशन कोड का प्रविधान किया गया है
- भुगतान के वक्त लाभार्थी के मोबाइल पर यह कोड भेजा जाएगा। उसके सत्यापन के बाद ही सेवा देने वाले के खाते में पैसा जाएगा

खाद सब्सिडी से बच्चों को किताबें उपलब्ध कराने तक में इस्तेमाल

- जल्द ही सरकार की कई अन्य योजनाओं को इसमें शामिल किया जाएगा, जिसमें खाद सब्सिडी सबसे अहम है
- फिलहाल सरकार किसानों को कम दाम पर खाद उपलब्ध कराने के लिए सब्सिडी का भुगतान कंपनियों को करती है
- ई-रुपी के रूप में किसानों को सब्सिडी की राशि मिलने के बाद कंपनियों को भुगतान की जरूरत खत्म हो जाएगी
- पीएम ने संकेत दिया कि ई-रुपी का इस्तेमाल स्कूल में बच्चों को ड्रेस से लेकर किताबें उपलब्ध कराने में भी किया जा सकता है
- प्रधानमंत्री ने सभी राज्य सरकारों से अपनी कल्याणकारी योजनाओं की लीकप्रूफ और सटीक डिलिवरी के लिए ई-रुपी को जल्द से जल्द अपनाने की सलाह दी

कई राज्यों में स्कूल खुले, शिक्षण संस्थानों में लौटी रौनक

नई दिल्ली : कोरोना संक्रमण के चलते करीब डेढ़ साल से बंद स्कूल एक बार फिर खुल गए हैं। इस दौरान कई राज्यों में कोरोना से बचने के लिए गाइडलाइन के पालन बात भी कही गई है। क्योंकि डेल्टा वैरिएंट के सामने आने के बाद तीसरी लहर आने का खतरा बना हुआ है। वहीं, दूसरी ओर पंजाब में उत्तराखंड में सिर्फ सरकारी स्कूल खोले गए हैं। निजी स्कूलों ने अभी छात्रों को नहीं बुलाया है। वहीं, झारखंड में छह अगस्त और उत्तर प्रदेश में 16 अगस्त से स्कूलों को खोले जाने की तैयारी है। बता दें कि पिछले साल कोरोना संक्रमण के चलते 24 मार्च को लाकडाउन लगने के बाद से ही स्कूल बंद थे। (पेज-6)

नीतीश कुमार भी चाहते हैं पेगासस मामले की जांच

बोले, सच्चाई सामने आनी चाहिए, ताकि कोई किसी को परेशान न कर सके

पटना में सोमवार को जनता का दरबार कार्यक्रम के दौरान मीडिया से मुखातिब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। प्रेट्र

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को कहा कि पेगासस मामले की निश्चित ही जांच होनी चाहिए। सच्चाई सामने आनी चाहिए, ताकि कोई किसी को परेशान करने के लिए कुछ न कर सके। पूरे तौर पर एक-एक बात को देखकर उचित कदम उठाया जाना चाहिए। कुछ मालूम हो तो बात रखनी चाहिए। यह बात काफी दिनों से आ रही है। आजकल तो कौन क्या कर लेगा, आप जानते ही नहीं।

पटना में जनता के दरबार कार्यक्रम के बाद वह मीडिया से मुखातिब थे। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला से मुलाकात पर कुछ लोगों की नाराजगी के संबंध में उन्होंने कहा कि किसी को इस मुलाकात से कैसी नाराजगी होनी चाहिए! चौटाला के प्रति उनका जमाने से सम्मान है। वह समाजवादी पृष्ठभूमि के हैं। उन्हें सजा हो गई थी। सजा समाप्त होने के बाद जब लौटे तो केसी त्यागी ने उनसे बात कराई थी। मैंने उनसे कहा था कि उधर आ रहे हैं तो मिलने आएंगे। चौटाला से व्यक्तिगत और पुराना संबंध है। इसलिए उनसे मिलने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए।

बिहार में बढ़िया चल रही गठबंधन सरकार

जदयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा द्वारा पीएम मैटेरियल बताए जाने के संदर्भ में नीतीश ने कहा कि वे पार्टी के साथी हैं, इसलिए कहते रहते हैं। हमारी कोई आकांक्षा और इच्छा नहीं है। गठबंधन सरकार तो बिहार में बढ़िया तरीके से और काफी दिनों से चल रही। अगर किसी को कोई बात है तो अपनी पार्टी के लोगों से कर लेनी चाहिए। दरअसल, मुख्यमंत्री से भाजपा कोटे के मंत्री सम्राट चौधरी के वक्तव्य पर प्रतिक्रिया पूछी गई थी। सम्राट ने पहले कहा था कि आज के दौर में गठबंधन सरकार चलाना कठिन है। बाद में उन्होंने बयान दिया कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में राजग एकजुट है। राज्य में लंबे समय से विकास हो रहा है। उन्होंने उन चर्चाओं को मनगढ़ंत बताया, जिसमें उनके हवाले से कहा गया है कि सरकार में उनकी कोई बात नहीं सुनता।

जातीय जनगणना तो केंद्र को करानी है, मिलने में एतराज क्यों पेज>>4

पूर्वी लद्दाख में टकराव का तेजी से हल निकालेंगे भारत और चीन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कोर कमांडरों की 12वें दौर की वार्ता में बनी सहमति
- संयुक्त बयान जारी कर दोनों देशों ने बातचीत को रचनात्मक बताया

भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी सैन्य टकराव का तेजी से हल निकालने की दिशा में आगे बढ़ने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के कोर कमांडरों के स्तर पर हुई 12वें दौर की सैन्य वार्ता को रचनात्मक बताते हुए दोनों देश एलएसी के सभी लंबित मसलों का समाधान निकालने पर सहमत हुए हैं। लंबे अंतराल के बाद हुई इस वार्ता के सकारात्मक दिशा में बढ़ने का संकेत देने के लिए दोनों देशों की ओर से इस बार में संयुक्त बयान भी जारी किया गया।

भारत-चीन के कोर कमांडरों के बीच 31 जुलाई की बैठक के बाद सोमवार को भारतीय सेना ने यह साझा बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी इलाके में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों को हटाने समेत अन्य लंबित मुद्दों का समाधान निकालने पर गहन और खुली बातचीत की। इस बैठक में दोनों देशों ने माना कि 12वें दौर की यह बैठक रचनात्मक रही। इस वार्ता से दोनों पक्षों की आपसी समझदारी और बढ़ी है। दोनों कोर कमांडरों के स्तर पर यह सहमति बनी कि एलएसी के बाकी बचे मसलों का तेजी से मौजूदा समझौतों और प्रोटोकाल के तहत समाधान निकाला जाए।

बातचीत के दौरान भारत और चीन दोनों इस पर भी सहमत हुए कि अंतिम तौर पर दोनों पक्ष एलएसी पर पश्चिमी सेक्टर में संयुक्त रूप से शांति और स्थायित्व बनाए रखेंगे। संयुक्त बयान में शांति और स्थायित्व बनाए रखने के जिक्र से एक बात साफ है कि चीन भी एलएसी पर मौजूदा गतिरोध को और आगे ले जाने के पक्ष में नहीं है।

रद हो चुकी धारा में मामले दर्ज होने पर राज्यों से जवाब तलब

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्टों को भी जारी किया नोटिस, सभी से चार हफ्ते में मांगा जवाब
- शीर्ष अदालत 2015 में रद कर चुकी है आइटी एक्ट की धारा-66ए

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आइटी एक्ट) की धारा-66ए रद होने के बावजूद इसके तहत दर्ज हो रहीं एफआइआर के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने ये नोटिस गैर सरकारी संस्था पीपुल्स यूनियन फार सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल) की याचिका पर जारी किए हैं। धारा-66ए में आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करने पर तीन साल तक की कैद और जुर्माने का प्रविधान था।

केंद्र सरकार ने याचिका के जवाब में दाखिल ताजा हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि पुलिस और कानून-व्यवस्था राज्यों के तहत आते हैं और धारा-66ए को रद किए जाने का सुप्रीम कोर्ट का 2015 का फैसला लागू करना राज्यों की जिम्मेदारी है।

सोमवार को मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस आरएफ नरीमन और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने कहा कि चूंकि पुलिस राज्य का विषय है, ऐसे में बेहतर होगा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाकर नोटिस जारी किया जाए। कोर्ट इस मामले में एक समग्र आदेश पारित करेगा ताकि हमेशा के लिए मामला निपट जाए। शीर्ष कोर्ट ने सभी हाई कोर्टों के रजिस्ट्रार जनरलों को भी नोटिस जारी किया है। सभी से चार सप्ताह में जवाब मांगा गया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि नोटिस के साथ इस मामले का सारा ब्योरा भी पक्षकारों को भेजा जाए।

इससे पहले याचिकाकर्ता संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संजय पारिख ने कहा कि इस मामले के दो पहलू हैं, एक पुलिस और दूसरी न्यायपालिका जहां इन मुकदमों का ट्रायल लंबित है। इस पर पीठ ने कहा कि वह न्यायपालिका का पहलू भी देखेगी और सभी हाई कोर्टों को नोटिस जारी करते हुए मामले को चार सप्ताह बाद फिर सुनवाई पर लगाने का निर्देश दिया।

केंद्र की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार के हलफनामे के जवाब में याचिकाकर्ता द्वारा दाखिल प्रतिउत्तर की प्रति रविवार को प्राप्त हुई है, वह उसे अभी पढ़ेंगे।

पीयूसीएल द्वारा यह याचिका दाखिल कर आइटी एक्ट की धारा-66ए में अभी तक एफआइआर दर्ज होने की जानकारी दिए जाने पर कोर्ट ने पांच जुलाई को इस पर हैरानी जताई थी। उस दिन कोर्ट ने याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए कहा था कि जो भी चल रहा है वह भयानक है, आपको यह हैरानी और चौंकाने वाली बात नहीं लगती कि जो धारा 2015 में रद हो चुकी है, उसमें अभी भी एफआइआर दर्ज हो रही हैं। मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने श्रेया सहगल मामले में आइटी एक्ट की धारा-66ए को असंवैधानिक ठहराते हुए रद कर दिया था।

आएगा समग्र आदेश : सुप्रीम कोर्ट। फाइल

कोरोना से जंग

कोविड नियमों की अनदेखी पड़ सकती है भारी, बढ़ सकता है संक्रमण, दूसरी लहर के बारे में सटीक पूर्वानुमान देने वाले विशेषज्ञ ने किया दावा, बेपरवाही पर रोजाना 40 से 41 हजार लोगों के संक्रमण की चपेट में आने का है अंदेशा

सजगता बरती तो इस महीने के आखिर तक रह जाएंगे आधे मामले

जागरण संवाददाता, कानपुर

अगर हमने यूं ही संयम, एहतियात और सजगता बरती तो अगस्त के आखिर तक रोजाना आने वाले संक्रमितों की संख्या घटकर करीब 21 से 22 हजार रह जाएगी। यह अनुमान आइआइटी कानपुर के विशेषज्ञों ने गणितीय माडल सूत्र के आधार पर लगाया है। उनका कहना है कि देश में कोरोना के नए मामलों की रफ्तार घटी है। जिन्हें संक्रमण हो भी रहा है, वह स्वस्थ भी हो रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेताया है कि शारीरिक दूरी और मास्क की अनिवार्यता के पालन के साथ यदि भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाना बंद न किया तो संक्रमण की यथास्थिति बनी रहने, बल्कि बढ़ने का भी अंदेशा है। फिलहाल रोजाना 40 से 41 हजार मामले सामने आ रहे हैं।

आइआइटी के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. मणींद्र अग्रवाल और उनकी टीम पिछले करीब डेढ़ साल से कोरोना संक्रमितों और संक्रमण की रफ्तार पर काम कर रही है। उन्होंने गणितीय माडल से अब तक सटीक आकलन किया है।

आइआइटी के विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना टीकाकरण और संक्रमित होने के बाद स्वस्थ हुए लोगों की संख्या को देखकर कह सकते हैं कि लोगों में हर्ड इम्युनिटी विकसित हुई है। उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश समेत उत्तर भारत के अन्य राज्यों में दूसरी लहर के दौरान काफी संख्या में लोग कोरोना की चपेट में आ गए थे। उनके अंदर एंटीबाडी तैयार हो गई है, जबकि टीकाकरण से भी रक्षा करेगा।

केरल-कर्नाटक में 22 के बाद घट सकते मामले

विशेषज्ञों ने केरल और कर्नाटक में तेजी से केस बढ़ने का अनुमान लगाया है। प्रो. अग्रवाल ने रविवार रात ट्वीट किया कि 15 अगस्त तक केरल में प्रतिदिन 25 हजार केस आने का अनुमान है। यह स्थिति 20 से 22 अगस्त तक रहेगी, उसके बाद केस घटेंगे। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में रोज 1800 से 2000 के बीच नए मरीज आ सकते हैं। इसमें गिरावट अगस्त के दूसरे हफ्ते से होगी। विशेषज्ञों ने केरल में मामलों में गिरावट के बाद लोगों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए लाकडाउन खोलने, लेकिन कोविड नियमों की अनिवार्यता बनाए रखने का सुझाव दिया है।

तीसरी लहर का अंदेशा कम

प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल के मुताबिक तीसरी लहर के आने का अंदेशा बहुत ही कम है। अगर कोई नया वैरिएंट आता है तभी तीसरी लहर आएगी, लेकिन कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए एहतियात जरूरी है। टीकाकरण अभियान में और तेजी लानी होगी।

15 अगस्त तक राज्यों में प्रतिदिन आएंगे औसतन इतने मरीज

राज्य	मरीज
अरुणाचल प्रदेश	280 से 300
असम	870 से 890
छत्तीसगढ़	40 से 60
झारखंड	50 से 70
महाराष्ट्र	4700 से 4750
मणिपुर	910 से 930
मेघालय	700 से 720
नगालैंड	80 से 90
ओडिशा	880 से 900
तेलंगाना	110 से 120
बंगाल	110 से 130

नोट : जिन राज्यों में मामले नहीं बढ़ रहे हैं, उनका आकलन नहीं किया गया है।

सागर हत्याकांड में पहलवान सुशील कुमार मुख्य आरोपित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- मामले में पूर्व ओलिंपियन सहित 13 के खिलाफ आरोप पत्र दायर, चार चश्मदीद समेत 155 गवाह बनाए गए
- चार मई की रात माडल टाउन स्थित छत्रसाल स्टेडियम की पार्किंग में पिटाई से हुई थी सागर धनखड़ की मौत

पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड में पहलवान सुशील कुमार को मुख्य आरोपित बनाया गया है। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने सोमवार को रोहिणी कोर्ट में खिलाफ आरोप पत्र दायर कर दिया है। इसमें सुशील, खास सहयोगी अजय सहरावत सहित 13 के नाम शामिल हैं। 1700 पन्नों के आरोप पत्र में चार चश्मदीद समेत 155 गवाह बनाए गए हैं। जिन चार को चश्मदीद गवाह बनाया गया है वे सभी सागर के दोस्त हैं। सुशील व उसके साथ आए पहलवानों व बदमाशों ने इन गवाहों की भी पिटाई की थी। अन्य गवाहों में छत्रसाल स्टेडियम के निजी सुरक्षा गार्ड व कर्मचारी शामिल हैं। सुबूत के तौर पर सीसीटीवी फुटेज, सुशील के साथी द्वारा मोबाइल से बनाए गए मारपीट के वीडियो, आरोपितों की मोबाइल काल डिटेल रिकार्ड, आरोपितों की कारों से बरामद लाठी-डंडा व हथियार और उनकी गाड़ियां आदि शामिल हैं।

सुशील कुमार। फाइल/ इंटरनेट मीडिया

हो सकती है फांसी भी पेज>>2

31 अक्टूबर तक इंदिरा गांधी अस्पताल में सामान्य स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू होंगी। दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर यह जानकारी दी है। अस्पताल में दस सुपरस्पेशिलिटी सुविधाएं स्थापित की जाएंगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 3 अगस्त, 2021

कोरोना की दूसरी की तरह ज्यादा घातक नहीं होगी तीसरी लहर

महामारी से मुकाबला ▶ दिल्ली की बड़ी आबादी डेल्टा वायरस से हो चुकी है संक्रमित

50 फीसद वयस्क आबादी को कम से कम एक डोज टीका भी लगा

रणविजय सिंह, नई दिल्ली

देश के कुछ हिस्सों में कोरोना के मामले बढ़ने के कारण तीसरी लहर आने की आशंका जताई जाने लगी है। दिल्ली में भी संक्रमण दर 0.06 फीसद से बढ़कर 0.12 फीसद हो गई है। इसे तीसरी लहर की आहट समझा जा रहा है। डाक्टर भी कहते हैं कि तीसरी लहर आने की आशंका तो है लेकिन यह दूसरी लहर की तरह ज्यादा घातक नहीं होगी। खासतौर पर दिल्ली में तीसरी लहर का असर दूसरी लहर की तुलना में कम हो सकता है। क्योंकि दिल्ली में करीब तीन चौथाई लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं और इस वक्त पूरी दुनिया के लिए चिंता का कारण बने डेल्टा वायरस का कहर भी यहां के लोग झेल चुके हैं। फिर भी सतर्कता व बचाव के नियमों का पालन जरूरी है।

डाक्टर कहते हैं कि अस्पतालों में इलाज की तैयारियों के साथ-साथ टीके की दूसरी डोज देने पर जोर देना होगा। कई शोधों में यह बात साबित हो चुकी है कि टीके की दोनों डोज लेने के बाद गंभीर संक्रमण होने का खास खतरा नहीं रहता। कोरोना पर एनटागी (नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप आन इम्युनाइजेशन) के कार्य समिति के चेयरमैन डा. एनके अरोड़ा ने कहा कि दिल्ली और इसके आसपास के इलाके में करीब 75 फीसद लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। उनमें कोरोना के खिलाफ एंटीबाडी बन चुकी है। डेल्टा प्लस को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि अभी डेल्टा प्लस के मामले दुनिया में कहीं नहीं आ रहे हैं। यूरोप, उत्तरी अमेरिका सहित जहां भी कोरोना के मामले बढ़े हैं हर जगह डेल्टा वायरस का संक्रमण फैला है। जिन इलाकों में पहले बहुत ज्यादा लोग संक्रमित नहीं हुए हैं, वहां पर मामले बढ़ सकते हैं। इस पर दो सप्ताह तक सख्त नजर रखने की जरूरत है। दो सप्ताह में स्थिति स्पष्ट होगी।

मौलाना आजाद मेडिकल कालेज के कम्युनिटी मेडिसिन की निदेशक प्रोफेसर डा. सुनीला गर्ग ने कहा कि पहली लहर की तुलना में दिल्ली में दूसरी लहर में 124 फीसद अधिक लोग कोरोना से बीमार हुए। जबकि महाराष्ट्र में 180 फीसद व केरल में 200 फीसद से अधिक मामले बढ़े। इसका कारण यह है कि दूसरी लहर से पहले भी दिल्ली में 56 फीसद लोग सीरो पाजिटिव थे। दूसरी लहर के बाद सीरो पाजिटिव लोगों की संख्या ज्यादा बढ़ चुकी है। इसलिए, तीसरी लहर का असर हल्का रहने की संभावना है। लेकिन बचाव के नियमों का पालन जरूरी है।

फिर भी सतर्कता जरूरी। फाइल फोटो

दूसरी डोज बढ़ाने की दरकार

डा. सुनीला गर्ग ने कहा कि दिल्ली में 18 साल से अधिक उम्र के करीब 50 फीसद आबादी को कम से कम एक डोज टीका व 18.23 फीसद आबादी को दोनों डोज टीका लग चुका है। दोनों डोज टीका लगने के बाद संक्रमण होने पर भी ज्यादातर लोगों को गंभीर संक्रमण नहीं होता। इसलिए टीके की दूसरी डोज देने पर जोर देना होगा। ताकि आधी आबादी का संपूर्ण टीकाकरण जल्द संभव हो सके।

दिल्ली में स्कूल खोलने पर असमंजस बरकरार

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली के स्कूल कब से खुलेंगे इसको लेकर असमंजस बरकरार है। कोविड-19 महामारी की स्थिति नियंत्रण में आने के बाद स्कूलों को दोबारा खोलने के लिए दिल्ली सरकार ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से सुझाव मांगे हैं, जिसमें 35 हजार के करीब सुझाव आए हैं। ज्यादातर लोगों ने सुझाव दिया है कि स्कूल, कालेज खोल दिए जाएं।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सोमवार को कहा कि स्कूल खोलने को लेकर करीब 35 हजार सुझाव आए हैं। इनमें से कुछ लोग स्कूलों को खोलना चाहते हैं, कुछ डरे हुए हैं। सरकार सभी सुझावों का अध्ययन कर रही है। इसके आधार पर कोई निर्णय लिया जाएगा। बीते सप्ताह सिसोदिया ने छात्रों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और माता-पिता से पूछा था कि क्या स्कूल और कालेज खोल दिए जाएं? गौरतलब है कि दिल्ली के स्कूल पिछले साल मार्च से ही बंद हैं। इस साल जनवरी में नौवीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को स्कूल आने की अनुमति दी गई थी, लेकिन संक्रमण बढ़ने से फैसले को स्थगित कर दिया गया था।

दिल्ली में लगने लगी कोविशील्ड की पहली डोज, बढ़ा टीकाकरण

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : राजधानी में सोमवार से कोविशील्ड की पहली डोज लगने लगी है। वहीं पहली डोज लेने वालों के लिए कोवैक्सीन का कोटा भी 20 फीसद से बढ़ाकर 40 फीसद कर दिया गया है। इस वजह से टीकाकरण की रफ्तार एक बार फिर बढ़ने लगी है। दिल्ली में सोमवार को रात आठ बजे तक 91,003 लोगों को टीका लगा। इसके तहत 50.48 फीसद लोगों को टीके की पहली व 49.52 फीसद लोगों को टीके की दूसरी डोज दी गई।

उल्लेखनीय है कि 22 जुलाई को दिल्ली सरकार के परिवार कल्याण निदेशालय ने टीके की कमी के कारण सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर कोविशील्ड की पहली डोज देने पर 31 जुलाई तक रोक लगा दी थी। इस वजह से सिर्फ निजी अस्पतालों में ही इस टीके की पहली डोज मिल पा रही थी। अब निजी अस्पतालों के साथ-साथ सरकारी केंद्रों में भी कोविशील्ड टीके की पहली डोज देने का काम शुरू हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 31 जुलाई को दिल्ली में कोवैक्सीन की 31,860 डोज टीका आया है। इस वजह से मौजूदा समय में दिल्ली में कोवैक्सीन व कोविशील्ड को मिलाकर कुल आठ लाख 73 हजार 600 डोज उपलब्ध है। पूरी क्षमता के साथ टीकाकरण होने पर उपलब्ध स्टाक से पांच दिन टीकाकरण हो सकता है।

सोमवार को पिछले 20 दिनों में सबसे अधिक टीकाकरण हुआ। इसके तहत 45,940 लोगों को पहली डोज व 45,063 लोगों को दूसरी डोज दी गई। इसके पहले 13 जुलाई को एक लाख 29 हजार 73 लोगों को टीका लगा था।

डीयू स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले की दौड़ शुरू

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। सोमवार को डीयू ने दाखिला वेबसाइट पर स्नातक पंजीकरण लिंक जारी कर दिया। इसकी मदद से छात्र मनचाहे पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। डीयू में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में स्नातक की कुल 65 हजार सीटों पर दाखिले होने हैं। डीयू प्रशासन ने बताया कि वेबसाइट लांच होते ही शुरुआती 15 मिनटों में 28 हजार से अधिक पेज व्यू आए। जबकि 6,481 लोगों ने लागइन किया। हालांकि अभ्यर्थियों ने लागइन प्रक्रिया के दौरान ईमेल वेरिफिकेशन नहीं होने की शिकायत की। जिसके कारण लागइन करने के बावजूद छात्र देर रात तक आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ नहीं कर सके।

एक ही आवेदन करना होगा : डीयू प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जो छात्र एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी (ईसीए) कोटे के जरिये दाखिला लेना चाहते हैं उनको भी दाखिला पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के दौरान एक कालम में छात्रों को स्पोर्ट्स के बाबत जानकारी देनी होगी। छात्रों को अलग से आवेदन नहीं करना होगा। छात्र एक मई 2017 से लेकर 30 अप्रैल 2021 तक के बीच के तीन खेल प्रमाण पत्र अपलोड करेंगे। जिनके आधार पर छात्रों का मूल्यांकन होगा। कोरोना संक्रमण के चलते पूर्व की भांति इस वर्ष भी ट्रायल के आधार पर दाखिले नहीं होंगे।

मोबाइल फ्रेंडली पोर्टल : डीयू ने दाखिला पोर्टल को छात्रों की सहूलियत को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है। वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर स्नातक के प्रत्येक पाठ्यक्रम की जानकारी उपलब्ध होगी। डीयू प्रशासन ने बताया कि विज्ञान, कला, वाणिज्य में पढ़ाए जाने वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम को कालेज क्रमानुसार जानकारी मुहैया कराई जाएगी। कालेजों के क्रमानुसार सीटें, शुल्क बताया जाएगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से तैयार चैट बाक्स का छात्र 24 घंटे इस्तेमाल कर सकेंगे। छात्र दाखिले से संबंधित सवालों के जवाब टाइप करेंगे और पूर्व के अनुभवों से तैयार किए जवाब तुरंत छात्रों को आटोफीड के जरिये मिलेंगे।

महत्वपूर्ण तारीखें

- 31 अगस्त- आवेदन करने की आखिरी तिथि
- 26 सितंबर से 1 अक्टूबर तक डीयू प्रवेश परीक्षा होगी।
- 27 शहरों में डीयू ने परीक्षा केंद्र बनाए हैं।
- 7 से 10 सितंबर के बीच जारी होगा पहला कटआफ।
- 18 अक्टूबर तक शैक्षणिक सत्र आरंभ होने की संभावना।

डीयू से संबद्ध कुल कालेज	91
स्नातक की सीटें	65 हजार से अधिक

नौ साल की बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म, हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली कैंट थाना क्षेत्र स्थित पुराना नांगलराया में घर से पानी लेने के लिए निकली नौ वर्षीय बच्ची का कुछ ही देर बाद श्मशान भूमि से जला हुआ शव बरामद किया गया। बच्ची की मां की शिकायत पर श्मशान भूमि के पुजारी राधेश्याम सहित चार लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि पुजारी व उसके साथियों ने महिला को पोस्टमार्टम और कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर बच्ची के शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच जिला अन्वेषण इकाई (डीआइयू) को सौंप दी गई है।

दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त इंगित प्रताप सिंह के मुताबिक बच्ची की मां ने पुलिस को बताया कि उनकी नौ वर्षीय बेटी रविवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे श्मशान भूमि परिसर में लगे वाटर कूलर से पानी लेने के लिए निकली थी। करीब आधा घंटा बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो स्वजन को चिंता हुई। इसी बीच करीब छह बजे श्मशान भूमि के पुजारी ने उन्हें बुलाया, जब वह मौके पर पहुंचीं तो बच्ची का शव वाटर कूलर के पास पड़ा था। बच्ची के होंठ नीले पड़े हुए थे और कलाइयों व अन्य जगह पर जलने के निशान थे। श्मशान भूमि के पुजारी ने उन्हें बताया कि वाटर कूलर में करंट उतर आने की वजह से बच्ची की मौत हुई है। हालांकि, बच्ची की हालत को देखते ही मां पूरा माजरा समझ गईं।

पुजारी ने कहा पोस्टमार्टम में निकाल लिए जाएंगे अंग : बच्ची की मां के मुताबिक शव को देखकर वह बदहवास हो गईं। इसी बीच श्मशान भूमि के पुजारी व अन्य लोगों ने जल्द अंतिम संस्कार करने के लिए कहा, महिला ने जब विरोध किया तो उन्होंने पोस्टमार्टम का डर दिखाया। कहा कि पोस्टमार्टम में बच्ची के अंग निकाल लिए जाएंगे और कानूनी कार्रवाई में उन पर हत्या का आरोप भी लग सकता है। यह भी कहा कि अंग निकाले जाने से बच्ची की आत्मा भटकती रहेगी। महिला कुछ समझती उससे पहले ही उन लोगों ने लकड़ियों का इंतजाम कर बच्ची के शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

घटना की होनी चाहिए निष्पक्ष जांच : राजेंद्र पाल गौतम

इस बीच, दिल्ली सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम भी घटना की जानकारी लेने के लिए नांगलराया पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि यह जांच सही तरीके से नहीं होती तो दिल्ली सरकार इसकी मजिस्ट्रेट से जांच कराएगी। वहीं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने घटना को बेहद निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और पुलिस महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों को रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। चौधरी ने कहा कि अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक कांग्रेस कार्यकर्ता शांत नहीं बैठेंगे। कांग्रेस दिल्ली को हाथरस नहीं बनने देगी।

दूसरे राज्यों के डेंगू मरीज दिल्ली में करा रहे इलाज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी में मच्छरजनित बीमारियों का तो प्रकोप है, वहीं पड़ोसी राज्यों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि राजधानी में जितने मच्छरजनित बीमारियों के मरीज हैं उतने ही मरीज दूसरे राज्यों से यहां आकर इलाज करा रहे हैं। निगम की रिपोर्ट के अनुसार बीते एक सप्ताह में डेंगू के चार और मलेरिया के एक मरीज की पुष्टि हुई है। इससे डेंगू के कुल मरीजों का आंकड़ा 52 पहुंच गया है। इसी तरह मलेरिया के 21 और चिकनगुनिया के 11 मरीज हैं। वहीं, दूसरे राज्यों से बीते सप्ताह में छह मलेरिया के और डेंगू के दो मरीज सामने आए हैं। इससे दूसरे राज्यों के दिल्ली में डेंगू के कुल 43 और मलेरिया के 18 मरीज हो चुके हैं। यह पहली बार नहीं है जब दूसरे राज्यों से मच्छरजनित बीमारियों के मरीज आ रहे हैं। इससे पहले भी पड़ोसी राज्यों के मरीज राजधानी में इलाज कराने आते हैं। राहत की बात है कि अभी तक मच्छरजनित बीमारियों से किसी की जान नहीं गई है।

दक्षिणी निगम क्षेत्र में बरसात से एक पार्क में जलजमाव हो गया। इसमें मच्छर न पनपे इसके लिए निगम कर्मी मच्छररोधी दवा का छिड़काव करते हुए। सौजन्य : दक्षिणी निगम

दिल्ली के डेंगू के कुल 52 मरीजों में 20 मरीजों की पुष्टि नहीं हुई है। जबकि 17 मरीज दक्षिणी निगम क्षेत्र से हैं, तो सात पूर्वी निगम क्षेत्र से और चार उत्तरी निगम क्षेत्र से हैं। तीन मरीज एनडीएमसी क्षेत्र से हैं और एक मरीज दिल्ली कैंट इलाके से है। इसी तरह मलेरिया के कुल 21 मरीजों में से पांच मरीजों के पते की पुष्टि नहीं हुई है जबकि सात मरीज दक्षिणी निगम क्षेत्र से हैं और पांच मरीज पूर्वी निगम इलाके से हैं। चिकनगुनिया के 11 मरीजों में से सात मरीजों का पता अपुष्ट है। दो दक्षिणी निगम क्षेत्र से हैं तो एक-एक मरीज पूर्वी व उत्तरी निगम क्षेत्र से है।

दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े

वर्ष	मलेरिया	डेंगू	चिकनगुनिया
2016	104	119	1
2017	171	185	150
2018	109	56	37
2019	98	40	19
2020	45	31	18
2021	21	52	11

दूसरे राज्यों से आने वाले मरीजों के आंकड़े

वर्ष	मलेरिया	डेंगू	चिकनगुनिया
2021	18	43	3
2020	19	24	5
2019	149	103	28
2018	93	57	19

एलजी से मिले महापौर, दिल्ली सरकार से फंड दिलाने की मांग

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर राजा इकबाल सिंह ने उपराज्यपाल अनिल बैजल से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने निगम की वित्तीय स्थिति को लेकर उपराज्यपाल को जानकारी दी। महापौर ने उपराज्यपाल (एलजी) से आग्रह किया कि निगम का बकाया फंड दिलाने के लिए वह दिल्ली सरकार को निर्देश जारी करें। इकबाल सिंह के मुताबिक दिल्ली सरकार पर निगम का छह हजार 253 करोड़ रुपये का बकाया है। इसे जल्द से निगम को दिलाया जाना चाहिए।

इकबाल सिंह ने कहा कि एकीकृत निगम के विभाजित हुए उत्तरी निगम में पहले ही आर्थिक असंतुलन था। क्योंकि राजस्व के अधिकतम स्रोत दक्षिणी निगम के पास चले गए। संपत्तिकर से राजस्व के लिए जहां पर एफ, जी और एच श्रेणी की ही कालोनियां बचीं। जबकि दक्षिणी निगम के पास ए श्रेणी की कालोनियों की संख्या ज्यादा है। ऐसे में संपत्तिकर चूंकि कालोनी की श्रेणी के हिसाब से लिया जाता है। ज्यादा क्षेत्र होने के बाद भी निगम के पास कम संपत्तिकर दक्षिणी निगम की तुलना में आता है। इसी तरह विज्ञापन से आय का स्रोत है।

महापौर ने उपराज्यपाल को आगे बताया कि कोरोना संकट ने निगम की आर्थिक स्थिति को और खराब कर दिया है। इस समय दिल्ली सरकार द्वारा कोई सहायता नहीं दी जाती है, तो स्थिति और खराब हो जाएगी। निगम का हर क्षेत्र में मिलने वाला राजस्व इससे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने चौथे दिल्ली वित्त आयोग की सिफारिशों को लागू नहीं किया था, जिसके कारण निगम को 968.97 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस बीच, पांचवें दिल्ली वित्त आयोग का भी गठन कर दिया गया था जिसमें उत्तरी दिल्ली नगर निगम की मौजूद वित्तीय संकट पर विचार-विमर्श किया गया था। उन्होंने बताया कि आयोग इस बात से भी संतुष्ट था कि निगम में राजस्व और व्यय के बीच असंतुलन का प्रमुख स्रोत अस्पताल हैं, जिस के लिए दिल्ली सरकार को उत्तरी दिल्ली नगर निगम को विशेष सहायता अनुदान प्रदान करना चाहिए। लेकिन सरकार ने इन सिफारिशों को स्वीकार नहीं किया। इससे चार हजार 673 करोड़ का नुकसान हुआ।

उपराज्यपाल अनिल बैजल को फंड की मांग का पत्र सौंपते उत्तरी निगम के महापौर राजा इकबाल सिंह। फोटो : नगर निगम

दिल्ली सरकार को निगमों से लेने हैं 6.50 हजार करोड़ : आप

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी ने उत्तरी नगर निगम की तरफ से पार्षदों को 50-50 लाख रुपये फंड देने के फैसले पर आपत्ति जताई है। आप के मुख्य प्रवक्ता व विधायक सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि उत्तरी नगर निगम के पास कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं है, लेकिन पार्षदों को फंड देने के लिए पैसे हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तरी नगर निगम से दिल्ली सरकार को 2.407 करोड़ रुपये लेने हैं। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि तीनों नगर निगमों से दिल्ली सरकार को 6.50 हजार करोड़ रुपये लेने हैं। लेकिन, निगम दिल्ली सरकार से फंड मांग रहे हैं।

लाल किले की सुरक्षा के लिए एंटी ड्रोन सिस्टम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : स्वतंत्रता दिवस पर ड्रोन हमले के खतरे को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए इसी सप्ताह लाल किले की सुरक्षा के लिए एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया जाएगा। इसके साथ ही पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने अधिकारियों को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस आयुक्त का कार्यभार संभालने के बाद राकेश अस्थाना ने शनिवार को पहली बार दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक की है। इसमें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों से जुड़ी जानकारी ली। साथ ही जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस बीच अधिकारियों ने उन्हें बताया कि ड्रोन हमले के खतरे को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने तमाम पैरा मिलिट्री व सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे लेकर रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के साथ भी बैठक हो रही है। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त के मद्देनजर इस बार लाल किले पर एंटी ड्रोन रडार सिस्टम लगाया जा रहा है।

हो सकती है फांसी भी

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

आरोपितों पर हत्या, गैर इरादतन हत्या के प्रयास, अपहरण, दंगा करने, लूटपाट, डकैती, कोरोना के समय सारा आदेश का उल्लंघन, जबरन रोकने, गंभीर चोट पहुंचाने, जबरन घर में घुसने, जान से मारने की धमकी, लूट, आपराधिक साजिश रचने व आर्म्स एक्ट की धाराओं में आरोप पत्र दायर किया गया है। उक्त धाराओं के अनुरूप अदालत के समक्ष मजबूत सुबूत पेश करने में कामयाब होने पर आरोपितों को अधिकतम फांसी व न्यूनतम उम्रकैद की सजा हो सकती है। बता दें, सागर हत्याकांड में पहलवान सुशील कुमार समेत कुल 18 आरोपित बनाए गए हैं, जिनमें 15 को पुलिस अब तक गिरफ्तार कर चुकी है। ये सभी तिहाड़ जेल में बंद हैं। हालांकि इनमें से 13 के खिलाफ ही अभी सुबूत मिले हैं। इस कारण इनके खिलाफ ही आरोप पत्र दायर किया गया है।

फ्लैट को लेकर हुई थी झगड़े की शुरुआत : आरोप पत्र में कहा गया है कि सुशील का माडल टाउन दो स्थित पत्नी सावी के नाम वाले विवादित फ्लैट में सागर व उसके दोस्तों द्वारा हिस्सा मांगने को लेकर ही झगड़े की शुरुआत हुई थी। बाद में कई अन्य मसले पर भी इनके बीच विवाद बढ़ता चला गया। सुशील का पहलवानों के बीच वर्चस्व था। उसे सागर व उसके साथियों की सीनाजोरी खटकने लगी थी। सबक सिखाने के लिए सुशील ने हरियाणा, पंजाब व दिल्ली से बदमाशों व पहलवानों को इकट्ठा कर हथियार व डंडे जुटाए। उसके बाद चार मई की रात सागर समेत पांचों पहलवानों को उनके घरों से उठाकर छत्रसाल स्टेडियम लाकर उनकी बेरहमी से पिटाई की गई थी।

दहशत कायम करने को बनाया वीडियो : सुशील के कहने पर वारदात में शामिल प्रिंस दलाल ने अपने मोबाइल फोन से पिटाई करते हुए वीडियो भी बनाया था। वीडियो बनाने का मकसद उसे पहलवानों के बीच वायरल करना था ताकि कोई और पहलवान भविष्य में सुशील के खिलाफ आवाज न उठा पाए। पहलवानों में दहशत कायम करने के लिए पूरी योजना के तहत वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने वारदात वाली रात ही प्रिंस दलाल को दबोच कर उसका फोन जब्त कर लिया था।

स्पा में यौन शोषण रोकने को गाइडलाइन जारी

प्रविधान

'महिला-पुरुष एक-दूसरे का नहीं कर सकेंगे मसाज, हेल्पलाइन नंबर पर काल कर की जा सकती है शिकायत

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

स्पा और मसाज सेंटरों में यौन शोषण रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। दिल्ली महिला आयोग द्वारा ऐसे सेंटरों पर अनियमितताओं और यौन शोषण का मुद्दा उठाया गया था, जिसके बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को नई गाइडलाइन को मंजूरी दे दी।

गाइडलाइन में स्पष्ट कहा गया है कि अब स्पा में कोई महिला कर्मी किसी पुरुष ग्राहक का मसाज नहीं कर सकेगी और न ही कोई पुरुष कर्मी महिला ग्राहक का मसाज कर सकेगा। स्पा, मसाज सेंटर केवल मालिश के उद्देश्य से हैं। यदि कोई ग्राहक कर्मचारी, नियोक्ता वेश्यावृत्ति से संबंधित किसी भी गतिविधि में लिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लोग इस प्रकार की अनैतिक गतिविधि की सूचना हेल्पलाइन नंबर 112 और 181 पर काल करके दे सकते हैं।

स्पा और मसाज सेंटर के लिए इन शर्तों को किया गया अनिवार्य

- स्पा व मसाज सेंटर के परिसर के अंदर यौन गतिविधियों को शामिल करना प्रतिबंधित है।
- स्पा में महिला और पुरुष एक दूसरे की मसाज नहीं कर सकेंगे।
- पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार होंगे और कोई इंटर-कनेक्शन नहीं होगा।
- बंद कमरों में स्पा व मसाज सेंटर सेवाएं नहीं देंगे। कमरों के दरवाजों के अंदर कोई कुंडी और बोल्ट नहीं होगा।
- वर्किंग आवर्स के दौरान प्रतिष्ठान का दरवाजा खुला रखना अनिवार्य होगा।
- सेंटर में आने वाले सभी ग्राहकों से आइडी कार्ड (पहचान पत्र) प्राप्त करना जरूरी है। साथ ही फोन नंबर, उनके संपर्क आदि का विवरण एक रजिस्टर दर्ज करना होगा।
- स्पा व मसाज सेंटर सुबह 9 बजे से रात 9 बजे के बीच ही खुले रह सकते हैं और प्रत्येक कमरे में प्रकाश की समुचित व्यवस्था करनी होगी।
- पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग शौचालय और स्नानघर होंगे।
- पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम होंगे।
- सेंटरों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए।
- प्रत्येक सेंटर का नाम, लाइसेंस संख्या, लाइसेंस का विवरण, वर्किंग आवर्स आदि परिसर या भवन में बाहर प्रदर्शित होना चाहिए, जो स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके।
- रिकार्डिंग सुविधा के साथ सीसीटीवी कैमरे सेंटर के प्रवेश द्वार, स्वागत कक्ष और सामान्य क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। रिकार्डिंग कम से कम तीन महीने तक सुरक्षित रखनी होगी।
- सेंटर में कोविड-19 के निर्धारित दिशा निर्देशों का पालन करना होगा।

खतरे के निशान से नीचे आया यमुना का जलस्तर

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली

राजधानी में यमुना का जलस्तर फिर से घटना शुरू हो गया है। सोमवार रात नौ बजे जलस्तर 204.77 मीटर पहुंच गया, जबकि शनिवार रात को जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया था। प्रशासन का कहना है कि हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से कम पानी छोड़ा जा रहा है, इस वजह से जलस्तर कम हो रहा है। बता दें, खतरे का निशान 205.33 मीटर है।

खादर के क्षेत्र में अस्थायी रूप से रहने वाले बहुत से लोग जलस्तर बढ़ने से प्रशासन के द्वारा सड़क किनारे बनाए गए राहत शिविरों में रह रहे हैं। सोमवार को हुई बारिश से शिविरों में रहने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि पिछले दो दिनों से वह टेंट में रह रहे हैं, बारिश आते ही उनका सारा सामान भीग जाता है। प्रशासन पुख्ता इंतजाम नहीं कर पा रहा है। खाने के लिए काफी इंतजार करना पड़ रहा है, कई लोगों को तो खाना मिल भी नहीं पा रहा है। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के नोडल अधिकारी व प्रीत विहार के एसडीएम राजेंद्र कुमार ने बताया कि शनिवार रात आठ बजे हथिनी कुंड बैराज से 12,473 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। सोमवार को दिनभर पानी का जलस्तर घटता रहा। उन्होंने कहा कि फिलहाल जलस्तर बढ़ने की संभावना नजर नहीं आ रही है। प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।

वरिष्ठ पत्रकार शेष नारायण की पुस्तक का रक्षा मंत्री ने किया विमोचन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार शेष नारायण सिंह की पुस्तक 'शेष जी' (शेष नारायण सिंह, राजनीतिक व वैचारिक लेखों का संकलन) का विमोचन किया। इस लेकर रक्षा मंत्री ने ट्वीट भी किया है। संस्मरण और पत्रकारिता विधा को इस पुस्तक को वाणी प्रकाशन ने प्रकाशित किया है।

तीन भागों में बंटी इस किताब में पिछले तीन दशकों में शेष नारायण सिंह के चुनिंदा लेखों को शामिल किया गया है। किताब का विमोचन दिल्ली स्थित रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह निवास पर हुआ है। इस अवसर पर वाणी प्रकाशन के मालिक अरुण महेश्वरी, उनकी बेटी आदिति महेश्वरी, शेष नारायण सिंह की पत्नी इंदु सिंह और उनकी बेटी शबनम सिंह उपस्थित थीं।

28 नवंबर को होगा कामन एडमिशन टेस्ट (कैट 2021)। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चार अगस्त से 15 सितंबर तक चलेगी।

मिजोरम के सांसद के खिलाफ प्राथमिकी वापस लेगा असम

गुवाहाटी, प्रेट्र : असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने सोमवार को कहा कि उन्होंने पुलिस को मिजोरम के सांसद के. वेंलेल्वना के खिलाफ प्राथमिकी वापस लेने का निर्देश दिया है। उधर, असम और मिजोरम के बीच हालिया तनाव को लेकर पूर्वोत्तर के भाजपा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दल में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी थे। इस सांसदों ने कांग्रेस पर संवेदनशील मुद्दे का राजनीतीकरण करने का आरोप लगाया।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने आरोप लगाया कि विदेशी ताकतें उकसाने वाले बयान देकर क्षेत्र में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही रही हैं। हालांकि, असम के सीएम सरमा ने यह भी कहा कि कछार जिला में लैलापुर में अंतरराज्यीय सीमा के पास गोलीबारी की घटना में कथित संलिप्तता के लिए मिजोरम के छह सरकारी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों में जांच जारी रहेगी। सरमा ने कई ट्वीट कर पूर्वोत्तर के दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद सुलझाने में मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा के प्रयासों की सराहना की। सरमा ने कहा कि मैंने मीडिया में माननीय मुख्यमंत्री जोरामथंगा के बयानों को देखा है, जिसमें उन्होंने सीमा विवाद को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने की इच्छा जताई है। सरमा ने कहा कि इस सद्भावना को आगे बढ़ाते हुए मैंने असम पुलिस को मिजोरम से राज्यसभा सदस्य के. वेंलेल्वना के खिलाफ प्राथमिकी वापस लेने का निर्देश दिया है। हालांकि, अन्य आरोपी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामले जारी रहेंगे। असम पुलिस की एक टीम पिछले हफ्ते नई दिल्ली गई थी और वेंलेल्वना के कथित बयान को लेकर आवास के दरवाजे पर पूछताछ के लिए एक समन चिपकाया था। बयान में उन्होंने मिजोरम की सीमा पार करने पर और अधिक कर्मियों को मारने की धमकी दी थी। असम पुलिस ने 28 जुलाई को कोलासिब जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक सहित मिजोरम सरकार के छह अधिकारियों को भी समन जारी किया और उन्हें सोमवार को ढोलई पुलिस थाने में पेश होने का आदेश दिया।

गोलीबारी की घटना के बाद मिजोरम पुलिस ने भी सरमा और असम के छह अधिकारियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और आपराधिक साजिश सहित विभिन्न आरोपों में 26 जुलाई को वैरेंगटे पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। मिजोरम के मुख्य सचिव लालनुनमाविया चुआंगो ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार सरमा के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने के लिए तैयार थी, क्योंकि जोरामथांगा ने इसे मंजूरी नहीं दी थी। पूर्वोत्तर के दोनों राज्यों के बीच जारी सीमा विवाद के कारण 26 जुलाई को हुए संघर्ष में असम पुलिस के कम से कम छह कर्मियों और एक आम नागरिक की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। कछार जिले में असम-मिजोरम सीमा पर सोमवार को शांति रही। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-306 पर बड़ी संख्या में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों के गश्त लगाने के कारण लैलापुर और उसके आसपास, संघर्ष की जगह, अंतरराज्यीय सीमा के पास स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है।

असम-मिजोरम सीमा विवाद के बीच पूर्वोत्तर के भाजपा सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू और सर्वानंद सोनोवाल भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। एएनआइ

सीमा विवाद का हल निकालने को शाह प्रयासरत : के हरि बाबू

नई दिल्ली, प्रेट्र : असम और मिजोरम के मध्य तनाव के बीच, मिजोरम के राज्यपाल के हरि बाबू ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि केंद्र इस मुद्दे का समाधान तलाशने की कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद संसद में पत्रकारों से बात करते हुए बाबू ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह तनाव कम करने और इस मुद्दे का हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस की राजनीति पर भड़के पूर्वोत्तर के सांसद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद को लेकर कांग्रेस की राजनीति को लेकर पूर्वोत्तर भारत के सांसद भड़क गए हैं। पूर्वोत्तर भारत के लगभग एक दर्जन सांसदों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति को लेकर आगाह किया है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में इन सांसदों ने कांग्रेस पर आजादी के बाद से ही पूर्वोत्तर भारत की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उनके अनुसार कांग्रेस ने आजादी के बाद से ही राजनीतिक स्वार्थ के लिए विभिन्न गुटों को आपस में लड़ाने का काम किया, जिसके कारण पूर्वोत्तर भारत आतंक और हिंसा का शिकार होता रहा। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद न सिर्फ पूर्वोत्तर भारत में तेजी से विकास हो रहा है, बल्कि पुराने विवादों को सुलझा कर सबको साथ लाने काम भी किया गया है। यही कारण है कि विभिन्न प्रतिबंधित आतंकी गुटों के लोग हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौट रहे हैं। पूर्वोत्तर के सांसदों का कहना है कि असम और मिजोरम दोनों राज्यों ने बातचीत से आपसी मतभदों को दूर करने और सीमा विवाद के स्थायी समाधान खोजने की प्रतिबद्धता दोहराई है। ऐसे में कांग्रेस इस विवाद को हवा देकर राजनीतिक रोटी सेंकने की कोशिश कर रही है जो देश की एकता और अखंडता के लिए ठीक नहीं है। उनके अनुसार दो साल पहले सीएए और एनआरसी के दौरान भी कांग्रेस ने यही रवैया अपनाया था, लेकिन पिछले दिनों असम में हुए विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति को खारिज कर दिया। पत्र लिखने वाले सांसदों में कानून मंत्री किरण रिजिजू, असम के पूर्व मुख्यमंत्री व मौजूदा केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और भाजपा महासचिव दिलीप सैकैया शामिल हैं।

विपक्ष की माक संसद की तैयारी, सरकार निपटा रही विधायी कार्य

संसद का घमासान ▸ पेगासस मामले में संसद के संग्राम को अगले पड़ाव पर ले जाने की तैयारी

राहुल गांधी ने आज नाश्ते पर बुलाई विपक्ष के नेताओं की बैठक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पेगासस जासूसी कांड को लेकर संसद में लगातार जारी गतिरोध के बीच विपक्ष ने माक (दिखावटी) संसद बुलाने के इरादे जाहिर कर इस घमासान को अब नए पायदान पर ले जाने का फैसला किया है। दोनों सदनों में अपनी बात रखने का मौका नहीं दिए जाने पर विपक्ष विरोध जताने के लिए माक संसद बुलाना चाहता है। इसके लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार सुबह नाश्ते पर संसद में सभी विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। इस बैठक में ही विपक्ष संसद की समानांतर बैठक बुलाने की रणनीति पर अंतिम फैसला लेगा।

संसद के दोनों सदनों में लगातार नौवें दिन हंगामा और शोरगुल जारी रख विपक्ष ने साफ कर दिया कि पेगासस मामले पर बहस की मांग वह नहीं छोड़ेगा। वहीं, सरकार ने सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में हंगामे के बीच दो महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराकर स्पष्ट कर दिया कि वह अपने विधायी कामकाज को अंजाम देना जारी रखेगी। दोनों सदनों में हंगामे और अव्यवस्था के बावजूद सरकार की विधायी कामकाज निपटाने की रणनीति को देख विपक्ष माक संसद बुलाकर लड़ाई आगे बढ़ाने को जरूरी मान रहा है। पेगासस मामले को लेकर संसद में विपक्षी दलों के बीच अभी तक तालमेल दिख रहा है। इसके मद्देनजर ही राहुल गांधी ने दोनों सदनों में विपक्षी खेमे के 17 दलों के नेताओं को नाश्ते पर चर्चा का न्योता दिया है। राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीधे तौर पर माक संसद बुलाने को लेकर तो कुछ नहीं कहा, मगर यह जरूर कहा कि कंस्टीट्यूशन क्लब में बुलाई गई राहुल की बैठक में विपक्षी दल अपनी रणनीति पर चर्चा करेंगे। विपक्षी नेताओं की इस बैठक के लिए तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। पेगासस पर सदन में विपक्षी दलों के साथ खड़ी टीएमसी अभी तक सीधे कांग्रेस की रहनुमाई में आने से परहेज करती दिखी है। इस लिहाज से राहुल की ब्रेकफास्ट बैठक में टीएमसी नेताओं की मौजूदगी रहती है या नहीं इस पर सबकी निगाह रहेगी। वैसे राज्यसभा में टीएमसी के नेता डेरेक ओब्रायन सोमवार सुबह संसद की बैठक से पूर्व विपक्षी नेताओं की मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुआई में हुई बैठक में शामिल हुए। समझा जाता है कि इस बैठक में भी विपक्षी खेमे के नेताओं ने संसद भवन से बाहर माक संसद बुलाने को लेकर बातचीत की। विपक्षी नेताओं का कहना है कि संसद में उनकी बात सुनी नहीं जा रही है। विपक्ष की आवाज दबाते हुए जबरन बिल पारित कराए जा रहे हैं। इस पर विरोध जताने के लिए बाध्य होकर माक संसद के विकल्प पर विचार किया जा रहा है। लोकसभा में भी विपक्ष के भारी शोर-गुल और नारेबाजी के बीच ही वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकार के आर्थिक सुधार से जुड़ा अहम साधारण बीमा कारोबार संशोधन विधेयक पेश ही नहीं किया, बल्कि पारित भी करा लिया। सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने हंगामे के बीच बिल पारित किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि चंद पूंजीपतियों की जेब भरने के लिए एलआइसी जैसे पुराने संस्थानों को बेचने के लिए सरकार आपाधापी में विधेयक पारित करा रही है। इसी तरह राज्यसभा में भी सरकार ने सोमवार को अंतरदेशीय जल परिहवन विधेयक, हंगामे और नारेबाजी के बीच ही पारित कराया।

पेगासस जासूसी मामले समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर सोमवार को संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। प्रेट्र

कांग्रेस की माक संसद की कवायद खर्चा रुपैया, चर्चा चवन्नी : नकवी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

बोला हमला

- कहा, विपक्ष में इस समय आधा दर्जन प्रधानमंत्री इन वेटिंग हैं
- दुष्प्रचार फैलाकर देश को बदनाम करना कांग्रेस की फितरत : बलूनी

पेगासस के मुद्दे पर चर्चा की मांग पर लगातार गतिरोध के बाद अब माक (समानांतर) संसद चलाकर विरोध को नया आयाम देने में जुटे विपक्ष के रुख को भाजपा ने खर्चा रुपैया और चर्चा चवन्नी करार दिया है। केंद्रीय मंत्री व राज्यसभा में पार्टी के उपनेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि विपक्ष में इस समय आधा दर्जन प्रधानमंत्री इन वेटिंग हैं और इसलिए कांग्रेस चौधरी बनने की फिराक में समानांतर संसद की बात कर रही है। सच्चाई यह है कि एक दो दलों को छोड़ सभी दल कोरोना, किसान आदि मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस ने उनको दबाव में ला दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को 17 दलों की बैठक बुलाई है। जाहिर तौर से इसमें माक संसद पर चर्चा होगी।

नकवी ने कहा कि कांग्रेस को कभी भी आम जनता की परवाह नहीं रही। उसे तो अपने अपने परिवार की सूझती है। यही कारण है कि वह कोरोना, किसानों जैसे मुद्दे पर चर्चा को भूल गई है। वह सिर्फ विवाद खड़ा करना चाहती है। सच्चाई यह है कि कांग्रेस ही जासूसी की दुनिया की 'जेम्स बांड' है। वह पहले जासूसी का जाल बिछाती थी और अब हंगामा खड़ा कर रही है।

नकवी ने कहा कि दरअसल उसे चर्चा में कभी विश्वास ही नहीं रहा। संसद बाधित कर करोड़ों का नुकसान करवा रही है और चर्चा चवन्नी भर भी नहीं कर रही।

मुख्तार अब्बास नकवी। जागरण आर्काइव

उधर भाजपा के राज्यसभा सदस्य और पार्टी के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा कि जब देश की संसद चल रही है तो कांग्रेस द्वारा इस तरह का विवाद खड़ा करना देश को वास्तिवक मुद्दों से भटकाने की कोशिश है। कांग्रेस हमेशा से ही दुष्प्रचार फैलाकर देश को बदनाम करने की कोशिश में जुटी रहती है। माक संसद के लिए उसके द्वारा की जा रही कवायद भी उससे अलग नहीं है।

पेगासस जासूसी मामले में पत्रकार परांजय ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की याचिका

नई दिल्ली, प्रेट्र : वरिष्ठ पत्रकार परांजय गुहा ठाकुरता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करके केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की है कि उनके मोबाइल पर इजरायली स्पाईवेयर के कथित इस्तेमाल से जुड़ी जांच और उसकी मंजूरी से संबंधित सामग्री उजागर की जाए। गुहा का नाम उस कथित सूची में शामिल था, जिनकी पेगासस का इस्तेमाल कर जासूसी की गई।

परांजय ने कहा कि पेगासस की मौजूदगी से देश में बोलने की आजादी के अधिकार पर जबर्दस्त प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि मालवेयर या स्पाईवेयर के इस्तेमाल को गैरकानूनी और असंवैधानिक घोषित किया जाए। साथ ही केंद्र को यह निर्देश देने की मांग भी की कि वह भारतीय नागरिकों की साइबर हथियारों या पेगासस जैसे मालवेयर के इस्तेमाल से रक्षा के लिए कदम उठाए।

प्रधान न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ पांच अगस्त को तीन अगल-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली है। इनमें से एक याचिका वरिष्ठ पत्रकार एन. राम और शशि कुमार की भी है जिन्होंने कथित पेगासस जासूसी मामले की वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीश से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है।

परांजय ने केंद्र को यह निर्देश देने की मांग भी की है कि निजता के गैरकानूनी उल्लंघन व हैकिंग की शिकायतों से निपटने और उल्लंघन के जिम्मेदार अधिकारियों को दंडित करने के लिए न्यायिक निगरानी की व्यवस्था बनाई जाए।

ओबीएफ कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेगी सरकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने आर्डिनेंस फैक्टरी बोर्ड (ओएफबी) को सरकारी स्वामित्व वाली सात शाखाओं में विभाजन करने के बाद इसके कर्मचारियों के हितों की रक्षा का आश्वासन दिया है। सरकार ने जून में रक्षा क्षेत्र के महत्वपूर्ण संगठन ओएफबी के पुनर्गठन की मंजूरी दी थी। यह प्रस्ताव काफी समय से लंबित था। ओएफबी देश भर में हथियार, गोलाबारूद और सैन्य उपकरणों के निर्माण की 41 इकाइयों का संचालन करता है। इसकी दक्षता बढ़ाने तथा इसे और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इसके पुनर्गठन की मंजूरी दी गई है।

रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने राज्यसभा में कहा, 'सरकार ओएफबी का निगमीकरण करने के बाद इसके कर्मचारियों के हितों की रक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है। ओएफबी के ए, बी और सी सभी समूहों के कर्मचारियों को जल्द ही बनने वाले रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) में स्थानांतरित किया जाएगा। चाहे ये कर्मचारी उत्पादन इकाइयों के हों या गैर-उत्पादन इकाइयों के हों।'

सदन चलाने को राजनाथ ने विपक्षी नेताओं से साधा संपर्क

नई दिल्ली, एएनआइ : संसद में हंगामे के कारण बार-बार के स्थगन के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को फोन कर सदन चलाने में उनका सहयोग मांगा है। यह जानकारी सोमवार को सूत्रों ने दी।

सूत्रों ने बताया कि सोमवार सुबह, राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को फोन किया और सदन चलाने में उनका सहयोग मांगा। जिस पर विपक्षी नेताओं ने कहा कि सरकार को विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए, विपक्ष सरकार को सहयोग देने के लिए तैयार है।

जानकारी के अनुसार विपक्षी दलों ने सरकार से तीन मुद्दों पर दोनों सदनों में चर्चा कराने की मांग की है। विपक्ष के एजेंडे में तीनों नए कृषि कानूनों को निरस्त करना, मुद्रास्फीति में वृद्धि, पेट्रोल डीजल और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों और प्रधानमंत्री व गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों (पेगासस मामला) पर चर्चा शामिल है। उल्लेखनीय है हाल ही में पीयूष गोयल और प्रल्हाद जोशी ने भी विपक्षी दलों से मुलाकात कर सदन चलाने में सहयोग मांगा था।

जवाब देने में सरकार को मुश्किल क्यों : चिदंबरम

नई दिल्ली, प्रेट्र : पेगासस जासूसी विवाद के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने सोमवार को पूछा कि भारत सरकार के लिए सीधा जवाब देना इतना मुश्किल क्यों है कि वह पेगागस साफ्टवेयर मुहैया कराने वाली इजरायली कंपनी एनएसओ समूह की ग्राहक है या नहीं। पूर्व गृह मंत्री ने दावा किया कि एनएसओ समूह में दुनिया की 40 सरकारें और 60 एजेंसियां इसकी ग्राहक हैं। उन्होंने कहा कि यह एक आसान सा सवाल है कि क्या भारत सरकार चालीस में से एक थी। भारत सरकार के लिए इस आसान सवाल का सीधा जवाब देना इतना कठिन क्यों है।

किसानों का कर्ज माफ करने पर विचार नहीं कर रही सरकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में किसानों का कर्ज माफ करने के बारे में केंद्र सरकार विचार नहीं कर रही है। लोकसभा में सोमवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने कहा कि केंद्र ने 'कृषि ऋण माफी और ऋण राहत योजना (अवाड्र्स), 2008' के बाद से कोई कृषि कर्ज माफी योजना लागू नहीं की है।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने कहा, 'देश में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के किसानों सहित किसानों का कर्ज माफ करने का भारत सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।' उन्होंने किसानों के कर्ज के बोझ को कम करने और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों सहित कृषि में लगे लोगों के कल्याण के लिए सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। मंत्री ने तीन लाख रुपये तक के अल्पकालिक फसल ऋण के लिए ब्याज सहायता और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का हवाला दिया।

कर्नाटक में कल हो सकता है कैबिनेट का विस्तार

नई दिल्ली, प्रेट्र : कैबिनेट विस्तार को लेकर भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ चर्चा के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई रविवार की रात फिर राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। उन्होंने सोमवार को कहा कि कैबिनेट विस्तार बुधवार को हो सकता है।

बोम्मई ने कहा कि पुरानी टीम को देखते हुए संतुलित तरीके से कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह से मिलने संसद जाने से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'आज या कल कैबिनेट को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। बुधवार को कैबिनेट विस्तार की संभावना है।' उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से बातचीत में तय होगा कि कैबिनेट का विस्तार चरणबद्ध तरीके से करना है या एक ही बार में। बोम्मई ने कहा, 'इसी के आधार पर नाम तय किए जाएंगे। बैठक में ही यह भी तय होगा कि कितने उप मुख्यमंत्री बनाए जाने हैं। मौजूदा स्थिति में सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जाएगा।' बता दें कि बोम्मई ने बीएस येदियुरप्पा के इस्तीफे के बाद 28 जुलाई को कर्नाटक के मुख्यमंत्री की शपथ ली है।

'सीएम को बार-बार दिल्ली का चक्कर लगाने को मजबूर न करें'

समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार, कर्नाटक में नेता प्रतिपक्ष सिद्दारमैया ने कहा कि भाजपा हाईकमान को राज्य की परिस्थितियों को समझना चाहिए और मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई को बार-बार दिल्ली का चक्कर लगाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री बेंगलुरु व दिल्ली के बीच चक्कर लगा रहे हैं। वह एक बार दिल्ली जाते तो बात समझ में आती है, लेकिन कई बार क्यों?' पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य में कोरोना की स्थितियां खराब हो रही हैं और मुख्यमंत्री दिल्ली के चक्कर लगाने में व्यस्त हैं।

पीएम व गृह मंत्री के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट पांच अगस्त को सुनवाई करेगा। इस याचिका में दिल्ली पुलिस आयुक्त के रूप में राकेश अस्थाना की नियुक्ति को चुनौती दी गई है।

यह याचिका अधिवक्ता मनोहर लाल शर्मा ने 30 जुलाई को दायर की थी। इसमें उनका कहना है कि अस्थाना की नियुक्ति शीर्ष अदालत के जुलाई, 2018 के आदेश का उल्लंघन है। इस आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ऐसी नियुक्तियों के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को उन अधिकारियों पर विचार करना चाहिए जिनका सेवाकाल दो वर्ष का रह गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले हफ्ते जारी अपने आदेश में कहा था कि सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक के रूप में कार्यरत राकेश अस्थाना को तत्काल प्रभाव से एक साल के लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त नियुक्त किया जाता है। गुजरात कैडर के 1984 बैच के आइपीएस अधिकारी अस्थाना ने अगस्त, 2020 में सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक का कार्यभार संभाला था। उन्हें 31 जुलाई को रिटायर होना था।

अहम अवसर

अफगानिस्तान के मौजूदा हालात को देखते हुए भारत समेत अन्य देशों के लिए बढ़ गई है ईरान की अहमियत

ईरानी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे जयशंकर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

ईरान के साथ रिश्तों की गाड़ी को पूरी तरह से पटरी पर लाने के लिए भारत कोई भी मौका नहीं छोड़ने जा रहा है। वहां के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का शपथ ग्रहण समारोह एक ऐसा ही मौका होगा, जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर हिस्सा ले सकते हैं। पांच अगस्त को तेहरान में होने वाले इस समारोह में कई देशों के शासनाध्यक्ष व विदेश मंत्री हिस्सा लेंगे। अफगानिस्तान के मौजूदा हालात को देखते हुए भारत ही नहीं, दूसरे देशों के लिए भी ईरान की अहमियत बढ़ गई है।

जयशंकर का रईसी के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने का फैसला ही अहम है। हाल के दशकों में यह पहला मौका होगा, जब भारतीय विदेश मंत्री ईरान में किसी शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे। तीन हफ्ते पहले ही जयशंकर रूस की यात्रा के बीच में तेहरान में रुककर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति रईसी से मुलाकात की थी। रईसी के चुनाव के बाद भारत पहला देश था, जिसने अपने विदेश मंत्री को मिलने के लिए भेजा था। जयशंकर ने रईसी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष संदेश भी दिया था। ईरान की तरफ से भी संकेत दिए गए हैं कि वह भी सुस्त पड़े रिश्तों को नई दिशा देने को तैयार है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर। जागरण आर्काइव

अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की वजह से ईरान की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। ऐसे में वह भी भारत के साथ सामान्य कारोबारी रिश्तों को लेकर उत्सुक है। भारत वर्ष 2019 तक ईरान का दूसरा सबसे बड़ा तेल खरीदार देश रहा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि देश की तेल कंपनियां ईरान से फिर से तेल खरीदने को तैयार हैं।

उधर, ईरान तालिबान व अफगान सरकार के बीच शांति वार्ता करवाने की कोशिश में है, लेकिन पिछले 10 दिनों में तालिबान ने जिस तरह से खूंखार व आक्रामक रवैया अपनाया है उससे ईरान की चिंता बढ़ी है। तालिबान में सुन्नी संप्रदाय के धड़े का वर्चस्व है और इनका पारंपरिक तौर पर ईरान के साथ छत्तीस का आंकड़ा रहा है। 25 वर्ष पहले भी अफगान में सत्ता हथियाने के बाद तालिबानियों ने ईरान-अफगान सीमा पर रहने वाले शिया समुदाय पर कहर बरपाए थे। ऐसे में अफगानिस्तान को लेकर भारत और ईरान के बीच फिर से संपर्क तेज होने के संकेत हैं। चाबहार पोर्ट की वजह से भी भारत के लिए ईरान ज्यादा अहमियत रखता है। इन वजहों से माना जा रहा है कि मोदी सरकार की कूटनीति में ईरान को और ज्यादा तवज्जो मिलेगी।

पीएम के सलाहकार अमरजीत सिन्हा का इस्तीफा

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में वरिष्ठ नौकरशाह अमरजीत सिन्हा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी सिन्हा पीएमओ में सलाहकार थे। वह सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी परियोजनाओं को संभालते थे।

बिहार कैडर के 1983 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) अधिकारी सिन्हा वर्ष 2019 में ग्रामीण विकास सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद उन्हें पीएमओ में नियुक्त किया गया था। सिन्हा हाल के महीने में पीएमओ से इस्तीफा देने वाले दूसरे वरिष्ठ अधिकारी हैं। इससे पहले मार्च में प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधान सलाहकार रहे पूर्व कैबिनेट सचिव पीके सिन्हा भी इस्तीफा दे चुके हैं।

कह के रहेंगे माधव जोशी

12 फीसद बढ़कर 125 अरब यूनिट पर पहुंच गई है देश में बिजली खपत जुलाई में। यह कोरोना पूर्व के स्तर से अधिक है। जुलाई 2019 में खपत 116 अरब यूनिट, जुलाई 2020 में 112 अरब यूनिट थी।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 3 अगस्त, 2021

'जातीय जनगणना तो केंद्र को करानी है, मिलने में एतराज क्यों'

नीतीश बोले- इससे तनाव नहीं, बल्कि सभी वर्गों को संतुष्टि होगी

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को कहा कि जातीय जनगणना तो केंद्र सरकार के ऊपर निर्भर है, लेकिन मिलकर अपनी बात रखने से किसी को क्या एतराज होगा! भाजपा को भी यह सूचना दी गई है कि इस मसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना है। पीएम को पत्र लिखकर उनसे समय लिया जाएगा। अपनी बात तो रखनी ही चाहिए। नीतीश ने कहा कि गलत कहा जा रहा कि जाति आधारित जनगणना से समाज में तनाव होगा। इससे समाज में खुशी होगी। सभी को संतुष्टि होगी। हमारे अलावा भी कई राज्यों द्वारा इसकी मांग की जा रही। जाति की कोई बात नहीं। विधानसभा और विधान परिषद में 2019 में तो यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ था। इसके बाद 2020 में भी विधानसभा से यह सर्वसम्मति से पारित हुआ।

अमित शाह से मिले जदयू के सांसद : जातीय जनगणना के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए जदयू के सांसदों ने सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में पार्टी संसदीय दल के नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि पहले दौर की बातचीत सार्थक रही। इस मुद्दे पर जल्द ही केंद्रीय गृह मंत्री के साथ एक और मुलाकात होगी। ललन सिंह ने बताया कि गृह मंत्री ने उनकी मांग को औचित्यपूर्ण बताया। जदयू सांसदों ने प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा था। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से कहा गया कि इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री बातचीत करेंगे। अमित शाह से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान ललन सिंह ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री हमारी मांग से सहमत थे, लेकिन उनका कहना था कि जातीय जनगणना का दूसरा पक्ष भी है। वह इसके दूसरे पक्ष पर विचार-विमर्श के लिए जदयू सांसदों को जल्द ही बुलाएंगे।

रखी बात : नीतीश कुमार। जागरण आर्काइव

सरकार को नीतियां बनाने में होगी सुविधा : ललन सिंह

ललन सिंह ने कहा कि जातीय जनगणना होने से सरकार को विभिन्न सामाजिक समूहों के कल्याण के लिए नीतियां बनाने में सुविधा होगी। 1931 के बाद जातीय जनगणना नहीं हुई। अभी मौखिक तौर पर विभिन्न जातियों का जो आंकड़ा बताया जा रहा है, उसे जोड़ा जाए तो वह देश की आबादी से तीन गुना अधिक होगा। जदयू सांसदों ने गृह मंत्री को ज्ञापन भी सौंपा।

भाजपा की पक्षधरता का सवाल : ललन सिंह ने अमित शाह को बताया कि बिहार के सभी दलों ने जातीय जनगणना के पक्ष में सर्वसम्मति से अपनी राय दी है। 2019 और 2020 में विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव केंद्र को भेजा था। सवाल यह कि क्या भाजपा अब इसके पक्ष में नहीं है? जवाब में ललन सिंह ने कहा कि मैं इस समय की बात नहीं कह सकता, लेकिन उस समय (विधानसभा में प्रस्ताव पारित होने के समय) तो भाजपा सहमत थी। राजद-कांग्रेस सहित सभी दलों ने इसका समर्थन किया था।

अब झारखंड में भी उठने लगी है मांग

राज्य ब्यूरो, रांची

झारखंड में भी जातिगत जनगणना की मांग जोर पकड़ रही है। सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाते हुए राज्य सरकार से मांग की है कि केंद्र ने देशव्यापी जातिगत जनगणना से मना कर दिया है तो राज्य सरकार प्रदेश में जातिगत जनगणना कराए। उधर, राजद ने सुझाव दिया है कि सरकार विधानसभा के मानसून सत्र में जातिगत जनगणना के लेकर विधेयक पारित कराएं। विपक्षी खेमे से आजसू (आल झारखंड स्टूडेंट यूनियन) भी इसकी पक्षधर है।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डा. राकेश किरण महतो ने सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिख कर राज्य में जातिगत जनगणना करवाने का अनुरोध किया है। महतो ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में लिखा है कि भारत सरकार द्वारा प्रत्येक 10 वर्ष में जनगणना करवाए जाने का प्रविधान है। इसके माध्यम से देश के नागरिकों के विकास के लिए नीति निर्धारण किया जाता है। केंद्र की पूर्व यूपीए सरकार द्वारा वर्ष 2011 में पहली बार देश के सभी राज्यों में सघन रूप से नागरिकों का सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना करवाई गई, लेकिन केंद्र की वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा इस जनगणना के जातिगत आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया, जो अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इसी वर्ष जनगणना प्रस्तावित है, लेकिन भारत सरकार द्वारा संसद के मानसून सत्र में लिखित रूप से यह बताया गया है कि जनगणना जाति आधारित नहीं होगी। इससे पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य कमजोर वर्ग के लोगों की वास्तविक संख्या का सही आकलन नहीं हो सकेगा। ऐसे में उन्होंने अनुरोध किया कि राज्य सरकार अपने संसाधन से जातिगत जनगणना कराए।

> मानसून सत्र में विधेयक पारित कराने की वकालत

होनी चाहिए जातिगत जनगणना : आजसू

आजसू ने भी जातिगत जनगणना की वकालत की है। मुख्य प्रवक्ता डा. देवशरण भगत ने कहा कि आजसू पहले से ही जातिगत जनगणना की मांग करती रही है। इससे पता चलेगा कि झारखंड में कौन सी जाति घट रही है और कौन बढ़ रही है। जातिगत जनगणना होनी ही चाहिए।

विधानसभा के मानसून सत्र में लाएं विधेयक : राजद

झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगी दल राजद ने जातिगत जनगणना की वकालत की है। राजद के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड की सामाजिक संरचना आरक्षण के अनुकूल है। राष्ट्रीय जनता दल का स्पष्ट मानना है कि अति पिछड़ों के आरक्षण पर आधारित जनगणना हो। इससे वंचित तबके का स्तर बेहतर करने के साथ-साथ सामाजिक उत्थान में मदद मिलेगी। उन्होंने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि जातिगत जनगणना के पक्ष में विधानसभा के मानसून सत्र में विधेयक पारित कराया जाए।

सैलजा ने सीएम गहलोत को दिया सोनिया का संदेश

जासं, जयपुर : राजस्थान कांग्रेस में सत्ता और संगठन में फेरबदल को लेकर कसरत जारी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं, फेरबदल में कुछ नामों पर गहलोत को अब भी आपत्ति है। इसी बीच हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष कुमारी सैलजा रविवार देर रात अचानक जयपुर पहुंचीं। उन्होंने देर रात तक सीएम गहलोत के साथ मंत्रिमंडल विस्तार और कांग्रेस संगठन में फेरबदल को लेकर लेकर चर्चा की। इसके बाद सोमवार सुबह वह वापस दिल्ली लौट गईं। सूत्रों के अनुसार कुछ मुद्दों को लेकर गहलोत, पायलट व पार्टी के प्रदेश प्रभारी अजय माकन के बीच सहमति नहीं हो पा रही है। इस कारण अचानक सैलजा को जयपुर भेजा गया। सैलजा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का संदेश सीएम को बताया और वापस लौट गईं। उन्होंने सीएम को यह भी बताया कि आलाकमान मंत्रिमंडल फेरबदल के काम को ज्यादा लंबे समय तक लटकाना नहीं चाहता है। अगस्त में फेरबदल और राजनीतिक नियुक्तियों का काम पूरा करने की मंशा आलाकमान की है। सूत्रों के अनुसार सीएम ने कुछ मुद्दों पर सोनिया गांधी से बात करने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने सैलजा को कहा कि जैसा आलाकमान चाहेगा वैसा ही वह निर्णय करेंगे।

लालू यादव ने मुलायम से की मुलाकात, जाना कुशलक्षेम

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सोमवार को नई दिल्ली में सपा के वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव से मुलाकात की। इस मौके पर मौजूद रहे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बैठक की तस्वीर ट्विटर पर साझा की है, जिसमें सभी चाय पीते नजर आ रहे हैं।

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सोमवार को दिल्ली में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता मुलायम सिंह यादव से दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान मुलायम सिंह के पुत्र और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी मौजूद थे।

लालू ने हिंदी में ट्वीट कर बताया, 'देश के वरिष्ठतम समाजवादी मित्र मुलायम सिंह जी से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। किसानों, असमानता, गरीबी और बेरोजगारी पर हमारी साझा चिंता और लड़ाई है।' उन्होंने बैठक की तस्वीरें भी ट्वीट कीं और कहा, 'आज देश को पूंजीवाद और सांप्रदायिकता की नहीं, बल्कि समानता और समाजवाद की बेहद जरूरत है।' अखिलेश यादव ने भी बैठक की तस्वीरें साझा कीं। इससे पहले दिन में अखिलेश ने लोकसभा की कार्यवाही में भी हिस्सा लिया।

रामूवालिया की बेटी समेत अकाली दल के पांच नेता भाजपा में शामिल

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

पूर्व केंद्रीय मंत्री बलवंत सिंह रामूवालिया की बेटी अमनजोत कौर सहित कुछ अन्य नेता शिरोमणि अकाली दल का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। सोमवार को अमनजोत कौर, शिअद के वरिष्ठ नेता और उपाध्यक्ष चांद सिंह चट्ठा, (संगरूर), जिला गुरदासपुर के शिअद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलजिंदर सिंह डकोहा, शिअद एससी विंग के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह (संगरूर) तथा सोशल वर्कर चेतन मोहन जोशी (गुरदासपुर) ने भी भाजपा में शामिल हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तथा पंजाब प्रभारी दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इन सभी नेताओं को भाजपा परिवार में शामिल कर सिरोपा देकर स्वागत किया। भाजपा के प्रदेश महासचिव जीवन गुप्ता व राजेश बागा ने पार्टी में शामिल हुए नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सभी नेता केंद्र की मोदी सरकार की किसान-हितैषी और जन-हितैषी नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी को पार्टी में बनता सम्मान दिया जाएगा। यह सभी नेता केंद्र सरकार की नीतियों और पार्टी की विचारधारा से अपने-अपने इलाके के लोगों को जागरूक कर संगठन को और मजबूती प्रदान करेंगे।

वहीं, भाजपा में शामिल होने के बाद इन नेताओं ने पार्टी नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो भरोसा जताया है वह उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। इन नेताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों तथा पार्टी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचा कर संगठन को और मजबूत करने का भी भरोसा भी दिया।

बेटी ने भाजपा में जाकर धोखा किया : : अपनी बेटी और मोहाली जिला योजना बोर्ड की चेयरपर्सन रही अमनजोत के भाजपा में जाने के बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री बलवंत सिंह रामूवालिया ने अपनी बेटी से रिश्ता तोड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा कि अमनजोत ने भाजपा में जाने से पहले न तो उनसे कोई चर्चा की और न ही कोई सलाह की। उसने पंजाब और सिखों के साथ धोखा किया है। उसके इस फैसले से सहमत नहीं हूं। इसके साथ ही कहा कि मैं अपनी बेटी के साथ रिश्ता खत्म करता हूं।

शिरोमणि अकाली दल की पूर्व नेता अमनजोत कौर रामूवालिया, चांद सिंह चट्ठा व अन्य ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, भाजपा के वरिष्ठ नेता दुष्यंत गौतम और तरुण चुग की मौजूदगी में भाजपा का दामन थाम लिया। एएनआइ

सुवेंदु का दावा- कलकत्ता हाई कोर्ट के एक जज ने घोटाले के आरोपित के अधिवक्ता से की मुलाकात

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

नंदीग्राम से भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा है कि कलकत्ता हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश ने अपने हालिया दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े घोटाले के मुख्य आरोपित के अधिवक्ता से मुलाकात की है। सुवेंदु ने आरोपित का नाम तो नहीं लिया है, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि उनका इशारा कोयला व गाय तस्करी के आरोपित विनय मिश्रा की तरफ है। सुवेंदु ने ट्वीट कर आगे कहा है कि अगर लोकतंत्र की रक्षा करनी है तो न्यायपालिका की स्वतंत्रता से किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कुछ दिन पहले ही सुवेंदु के नई दिल्ली में सालिसिटर जनरल तुषार मेहता से मुलाकात करने का दावा किया था। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने सवाल उठाते हुए कहा था कि नारद स्टिंग कांड में सीबीआइ की पैरवी कर रहे तुषार मेहता उसी मामले में आरोपित सुवेंदु अधिकारी से कैसे मुलाकात कर सकते हैं? इस बीच सुवेंदु अधिकारी के दावे पर तृणमूल कांग्रेस विधायक तापस राय ने प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि सुवेंदु को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि वे सालिसिटर जनरल तुषार मेहता से क्यों मिले थे? दूसरी तरफ भाजपा के बंगाल प्रभारी अमित मालवीय ने सुवेंदु अधिकारी के दावे पर कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह बात साफ करनी चाहिए कि क्या उनके वरिष्ठ अधिवक्ता, जो कि बंगाल से राज्यसभा सदस्य हैं और बंगाल में चुनाव बाद हिंसा मामले और एक बड़े घोटाले के मुख्य आरोपित की पैरवी कर रहे हैं, दिल्ली में कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश से मिले थे अथवा नहीं।

सुवेंदु अधिकारी। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

नड्डा से मुलाकात के बाद बोले बाबुल सुप्रियो- नहीं छोड़ रहा भाजपा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : पिछले दिनों राजनीति से संन्यास की घोषणा करने वाले भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने सोमवार को कहा कि वह अब भाजपा नहीं छोड़ेंगे। सांसद भी बने रहेंगे। वह अपने संवैधानिक कर्तव्य के तौर पर संसदीय क्षेत्र में काम करना जारी रखेंगे, लेकिन राजनीति नहीं करेंगे। बाबुल सुप्रियो का यह बयान सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक के बाद सामने आया। माना जा रहा है कि जेपी नड्डा ने उन्हें राजनीति से संन्यास लेने के फैसले को वापस लेने का अनुरोध किया है।

किसी दूसरी पार्टी में शामिल होने से किया इन्कार : बैठक के बाद बाबुल सुप्रियो ने कहा है कि वह कोई दूसरी पार्टी में शामिल नहीं होने जा रहे हैं। गौरतलब है कि भाजपा नेता की राजनीति से सन्यास लेने की इंटरनेट मीडिया पर घोषणा के बाद उनके तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थीं। जिस पर उन्होंने विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि वह दिल्ली में सांसद के तौर पर मिला बंगला वापस कर देंगे और जल्द ही अपने सुरक्षाकर्मियों को भी उनकी ड्यूटी से मुक्त कर देंगे।

ममता ने शुरू की 'खेला होबे' योजना, कहा- अब पूरे देश में होगा खेला

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

> मंच पर मुख्यमंत्री फुटबाल खेलती नजर आई, बंगाल में 16 अगस्त को मनाया जाएगा 'खेला होबे' दिवस

> बंगाल सरकार बांटेगी एक लाख फुटबाल, 300 से ज्यादा क्लबों को दी जाएंगी 10-10 फुटबाल

पिछले दिनों हुए बंगाल विधानसभा चुनाव में धूम मचाने वाले 'खेला होबे' नारे को मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी अब पूरे देश में भुनाने की तैयारी में जुटी हैं। ममता ने बंगाल में आगामी 16 अगस्त से हर साल 'खेला होबे दिवस' मनाने का एलान किया है। इसी कड़ी में ममता ने सोमवार को औपचारिक रूप से कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में 'खेला होबे' योजना का शुभारंभ किया।

इस दौरान ममता खुद भी फुटबाल खेलती नजर आईं और उन्होंने मंच से ही कई फुटबाल भी लोगों के बीच उछालीं। इस मौके पर ममता ने एक बार फिर खेला होबे का नारा बुलंद करते हुए कहा कि मानिए या मत मानिए यह नारा बहुत लोकप्रिय हो गया है। उन्होंने बंगाल चुनाव के नतीजे की ओर इशारा करते हुए कहा कि अभी कुछ खेला हुआ है और आगामी दिनों में पूरे देश में खेला होगा। ममता ने कहा, संसद में भी यह नारा लगाया गया। दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में भी यह नारा लोकप्रिय हो गया है। जल्द ही यह पूरे देश में लोकप्रिय होगा और हर राज्य में खेला होगा। ममता ने इसे बंगाल के लिए गौरव बताया और कहा कि बंगाल ने हमेशा से देश और दुनिया को राह दिखाई है। उन्होंने दोहराया कि बंगाल में हर साल 16 अगस्त को खेला होबे दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर ममता ने भारतीय फुटबाल संघ (आइएफए) से संबद्ध 303 क्लबों को 10-10 फुटबाल देने एवं राज्य सरकार की ओर से खेला होबे दिवस के उपलक्ष्य में करीब एक लाख फुटबाल वितरित करने की बात कही। इस मौके पर कुछ क्लबों को फुटबाल भी प्रदान की गईं।

कोलकाता में सोमवार को खेला होबे योजना के शुभारंभ के दौरान मंच पर फुटबाल उछालती बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी। जागरण

त्रिपुरा में टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी का विरोध, लगे गो बैक के नारे

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

> भाजपा कार्यकर्ताओं ने अभिषेक का काफिला रोकने की कोशिश की, टीएमसी ने हमले का लगाया आरोप

भाजपा शासित त्रिपुरा में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जनसंपर्क बढ़ाने के लिए सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर गए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव व ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को विरोध का सामना करना पड़ा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने त्रिपुरा के अगरतला हवाई अड्डे से त्रिपुरेश्वरी मंदिर जाते समय अभिषेक के काफिले को कई बार रोकने की कोशिश की और गो बैक के नारे भी लगाए।

अभिषेक ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने लाठी-डंडों से उनकी गाड़ी पर हमला किया और मंदिर जाने से रोकने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस के अनुसार वाहन को कोई नुकसान नहीं हुआ। अभिषेक ने घटना का एक वीडियो भी ट्विटर पर साझा करते हुए त्रिपुरा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने इसमें तंज कसते हुए कहा कि त्रिपुरा में भाजपा के शासन में लोकतंत्र! राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मुख्यमंत्री बिप्लव देव को शाबाशी। बाद में जब अगरतला से करीब 60 किलोमीटर दूर उदयपुर में त्रिपुरेश्वरी मंदिर में पूजा के लिए अभिषेक पहुंचे तो वहां भी भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह ने उनका रास्ता रोकने की कोशिश की और गो बैक के नारे लगाए। इसके बाद वहां मौजूद टीएमसी समर्थकों ने भी नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके चलते तनाव पैदा हो गया। बाद में अगरतला में एक संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित करते हुए अभिषेक ने भाजपा पर करारा वार किया। उन्होंने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि त्रिपुरा में भी भाजपा की विदाई का घंटा बज चुका है। उन्होंने दावा किया कि 2023 में त्रिपुरा में भी टीएमसी की सरकार बनेगी।

हरियाणा में आरक्षण हासिल करने को देना होगा क्रीमीलेयर में न होने का प्रमाणपत्र

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : हरियाणा में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग व अन्य पिछड़ा वर्ग के सरकारी कर्मचारियों को अगर अपने बेटे-बेटियों या आश्रितों को आरक्षण का लाभ दिलाना है तो उन्हें सरकार को शपथपत्र देना होगा। अन्य पिछड़ा वर्ग कर्मचारियों को बताना होगा कि वह क्रीमी लेयर में नहीं हैं। माता-पिता में से अगर कोई भी प्रथम श्रेणी या द्वितीय श्रेणी अधिकारी है तो उनके आश्रितों को आरक्षण नहीं दिया जा सकता।

हरियाणा सिविल सचिवालय में तैनात एससी-बीसी और ओबीसी कर्मचारियों के लिए जाति प्रमाणपत्र मुख्य सचिव की ओर से जारी किए जाएंगे। मुख्य सचिव की स्थापना शाखा ने जाति प्रमाणपत्र की खातिर आवेदन पत्र का अलग-अलग प्रारूप तैयार कर दिया है।

जाति प्रमाणपत्र लेने के इच्छुक सभी कर्मचारियों को इसे भरकर मुख्य सचिव कार्यालय में भेजना होगा। अनुसूचित और पिछड़ा वर्ग कर्मचारियों को आवेदन में बताना होगा कि वे कब से नौकरी में हैं और किस विभाग में हैं। स्थायी आवास कहां है और किस जाति से हैं।

बंगाल में हिंसा मामले में गंभीर अपराधों की सीबीआइ से जांच कराने का अनुरोध

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा की स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली याचिकाएं दाखिल करने वालों ने सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की जांच समिति की सिफारिशों के अनुसार दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर अपराधों की जांच सीबीआइ से कराने का अनुरोध किया। हालांकि, अदालत में सुनवाई के दौरान राज्य पुलिस का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सीबीआइ जांच के अनुरोध का विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि हाई कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की पीठ के निर्देश पर एनएचआरसी के अध्यक्ष द्वारा गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट आधारहीन और राजनीति से प्रेरित है।

एनएचआरसी कमेटी की जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए याचिकाकर्ताओं में से एक का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने अदालत से मामले की जांच सीबीआइ को सौंपने का अनुरोध किया। जांच रिपोर्ट में पुलिस की अक्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई मामलों में शिकायत भी दर्ज नहीं की गई। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा और अपराधों पर राज्य सरकार के दावे समिति के निष्कर्षों से मेल नहीं खाते हैं, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि सरकार के आंकड़ों की तुलना में यह बहुत अधिक हैं। उधर, सुनवाई के दौरान मामले में पक्षकार बनाने का अनुरोध करते हुए प्रदेश सरकार के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक एवं तृणमूल कांग्रेस विधायक पार्थ भौमिक के अधिवक्ताओं ने कहा कि बगैर उनसे बातचीत किए एनएचआरसी की कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में 'कुख्यात अपराधियों' की सूची में उनसे मिलता-जुलता नाम शामिल कर दिया गया है।

एनएचआरसी की रिपोर्ट को पूर्वाग्रह से प्रेरित बताया : हाई कोर्ट में प्रदेश पुलिस की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने जोर देकर कहा कि एनएचआरसी की रिपोर्ट पूर्वाग्रह से प्रेरित है। कमेटी के कुछ सदस्यों का भाजपा से जुड़ाव है।

13 जुलाई को सौंपी गई थी रिपोर्ट : गौरतलब है कि पांच न्यायाधीशों की पीठ को 13 जुलाई को सौंपी गई अपनी अंतिम रिपोर्ट में एनएचआरसी की कमेटी ने कहा था कि यह मुख्य विपक्षी दल के समर्थकों के खिलाफ सत्तारूढ़ दल के समर्थकों द्वारा प्रतिशोधात्मक हिंसा थी। रिपोर्ट में दुष्कर्म एवं हत्या जैसे गंभीर अपराधों की जांच सीबीआइ को सौंपने की सिफारिश की थी।

उत्तर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने समझा इंटरनेट मीडिया का महत्व

नईदुनिया, रायपुर : विधानसभा चुनाव के लिए प्रशिक्षण लेने उत्तर प्रदेश से आए कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों के दल को चुनाव के मद्देनजर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों ने सोमवार को इंटरनेट मीडिया का महत्व बताते हुए कई टिप्स दिए। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है। इसी कड़ी में कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर वहां से 90 कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों का दल छत्तीसगढ़ माडल का प्रशिक्षण लेने के लिए रायपुर आया हुआ है। इन्हें रायपुर के वीआइपी रोड स्थित निरंजन धर्मशाला में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश से आए कांग्रेस दल के लिए पांच दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाया गया है। प्रशिक्षण रविवार से शुरू हुआ है। प्रत्येक दिन अलग-अलग विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

निजी दौरे से कांग्रेस की सियासत में हलचल पैदा कर गए आजाद

राज्य ब्यूरो, जम्मू

पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के लिए जम्मू-कश्मीर और प्रदेश कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए आजाद काफी मायने रखते हैं। आजाद के तीन दिन के जम्मू दौरे से यह बात साफ हो गई है। उनका यह दौरा भले ही निजी रहा हो और प्रदेश कांग्रेस का इससे कोई वास्ता न रहा हो, लेकिन उनसे जिस तरह से कांग्रेस नेताओं समेत सौ से अधिक प्रतिनिधिमंडल मिले, वह आजाद की सियासी रणनीति है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व करने पर आजाद का कहना है कि चुनाव के समय तो मैं देश के विभिन्न राज्यों में प्रचार करता हूं। जम्मू-कश्मीर तो मेरा गृह राज्य है। यहां पर प्रचार नहीं करूंगा तो कहां करूंगा।

सोमवार की शाम को गांधीनगर स्थित अपने निवास पर प्रेसवार्ता में आजाद ने कहा कि तीन दिन उन्होंने जम्मू संभाग के 10 जिलों के 37 विधानसभा क्षेत्रों से 110 प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की है। आगामी लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने में कांग्रेस कितनी सक्षम है, के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी तीन साल का समय है। अभी क्या कहा जा सकता है। कांग्रेस की कोशिश है कि हम अपने को मजबूत करें। असम व मिजोरम में सीमा तनाव पर आजाद ने कहा कि यह देश हित में नहीं है। किसानों के मुद्दे भी जायज हैं। आजाद ने कहा सरकार महंगाई जैसे अहम मुद्दे पर संवेदनशील नहीं है।

फोन टैप होना नई बात नहीं : पैगासस मामले पर आजाद ने कहा कि फोन टेप चाहे सरकार करे या एजेंसी, बात तो एक ही है। इस सरकार में फोन टेप होना कोई नई बात नहीं है।

जल्द पूरा हो परिसीमन : आजाद ने कहा कि पीएम के साथ सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने पांच अहम मुद्दे रखे थे। इसमें परिसीमन करवाना, राज्य का दर्जा बहाल करना, विस चुनाव करवाना, भूमि और नौकरियों स्थानीय लोगों के लिए सुनिश्चित बनाना और कश्मीरी विस्थापित पंडितों की वापसी शामिल है। अगर चुनाव से पहले राज्य का दर्जा मिल जाता है तो चुनाव में लोगों की भागीदारी बढ़ेगी। वहीं, आजाद ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में दरबार मूव बंद करने का फैसला गलत है। इसे जारी रखा जाना चाहिए। दरबार मूव बंद होने से जम्मू बर्बाद हो जाएगा। इससे जम्मू की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा।

150 साल पुरानी अहमदाबाद की हेरिटेज इमारत का होगा जीर्णोद्धार। गुजरात चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री की साझेदारी से एलएक्सएस फाउंडेशन इस इमारत को तकरीबन 3.2 करोड़ रुपये की लागत से विकसित करेगा।

अगस्त–सितंबर में सामान्य से अधिक होगी बारिश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मानसून सीजन के बाकी दो महीनों अगस्त और सितंबर के दौरान सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक अगस्त में सामान्य बरसात होगी। पश्चिमी मध्य प्रदेश, उससे जुड़े राजस्थान के इलाकों, महाराष्ट्र के अंदरूनी हिस्सों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब के कुछ हिस्सों और हिमाचल प्रदेश में अगस्त में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। जबकि पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों के साथ दक्षिणी राज्यों में इस महीने सामान्य से अधिक बरसात हो सकती है।

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने सोमवार को अपनी वर्चुअल प्रेसवार्ता के दौरान अगस्त व सितंबर माह में मानसून की बारिश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगस्त व सितंबर के दौरान पूरे देश में वर्षा सामान्य 95 फीसद से 105 फीसद से अधिक होने की संभावना है। मौसम विभाग ने हर साल की तरह इस बार भी दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगस्त-सितंबर महीनों के लिए पूर्वानुमान जारी किया है।

सालभर बूंद-बूंद के लिए तरसने वाले राजस्थान के कई स्थानों पर जलभराव हो गया है। पुष्कर में भारी बारिश के बाद हुए जलभराव से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रेट्र

मानसून के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहने और ज्यादा बारिश होने से खरीफ फसलों पर इसका विपरीत असर भी पड़ सकता है। धान को छोड़कर बाकी फसलों के लिए अधिक बारिश नुकसानदेय साबित हो सकती है। इस सवाल के जवाब में महापात्र ने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक सितंबर में मानसून की अच्छी बारिश से उत्पादकता बढ़ जाएगी। सितंबर के दौरान वाली मानसून की चाल के बारे में अगस्त के आखरी सप्ताह में अलग से पूर्वानुमान जारी किया जाएगा।

मौसम के स्थानीय प्रभावों के चलते मध्य भारत के कई क्षेत्रों और उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से नीचे से लेकर सामान्य बरसात हो सकती है। दक्षिणी राज्यों के साथ पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है। महापात्र ने एक सवाल के जवाब में बताया कि वर्तमान में समुद्री सतह का तापमान और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की हवाओं की स्थितियां अल नीनो स्थितियों का संकेत दे रही हैं। हालांकि मानसून के आखिरी चरण अथवा उसके बाद ला नीना की स्थिति फिर से उभरने की संभावना है। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में ला नीना की स्थिति बनने से बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बन सकते हैं।

दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल के तट पर तीन जून को पहुंच गया था जो बड़ी तेजी से पूरे पूर्वी और पश्चिमी तटीय क्षेत्रों के साथ दक्षिण और उत्तरी राज्यों में पहुंच गया था। लेकिन दूसरे चरण में मानसून अपने निर्धारित समय से लगभग 15 दिन विलंब से दिल्ली पहुंचा। इस बार राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में जुलाई में सामान्य से अधिक बरसात हुई।

देशभर में इस बार जुलाई के दौरान सामान्य से सात फीसद कम बरसात हुई है। जबकि पूर्वोत्तर के राज्यों, पूर्वी राज्यों में 25 फीसद की कमी दर्ज की गई है।

कश्मीर में फटा बादल, चपेट में आए चार गांव

राज्य ब्यूरो, जम्मू : मध्य कश्मीर में गांदरबल जिले के कंगन में रविवार की देर रात बादल फटने से चार गांव चपेट में आए हैं। इसमें कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए और सड़कों व फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर यातायात कई घंटे बाधित रहा। बादल फटने के बाद राजमार्ग पर भारी मलबा-पत्थर गिरा था। इसे साफ कर लिया गया है। सोमवार शाम को एकतरफा यातायात बहाल कर लिया गया था। गांदरबल जिले के चार गांव बागपति सरफरा, सुंबल बाला गुंड, दर्द वुडर और यचमा गांव में बादल फटे हैं। बादल फटने से पहले सुंबल बाला गुंड गांव में रविवार को दिन में पहाड़ी मलबा भी खिसक कर आ गिरा था, लेकिन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कर्मचारियों ने इसे साफ कर दिया था। वहीं, रात को बादल फटने की घटना हो गई।

न्यूज गैलरी

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ के बाद एक नक्सली गिरफ्तार

सुकमा : छत्तीसगढ़ में सुकमा जिले के मानकापाल इलाके में मुठभेड़ के बाद जवानों ने एक नक्सली को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली की पहचान मड़कम नंदा उर्फ नरेंद्र के रूप में हुई। वह मिलिशिया कमांडर के रूप में काम कर रहा था। उसकी निशानदेही पर जवानों ने एक टिफिन बम, चार इलेक्ट्रिक डेटोनेटर और वायर बरामद किए हैं। वह कई वारदात में शामिल रहा है। उसे सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। (नईदुनिया)

16 अगस्त से 15 सितंबर के बीच होगी कंपार्टमेंट परीक्षाएं

नई दिल्ली : सीबीएसई ने कंपार्टमेंट परीक्षा के संबंध में दिशानिर्देश जारी करते हुए बताया कि कंपार्टमेंट परीक्षाएं 16 अगस्त से 15 सितंबर के बीच होंगी। सीबीएसई की तरफ से जारी परिपत्र के मुताबिक छात्र 19 विषयों में अंक सुधार के लिए ही परीक्षा दे सकते हैं। इनमें अंग्रेजी कोर, फिजिकल एजुकेशन, बिजनेस स्टडीज, अकाउंटेंसी, रसायन विज्ञान, राजनीति विज्ञान, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इंफार्मेटिक्स प्रैक्टिसेज, कंप्यूटर साइंस, गणित, हिंदी (इलेक्टिव), हिंदी (कोर), भूगोल, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान, भौतिक विज्ञान और इतिहास विषय शामिल हैं। (जासं)

मप्र में अवैध शराब के कारोबार पर फांसी व 50 लाख के जुर्माने का होगा प्रविधान

भोपाल : अवैध और जहरीली शराब से लोगों की जान जाने के मामलों को देखते हुए अब मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार कड़ा कदम उठाने जा रही है। अवैध शराब के कारोबार में जुड़े व्यक्तियों को फांसी और 50 लाख रुपये के जुर्माने का प्रविधान करने के लिए मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम में संशोधन किया जाएगा। इसका प्रारूप मंगलवार को होने वाली कैबिनेट में प्रस्तुत करने की तैयारी है। कैबिनेट से पारित कराकर नौ अगस्त से प्रस्तावित विधानसभा के मानसून सत्र में संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को अवैध शराब और कानून व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में इस संबंध में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। (राब्यू)

गोरखपुर विवि में फंदे से लटकता मिला छात्रा का शव

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा का शव परिसर में लटकता मिला। मामला शनिवार का है। छात्रा प्रियंका का अंतिम संस्कार सोमवार सुबह राजघाट पर किया गया। प्रियंका शनिवार को विश्वविद्यालय में सुबह नौ बजे से परीक्षा देने गई थी। करीब साढ़े 11 बजे शव गृहविज्ञान विभाग के पास मिला। (जासं)

गुजरात में होगा आरोपितों का लाई डिटेक्टर टेस्ट व ब्रेन मैपिंग

जागरण संवाददाता, धनबाद : धनबाद में जज उत्तम आनंद को आटो से धक्का मार कर मौत के घाट उतारने वाले लखन वर्मा और राहुल वर्मा का लाई डिटेक्टर समेत पांच तरह का टेस्ट होगा। सोमवार को दोनों आरोपितों की सहमति पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने इसकी अनुमति दे दी। हालांकि कोर्ट ने पुलिस से पूछा कि आरोपितों का टेस्ट कहां और कब कराया जाएगा। पुलिस ने बताया कि लाई डिटेक्टर टेस्ट गुजरात में कराया जाएगा, परंतु उन्होंने अभी तारीख तय नहीं की है। कोर्ट ने तारीख और स्थान संबंधी सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश पुलिस को दिया है।

ये टेस्ट कराए जाएंगे : पुलिस ने कोर्ट में आवेदन देकर दोनों आरोपितों का लाई डिटेक्टर टेस्ट, ब्रेन मैपिंग, पालीग्राफी टेस्ट, सस्पेक्ट डिटेंशन टेस्ट, लायर्ड वाइस एनालाइजिंग टेस्ट और ब्रेन इलेक्ट्रिकल आक्सीलेशन टेस्ट कराने की अनुमति मांगी।

हूजूर... कुछ करबे नहीं किए हैं, जो टेस्ट कराना हो, करा लिजिए : दोनों आरोपितों को सोमवार शाम 3:54 बजे धनबाद थाना के इंस्पेक्टर विनय कुमार भारी सुरक्षा में लेकर अदालत पहुंचे। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष पुलिस ने आवेदन दायर कर आरोपितों का पांच टेस्ट कराने की अनुमति मांगी। आरोपितों के अधिवक्ता की उपस्थिति में कोर्ट ने पूछा कि क्या वह टेस्ट कराने को तैयार हैं। इस पर अभियुक्तों ने कहा हुजूर... कुछ करबे नहीं किए हैं। जो टेस्ट कराना है, करा लीजिए। झूठ नहीं बोल रहे हैं। बार-बार पूछे जाने पर भी अभियुक्तों ने हर तरह के टेस्ट कराए जाने पर अपनी सहमति दी।

बच्चों की फीस व लोन चुकाना हुआ मुश्किल

अधर में भविष्य ▸ अदाणी लाजिस्टिक्स पार्क बंद, कर्मचारियों की परेशानी बढ़ी

राजीव शर्मा, लुधियाना

अदाणी ग्रुप का लुधियाना के किला रायपुर स्थित मल्टी माडल लाजिस्टिक्स पार्क बंद होने से बड़ी संख्या में युवाओं का रोजगार छिन गया है। यहां काम कर रहे करीब 400 युवाओं में से रेगुलर कर्मचारियों को तो अन्य राज्यों में ट्रांसफर कर दिया गया है, लेकिन कांट्रैक्ट पर काम कर रहे युवाओं को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। कांट्रैक्ट वाले कर्मचारियों को कंपनी ने करीब दो-तीन महीने पहले ही एडवांस सैलरी देकर नौकरी से बाहर करना शुरू कर दिया था। इससे इन पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। इन युवाओं को लोन की किश्तें चुकाने और बच्चों के स्कूल की फीस भरने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि कोरोना के कारण बाकी कंपनियों ने भी हायरिंग बंद कर रखी है, ऐसे में जल्द नौकरी नहीं मिली तो उनकी परेशानी बढ़ जाएगी। खास बात यह है कि जिन अड़ियल किसानों के कारण अदाणी ग्रुप ने यह पार्क बंद किया है, वहां उन्हीं के बच्चे भी काम कर रहे थे।

अदाणी पार्क में काम करने वाले अमृतसर के एक युवक ने बताया कि वह पिछले नौ साल से ग्रुप के साथ काम कर रहा है। उसकी नियुक्ति थर्ड पार्टी अप्वाइंटमेंट के तहत हुई थी। एक अगस्त से उसको नौकरी से निकाल दिया गया। दो माह पहले ही उसने बैंक से मकान के लिए 25 लाख का होम लोन लिया था। उसकी 20 साल के लिए 17 हजार रुपये की किश्त है। दो बेटियां हैं। उसका कहना है कि नौकरी जाने से चिंता बढ़ गई है।

लुधियाना के गांव किला रायपुर में स्थित अदाणी लाजिस्टिक पार्क, जो किसानों के हड़ताल के कारण जनवरी माह से बंद है। फोटो कुलदीप काला

उसने अपने सहयोगियों के साथ जाकर खुद किसानों से अपील की थी कि वे लाजिस्टिक्स पार्क के मुख्य गेट से हट कर बैठ जाएं, ताकि काम चलता रहे और लोगों का रोजगार बना रहे, लेकिन किसानों ने एक नहीं मानी।

वहीं, हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर स्थित अपने पुश्तैनी गांव से आकर 25 साल से लुधियाना में रह कर अपना परिवार पाल रहे संजीव को भी अदाणी पार्क बंद होने से अपना भविष्य धुंधला दिखाई दे रहा है। उनकी भी थर्ड पार्टी अप्वाइंटमेंट थी। वे लाजिस्टिक्स पार्क में रेल आपरेशन में काम करते थे। कोविड काल में उनकी पत्नी का निधन हो गया था। अब तीन बच्चों की जिम्मेदारी भी उन पर है। उनकी 14 साल की बेटी सातवीं कक्षा में, 11 साल की बेटी पांचवीं और सात साल का बेटा दूसरी कक्षा में पढ़ रहा है। बच्चों को पालना और उनकी शिक्षा को लेकर वे चिंतित हैं। हर महीने छह हजार रुपये फीस देना अब उनके बस में नहीं है।

मुंबई हवाई अड्डे पर शिवसैनिकों ने तोड़ा अदाणी का साइन बोर्ड

राज्य ब्यूरो, मुंबई : मुंबई में हवाई अड्डे के निकट लगा अदाणी का साइन बोर्ड सोमवार की दोपहर शिवसैनिकों ने तहस-नहस कर दिया। अदाणी समूह ने इसी वर्ष जुलाई में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय विमानतल के प्रबंधन की 74 फीसद भागीदारी खरीदी है। रविवार रात को अदाणी समूह ने विमानतल के टी-2 टर्मिनस प्रवेशद्वार पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के सामने नियान लाइट का अंग्रेजी में लिखा 'अदाणी एयरपोर्ट' का साइन बोर्ड लगा दिया था। सोमवार को शवसेना की श्रमिक शाखा भारतीय कामगार सेना के करीब दो दर्जन कार्यकर्ताओं पहुंचकर साइन बोर्ड ध्वस्त कर दिया।

आंदोलन के कारण रिलायंस आउटलेट 10 माह से बंद

मुनीश शर्मा, लुधियाना

आंदोलन का असर पंजाब की आर्थिक स्थिति पर पड़ने लगा है। कारपोरेट घरानों की ओर से पंजाब में खोले गए स्टोर लंबे समय से बंद होने के कारण युवाओं के लिए रोजगार की चुनौती खड़ी करने लगे हैं। अदाणी लाजिस्टिक्स पार्क बंद होने के बाद अब कुछ अन्य कारपोरेट कंपनियों के स्टोर्स में काम करने वाले राज्य के युवाओं के लिए चुनौतियां पैदा हो रही हैं। उन्हें डर है कि अगर हालात न बदले तो जिन स्टोर्स के खुलने का इंतजार है, कारपोरेट घराने अपने उन उपक्रम को पंजाब में बंद ही न कर दें। किसान आंदोलन के कारण जहां अदाणी अपने उपक्रम को बंद कर दिया। वहीं, पंजाब में रिलायंस के कई आउटलेट्स पिछले दस महीने से नहीं खुले हैं। कई स्टोर्स के बाहर तो बकायदा इस बारे में सूचना पट लगाए गए हैं कि किसान आंदोलन के कारण स्टोर बंद हैं। इसका मुख्य कारण किसानों की ओर से कई स्टोर्स पर की गई तोड़फोड़ है। पंजाब में रिलायंस माल, रिलायंस ट्रेंड, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस फ्रेश, रिलायंस वाना, रिलायंस फुट प्रिंट स्टोर, रिलायंस स्मार्ट, रिलायंस के पेट्रोल पंप आदि के करीब 150 उपक्रमों में करीब 5500 लोगों को रोजगार मिला। परंतु अब कंपनी इन स्टोर्स को खोल नहीं रही है।

जानकारों के अनुसार, इसका सीधा असर रोजगार को तो हो ही रहा है। इसके साथ ही राज्य सरकार को कारपोरेट जगत से नया निवेश न मिलने के कारण नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। वहीं कई ऐसे युवा भी हैं जो कारपोरेट जगत से रोजगार की उम्मीद रखते हैं लेकिन उन्हें भी मौके नहीं मिल पा रहे हैं। इतना ही सब्जी एवं फल बेचने वाले किसानों को भी किसानों के आंदोलन के कारण बंद हुए इन स्टोर्स से नुकसान हो रहा है।

आंदोलन में हरियाणा के किसानों की भागीदारी हुई कम

जागरण संवाददाता, बहादुरगढ़ (झज्जर) : आठ माह से अधिक समय से कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन में पंजाब ही नहीं हरियाणा के किसानों की संख्या भी कम हो गई है। पंजाब के किसान तो प्रतिदिन आते-जाते रहते हैं, लेकिन हरियाणा के किसानों की भागीदारी अब न के बराबर ही है। आंदोलन स्थल पर कुछेक गांवों के ही तंबू रह गए हैं। ट्रैक्टर-ट्रालियों से हरियाणा के किसानों का प्रतिदिन होने वाला आवागमन भी अब कम हो गया है। अब सिर्फ रविवार के दिन ही कुछेक गांवों के चार-पांच किसान ही आंदोलन में भाग लेने आते हैं। एक समय वह भी था, जब आंदोलन शुरू हुआ तो हरियाणा के विभिन्न गांवों से सैकड़ों की संख्या में किसान यहां पर आते थे।

जम्मू रेलवे स्टेशन के पास बाजार में दिखे दो संदिग्ध, हाई अलर्ट

जागरण संवाददाता, जम्मू

जम्मू रेलवे स्टेशन के बाहर मंगल मार्केट में सेना की वर्दी में दो संदिग्ध दिखने पर सुरक्षा बलों को और अधिक उच्च सतर्कता के निर्देश दिए गए हैं। दोनों संदिग्धों की गतिविधियां एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई हैं। त्रिकुटा नगर पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर रही है।

मंगल मार्केट में सोमवार दोपहर करीब तीन बजे नाई की दुकान पर सेना की वर्दी में दो लोग पहुंचे थे। उन्होंने नाई से बाल कटवाने की बात कही। उक्त दुकान पर पहले से ही एक सैन्य कर्मी अपनी दाढ़ी बनवा रहा था। उक्त सैन्य कर्मी ने दुकान पर आए दोनों संदिग्धों से बातचीत करनी शुरू कर दी। बातचीत के दौरान उसे उन पर संदेह हुआ तो दोनों से पहचान पत्र दिखाने को कहा।

इस पर संदिग्ध लोगों ने कहा कि वे अपना पहचान पत्र कमरे में छोड़ आए हैं। इसके बाद दोनों संदिग्ध वहां से तेजी से भागने लगे। दुकान पर मौजूद सैन्य कर्मी ने उनका पीछा किया, लेकिन वे दोनों भागने में कामयाब हो गए। बाजार में एक दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में भाग रहे दोनों संदिग्ध कैद हो गए हैं। जम्मू के एसएसपी चंदन कोहली के अनुसार, पुलिस मौके से भागे संदिग्धों की पहचान कर रही है। सभी एजेंसियों को सतर्क रहने को कहा गया है।

स्वतंत्रता दिवस के चलते पहले से हाई अलर्ट पर है जम्मू : जम्मू में आतंकी हमले की आशंका के चलते सुरक्षा कर्मी पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं। ऐसे में सेना की वर्दी में संदिग्ध देखे जाने से सुरक्षा को और कड़ा करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। नाकों को मजबूत करने और संदिग्ध लोगों से तलाशी लेने और उनसे पूछताछ करने को कहा गया है।

अनंतनाग में आईईडी बनाने में माहिर लश्कर के चार मददगार गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जम्मू : दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में लश्कर-ए-तैयबा के माड्यूल का भंडाफोड़ कर पुलिस ने आतंकियों के चार मददगारों को गिरफ्तार किया। आइईडी बनाने में माहिर चारों आरोपित स्थानीय युवाओं को गुमराह कर आतंकी हिंसा की आनलाइन ट्रेनिंग भी देते थे। इसके साथ ही लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल करने के लिए भी उकसाते। उनके पास से हथगोला और संवेदनशील सामग्री भी बरामद की गई है। चारों स्वतंत्रता दिवस से पहले बड़ी वारदात करने की फिराक में थे। पुलिस ने पुख्ता सूचना पर आमिर रेयाज लोन निवासी बारामुला से गिरफ्तार किया। आरोपित से बरामद विद्युत उपकरणों व अन्य आपत्तिजनक सामग्रियों की छानबीन के बाद पुलिस ने पाया कि आरोपित लश्कर आतंकी हिलाल शेख के संपर्क में हैं। पूछताछ में यह पता चला कि उसका सहयोगी ओवेस अहमद निवासी सीर हमदान अनंतनाग इंटरनेट प्लेटफार्म से जानकारी जुटाकर विस्फोटक बना रहा है। इसके तुरंत बाद ओवेस को भी उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया गया। दो और युवाओं सुहेब मुजफ्फर काजी निवासी पुलवामा और तारिक अहमद डार निवासी कुलगाम को भी अनंतनाग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लश्कर के सक्रिय आतंकी आकिब डार ने काजी को सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए हैंड ग्रेनेड दिया था।

आतंकी मंसूबों को कड़ी सतर्कता और बेहतर खुफिया नेटवर्क से नाकाम बनाएंगे

राज्य ब्यूरो, जम्मू : जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस पर खलल डालने की साजिश रच रहे पाकिस्तान के मंसूबों को सेना कड़ी सतर्कता, बेहतर खुफिया नेटवर्क से नाकाम बनाएगी। आतंकियों और उनके समर्थकों पर दवाब व घुसपैठ पर अंकुश लगाकर स्वतंत्रता दिवस को सुरक्षित बनाने की रणनीति सोमवार दोपहर को सेना की 16 कोर मुख्यालय नगरोटा में हुई कोर ग्रुप की बैठक में बनी। जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेंद्रा कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षाबल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियां के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जम्मू संभाग के सुरक्षा हालात, आतंकवादियों की साजिशों को लेकर मिल रही सूचनाएं, लगातार पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने, जम्मू संभाग के कई हिस्सों में संदिग्ध देखे जाने से उपजे हालात पर भी विचार विमर्श किया। यह तय किया गया कि संभाग में सीमा से सटे इलाकों में लगातार संयुक्त तलाशी अभियान, अतिरिक्त नाकों के साथ शहरों में मोबाइल नाके भी लगाए जाएंगे। सादी वर्दी में जवान संदिग्ध लोगों पर पैनी नजर रखेंगे। जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर 27 जून को ड्रोन से बम फेंके जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे इलाकों में ड्रोन की चुनौती का सामना करने के लिए कड़ी सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस ने अखनूर में बड़ी वारदात की साजिश नाकाम की थी।

मतांतरण करने वालों के जाति प्रमाण पत्र निरस्त करने को योगी को पत्र

रामानुज मिश्र, अंबेडकरनगर : मतांतरण को लेकर चल रही बहस के बीच उप्र में अंबेडकरनगर के एक ग्राम प्रधान ने ऐसा कदम उठाया है, जो अन्य जगहों के लिए नजीर बन सकता है। प्रधान ने मतांतरण कर चुके परिवारों के एससी-एसटी एक्ट का लाभ लेने पर आपत्ति जताई गई है।

जलालपुर में करमिशिरपुर के प्रधान ने मुख्यमंत्री और डीएम को पत्र लिखकर ऐसे लोगों का अनुसूचित जाति प्रमाण निरस्त करने के साथ ही नया प्रमाण पत्र जारी न करने की मांग की है। जलालपुर दक्षिणी से पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कार्रवाई की अपील की है। जलालपुर तहसील के दर्जनों गांवों में ईसाई मिशनरियों का जाल फैला है। मतांतरण के लिए हर रविवार गांव-गांव चंगाई सभा लगाई जाती रही है। तीन वर्षों में यहां 300 से ज्यादा परिवारों का मतांतरण कराया जा चुका है। कहा गया कि मतांतरण करने के बावजूद कई परिवार फायदे के लिए कागजों में अब भी हिंदू बने हुए हैं और अनुसूचित जाति के तहत मिलने वाले फायदे ले रहे हैं। इसे लेकर गांव के प्रधान सहित कुछ जागरूक नागरिकों ने आपत्ति जताई है।

19 साल की युवती और 67 साल के बुजुर्ग की शादी की जांच के आदेश

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

सोमवार को अजब प्रेम की गजब कहानी चरितार्थ करता एक बेमेल प्रेमी जोड़ा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा। 67 साल के पुरुष व 19 साल की युवती ने विवाह करने के बाद सुरक्षा के लिए हाई कोर्ट से गुहार लगाई है। इस अजीब बेमेल प्रेमी जोड़े को देखकर हाई कोर्ट के जज भी चौंक गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने तुरंत जांच के आदेश जारी कर दिए।

मामले में पलवल के एक मुस्लिम प्रेमी जोड़े ने स्वजन से जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की है। हैरान कर देने वाली बात यह है कि लड़की की उम्र केवल 19 साल है, जबकि जिससे उसने विवाह किया, उसकी उम्र 67 साल है। दोनों ने हाई कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा कि वह विवाह कर एक साथ रहते हैं, लेकिन उनको स्वजन से जान को खतरा है। इसलिए हाई कोर्ट उनकी सुरक्षा के आदेश जारी करे। हाई कोर्ट के जस्टिस जेएस पूरी ने मामले में संदेह जताते हुए कहा कि इस मामले में कुछ छिपाया जा रहा है। कैसे 19 साल की लड़की 67 साल के पुरुष से विवाह कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में कई चीजें स्पष्ट नहीं हैं। मसलन, क्या यह पुरुष का पहला विवाह है या एक से ज्यादा। हो सकता है कि इस मामले में लड़की पर कोई दबाव हो। हाई कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पलवल के पुलिस अधीक्षक को आदेश जारी किया कि वह एक टीम का गठन करें, जिसमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हों, वह लड़की को सुरक्षा उपलब्ध करवाए।

टीम इस मामले की गहन जांच करे कि पुरुष की यह कौन सी शादी है। इस मामले की पृष्ठभूमि भी जांची जाए व तह तक पहुंचा जाए। लड़की को इलाका मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर उसके बयान दर्ज करवाए जाएं व उसके बाद पुलिस अधीक्षक हाई कोर्ट में इस बाबत विस्तृत जवाब दायर करें। हाई कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को एक सप्ताह के भीतर यह पूरी जांच करने का भी निर्देश दिया है।

निर्देश पर समलैंगिक जोड़े को मिली सुरक्षा

जासं, नई दिल्ली : स्वजन से परेशान होकर पंजाब से दिल्ली आए समलैंगिक जोड़े को दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश पर रहने के लिए सुरक्षित स्थान मुहैया कराया गया है। गैर सरकारी संगठन धनक आफ ह्यूमैनिटी ने अधिवक्ता उत्कर्ष सिंह के माध्यम से याचिका दायर कर कहा था कि जोड़े को स्वजन से खतरा है और रहने के लिए सुरक्षित ठिकाने की जरूरत है, जिसपर अदालत ने 23 जुलाई को मयूर विहार फेज-2 के एसएचओ को निर्देश दिया कि जोड़े को किंग्सवे-कैंप स्थित सेवा कुटीर परिसर में रखा जाए, साथ ही पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने को भी कहा था।

हालात

लाकडाउन में भी नहीं सुधरी नदियों की जल गुणवत्ता

देश की 19 प्रमुख नदियों के पानी की गुणवत्ता में लाकडाउन के दौरान भी नहीं हुआ खास सुधार, सीएसई की रिपोर्ट स्टेट आफ इंडियाज एन्वायरमेंट इन फिगर 2021 में आया सामने

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

दावे भले ही चाहे जो किए गए हों, लेकिन सच यह है कि 2020 के कोविड-19 लाकडाउन के दौरान भी नदियों के पानी की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ। सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) की हाल ही में जारी रिपोर्ट 'स्टेट आफ इंडियाज एन्वायरमेंट इन फिगर 2021' ने सच सामने ला दिया है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत की 19 प्रमुख नदियों के पानी की गुणवत्ता में लाकडाउन के दौरान कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ, जबकि गंगा सहित पांच नदियां तो और भी गंदी हो गईं। तीन नदियों में पानी की गुणवत्ता अपरिवर्तित रही। सिर्फ पांच नदियों में लाकडाउन से पूर्व और लाकडाउन अवधि के दौरान स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता मानदंड का 100 फीसद अनुपालन दिखा। ब्रह्मपुत्र एकमात्र ऐसी नदी रही जो लाकडाउन के दौरान स्नान के लिए सौ फीसद उपयुक्त हो गई। पहले इसकी गुणवत्ता 87.5.फीसद थी। यह रिपोर्ट इस प्रचलित अवधारणा का भी खंडन करती है कि महामारी नदियों के लिए सार्वभौमिक रूप से अच्छी रही है।

सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक लाकडाउन के दौरान इन नदियों में जो सीवेज गया, वह या तो अनुपचारित था या आंशिक रूप से उपचारित।

> आंकड़ों का विश्लेषण और तुलनात्मक आंकलन एक प्रवृत्ति बताता है। यही प्रवृत्ति चुनौतियों और अवसरों से निपटने का आधार बनती है। अगर खामियां और सुधार के उपाय पता चलते हैं तो उनमें सुधार करने का रास्ता भी मिलता है। सरकारों और विभागों को इसी रास्ते पर चलना चाहिए।
> – सुनीता नारायण, महानिदेशक, सीएसई

लाकडाउन से पूर्व और बाद की गुणवत्ता स्थिति (फीसद में)

नदी	पूर्व	बाद
इन नदियों की गुणवत्ता रही अपरिवर्तित		
घग्घर	0	0
साबरमती	55.55	55.55
माही	92.85	92.85
इनकी जल गुणवत्ता में हुआ मामूली सुधार		
यमुना	42.8	66.7
तापी	77.8	87.50
कृष्णा	84.61	94.44
कावेरी	90.47	96.96
गोदावरी	65.78	78.37
इन नदियों की गुणवत्ता हुई बदतर		
चंबल	75	46.15
ब्यास	100	95.45
सतलुज	87.1	78.30
गंगा	64.6	46.2
स्वर्णरेखा	80	55.33

इन नदियों का पानी लाकडाउन से पहले और बाद में भी नहाने के लिए सौ फीसद उपयुक्त था

नर्मदा, बैतरणी, ब्राह्मणी

महानदी , पेन्नार

अफगान जेल में बंद बेटी के प्रत्यर्पण के याचिका

नई दिल्ली, प्रेट्र : केरल के एक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर केंद्र सरकार को अफगानिस्तान की पुल-ए-चारखी जेल में बंद बेटी और नाबालिग नातिन के प्रत्यर्पण व वापसी के लिए निर्देश जारी करने की मांग की है। केरल के एर्नाकुलम जिले के निवासी वीजे सेबेस्टिन फ्रांसिस ने याचिका में कहा है कि उनकी बेटी के खिलाफ यहां एनआइए ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) एवं अन्य आरोपों में मामला दर्ज कर रखा है। फ्रांसिस ने कहा कि आरोप है कि उनके दामाद ने बेटी और अन्य आरोपितों के साथ एशियाई देशों के खिलाफ युद्ध छेड़ने में एक आतंकी संगठन का प्रचार करने की साजिश रची थी। याचिका में कहा गया है कि अफगानिस्तान में इस्लामी संगठन में शामिल होने के इरादे से पहली बेटी और नातिन 30 जुलाई, 2016 को भारत से भाग गईं। इंटरपोल ने बेटी के खिलाफ 22 मार्च 2017 को रेड कार्नर नोटिस भी जारी किया था। फ्रांसिस ने कहा कि अफगानिस्तान पहुंचने के बाद उनका दामाद लड़ाई में मारा गया।

दैनिक जागरण
मंगलवार 3 अगस्त, 2021
www.jagran.com

50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देगी गुजरात सरकार महामारी में विधवा हुई महिलाओं के पुनर्विवाह के लिए। मुख्यमंत्री ने अनाथ हुए 79 बच्चों का जन्मदिन भी मनाया।

कई राज्यों में खुले स्कूल, शिक्षण संस्थाओं में लौटी रौनक

लौटती 'जिंदगी' ▸ 24 मार्च, 2020 को लाकडाउन लगने के बाद से ही बंद थे स्कूल

जागरण टीम, नई दिल्ली

कोरोना संक्रमण के चलते करीब डेढ़ साल से बंद स्कूल एक बार फिर खुल गए हैं। इस दौरान कई राज्यों में कोरोना से बचने के लिए गाइडलाइन के पालन बात भी कही गई है। क्योंकि डेल्टा वेरिएंट के सामने आने के बाद तीसरी लहर आने का खतरा बना हुआ है। वहीं, दूसरी ओर पंजाब में उत्तराखंड में सिर्फ सरकारी स्कूल खोले गए हैं। निजी स्कूलों ने अभी छात्रों को नहीं बुलाया है। वहीं, झारखंड में छह अगस्त और उत्तर प्रदेश में 16 अगस्त से स्कूलों को खोले जाने की तैयारी है। बता दें कि पिछले साल कोरोना संक्रमण के चलते 24 मार्च को लाकडाउन लगने के बाद से ही स्कूल बंद थे।

नहीं खुले निजी स्कूल, सरकारी स्कूलों में कम रही उपस्थिति : पंजाब सरकार की ओर से सभी कक्षाओं के लिए स्कूल खोलने के लिए जारी किए गए आदेशों के बाद सोमवार को सभी सरकारी स्कूल खुल गए। हालांकि स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बहुत कम रही। वहीं, प्रदेश में निजी स्कूल सोमवार को भी बंद रहे। इन स्कूलों की ओर से विद्यार्थियों के माता-पिता की सहमति ली जा रही है कि वह अपने बच्चों को स्कूल भेजना चाहते हैं या नहीं। निजी स्कूलों की ओर से यह काम 10 अगस्त तक पूरा कर लिए जाने की संभावना है। इसके बाद ही स्कूल खोलने का फैसला लिया जाएगा। जालंधर में कुछ स्कूलों में बच्चों को हार पहनाकर उनका स्वागत किया गया।

उत्तराखंड में खुले 9वीं से 12वीं तक के स्कूल : सोमवार दो अगस्त को उत्तराखंड में 9वीं से 12वीं कक्षा तक के लिए इस शैक्षणिक सत्र में स्कूल खुल गए। पहले दिन सभी सरकारी स्कूल तो खुल गए, लेकिन राजधानी समेत अन्य शहरों में निजी स्कूलों ने अभी बच्चों को नहीं बुलाया है। कुछ निजी स्कूल इस हफ्ते तो कुछ अगले हफ्ते तक बच्चों को स्कूल बुलाने की तैयारी में हैं। वहीं, आवासीय स्कूलों को खुलने में डेढ़ से दो हफ्ते तक का समय लग सकता है। कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए गेट पर छात्र-छात्राओं को मास्क के साथ थर्मल स्क्रीनिंग और सैनिटाइजेशन के बाद ही स्कूल में प्रवेश दिया गया।

झारखंड में आठवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों के लिए छह अगस्त से खुलेंगे स्कूल : झारखंड सरकार ने छह अगस्त से कक्षा नौ से कक्षा 12 तक के छात्रों के लिए स्कूल खोलने की घोषणा की है।

पंजाब में कोरोना पाबंदियों में ढील के बाद सतर्कताओं के अनुपालन के साथ स्कूल खुल गए हैं। सोमवार को अमृतसर में मास्क पहनकर स्कूल पहुंचे बच्चों को थर्मल स्क्रीनिंग के बाद अंदर प्रवेश दिया गया। एएफपी

ओडिशा में पिछले हफ्ते ही खुल चुके हैं स्कूल

ओडिशा में 26 जुलाई से ही 10वीं से 12वीं तक की कक्षाएं शुरू हो गई है। यहां 10 बजे से एक बजे तक कक्षाएं चल रही हैं। यहां स्कूलों को कक्षा शुरू होने से पहले सैनिटाइज किया जा रहा है।

वैक्सीन की पहली डोज अनिवार्य

झारखंड सरकार ने कक्षाओं में शामिल होने के लिए 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के छात्र-छात्राओं के लिए कम से कम वैक्सीन की पहली डोज लेना अनिवार्य किया है। वहीं, शिक्षकों के लिए दोनों डोज लेना अनिवार्य है। स्कूल-कालेज खुलने के बाद जिला प्रशासन समय-समय पर कालेजों शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और अन्य स्टाफ की कोरोना जांच करेगा, ताकि संक्रमण की पहचान की जा सके।

देश में लगातार छह दिनों से बढ़ रहे हैं सक्रिय मामले

कोरोना से जंग

जेएनएन, नई दिल्ली : केरल में सप्ताह के आखिर यानी शनिवार और रविवार को पूर्ण लाकडाउन के बाद भी कोरोना संक्रमण के नए मामलों में गिरावट नहीं आ रही है। पिछले छह दिनों से लगातार राज्य में 20 हजार से ज्यादा नए मामले मिल रहे हैं और इसके चलते सक्रिय मामलों में भी वृद्धि हो रही है। कोरोना के खिलाफ लड़ाई एक बार फिर गंभीर होती नजर आ रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सोमवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में सक्रिय मामले 2,766 बढ़े हैं और वर्तमान में इनकी संख्या 4.10 लाख से ज्यादा हो गई है। इस दौरान पूरे देश में 40 हजार से ज्यादा नए मामले पाए गए हैं, जिनमें 20 हजार से ज्यादा अकेले केरल से हैं। मरीजों के उबरने की दर लगातार कम हो रही है। हालांकि, दैनिक और साप्ताहिक संक्रमण दर दोनों ही अभी तीन फीसद से नीचे बनी हुई है।

राज्यों के पास 3.14 करोड़ डोज : मंत्रालय ने बताया कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास अभी कोरोना रोधी वैक्सीन की 3.14 करोड़ डोज बची हैं।

सोमवार सुबह 08 बजे तक कोरोना की स्थिति

नए मामले	40.134
कुल मामले	3,16,95,958
सक्रिय मामले	4,13,718
मौतें	(24 घंटे में) 422
कुल मौतें	4,24,773
ठीक होने की दर	97.35 फीसद
मृत्यु दर	1.34 फीसद
पाजिटिविटी दर	2.81 फीसद
सा. पाजिटिविटी दर	2.37 फीसद
जांचें (रविवार)	14,28,984
कुल जांचें	(रविवार) 46,96,45,494

डेल्टा प्लस वैरिएंट के खिलाफ कारगर है कोवैक्सीन

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत बायोटेक की कोरोना रोधी वैक्सीन कोवैक्सीन (बीबीवी152) डेल्टा प्लस वैरिएंट (एवाई.1) के खिलाफ प्रभावी पाई गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) द्वारा बायोरक्सिव में प्रकाशित एक अध्ययन में बात कही गई है।

अध्ययन में कहा गया है कि आइजीजी एंटीबाडी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें पाया गया है कि कोवैक्सीन की पूर्ण डोज यानी दोनों डोज लेने लोगों में कोविड-19 की आशंका लगभग खत्म हो गई है। इसमें डेल्टा, डेल्टा प्लस और बी.1.617.3 के खिलाफ कोवैक्सीन का मूल्यांकन किया गया। सार्स-सीओवी-2 का वैरिएंट बी.1.617.2 (डेल्टा) स्वरूप के हाल में सामने आने के बाद इसके तेजी से फैलने के कारण भारत में दूसरी लहर आई है। कोवैक्सीन डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ 65.2 प्रतिशत प्रभावी है। इसके बाद, डेल्टा आगे डेल्टा एवाई.1, एवाई.2, और एवाई.3 में बदल गया। इनमें से एवाई.1 यानी डेल्टा प्लस वैरिएंट का पहली बार भारत में अप्रैल 2021 में पता चला था और बाद में 20 अन्य देशों में भी इसके मामले सामने आए। तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षणों को पूरी करते हुए कंपनी ने कहा था कि यह वैक्सीन कोविड-19 के खिलाफ 77.8 प्रतिशत और बी.1.617.2 डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ 65.2 प्रतिशत प्रभावी रही थी।

अब सभी अनाथों का सहारा बनेगी योगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उप्र की योगी सरकार कोरोना के अलावा अन्य कारणों से भी अनाथ होने वाले बच्चों का सहारा बनेगी। इसके लिए सोमवार को कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अंतर्गत आर्थिक सहयोग प्रदान करने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। अब 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चे जिन्होंने कोविड-19 के अलावा अन्य कारणों से अपने माता-पिता दोनों या माता या पिता में से किसी एक या फिर अपने लीगल अभिभावक को खो दिया है, उन्हें 2500 रुपये प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाएगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने 22 जुलाई को उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के शुभारंभ मौके पर कोरोना के अलावा अन्य कारणों से अनाथ बच्चों को भी आर्थिक मदद देने की घोषणा की थी। घोषणा के 11 दिन बाद ही कैबिनेट ने सोमवार को इसका प्रस्ताव पास कर दिया। साथ ही 18 से 23 वर्ष के ऐसे किशोर जिन्होंने कोरोना या अन्य कारणों से अपने माता-पिता दोनों या फिर माता या पिता में से किसी एक अथवा अभिभावक को खो दिया है तथा वह कक्षा 12 तक शिक्षा पूर्ण करने के बाद आगे की शिक्षा ले रहे हैं तो उन्हें भी मदद दी जाएगी। इंटर के बाद नीट, जेईई, क्लैट जैसे राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं पास करने वाले युवाओं को भी सरकार 2500 रुपये प्रति माह की आर्थिक मदद प्रदान करेगी। योजना के तहत जिनकी माता तलाकशुदा या परित्यक्ता हैं अथवा जिनके माता-पिता या परिवार का मुख्य कमाने वाला जेल में है या फिर ऐसे बच्चे जिन्हें बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति या बाल वैश्यावृत्ति से मुक्त कराकर परिवार या पारिवारिक वातावरण में समायोजित कराया गया है, उन्हें भी आर्थिक सहायता दी जाएगी। इस योजना का लाभ एक परिवार के अधिकतम दो बच्चों को मिल सकेगा।

जागरण विशेष

इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने खोजा कोरोना से लड़ने वाला 'अस्त्र'

रसायन विज्ञान विभाग की टीम ने खोजे वायरस पर कारगर आठ यौगिक, अब बेल्जियम के संस्थान में होगा जैविक परीक्षण

गुरुदीप त्रिपाठी • प्रयागराज

कोरोना वायरस के खिलाफ चल रही जंग के बीच इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (इवि) में रसायन विज्ञान विभाग के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर रमेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में आठ ऐसे रासायनिक यौगिकों को खोज निकाला गया है जो वायरस के संक्रमण से लड़ने में कारगर साबित होंगे। प्रयोगशाला में कंप्यूटरीकृत परीक्षण के बाद जैविक परीक्षण के लिए इसे बेल्जियम के रेगा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल रिसर्च भेज गया है। वहां से सकारात्मक परिणाम मिलने के बाद इसके पेटेंट के लिए भारत सरकार द्वारा प्राधिकृत संस्था में आवेदन किया जाएगा।

यह अहम शोध फ्रांस के प्रतिष्ठित जर्नल आफ बायोमालीक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनमिक्स के जुलाई 2021 के अंक में प्रकाशित हुआ है।

कंप्यूटर पर शुरू हुआ अध्ययन: प्रोफेसर रमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि संक्रमण दूर करने के लिए दवा की जरूरत महसूस हुई। इस पर उन्होंने शोध शुरू किया। इसके लिए रासायनिक यौगिकों पर कंप्यूटर आधारित अध्ययन हुआ। इसके अलावा शरीर में वायरस के प्रवेश करने और उसके हमला करने के तरीकों को समझा गया। फिर वायरस के प्रोटीन को केंद्रबिंदु मानकर कंप्यूटर पर 50 तरह के यौगिकों और वायरस के प्रोटीन के बीच मिलान कराया गया। इसमें चौंकाने वाले परिणाम सामने आए। कुल 50 में आठ यौगिकों की पहचान कोरोना वायरस के संक्रमण को मात देने वाले यौगिकों के रूप में हुई, जो कोरोना संक्रमण खत्म करने की दवा बनाने में कारगर हो सकते हैं। कोरोना वायरस के खिलाफ इन यौगिक की कार्यक्षमता काफी अधिक मिली। शोध के दौरान यह भी पाया गया कि यह यौगिक मानव शरीर पर किसी तरह का प्रतिकूल प्रभाव नहीं छोड़ेंगे।

लैब में भी वैज्ञानिकों को सफलता: प्रोफेसर रमेंद्र कुमार सिंह के अनुसार कंप्यूटर आधारित अध्ययन में कामयाबी मिलने के बाद विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में इन यौगिकों को बनाया गया। यहां यौगिकों से तैयार संभावित ड्रग और वायरस के प्रोटीन का मिलान कराया तो यौगिक असरकारक पाए गए। सकारात्मक परिणाम आने पर इसकी रिपोर्ट तैयार कर आगे की प्रक्रिया शुरू की गई।

कोशिका की परत पर होगा परीक्षण: इवि में दो चरणों में कामयाबी मिलने के बाद वैज्ञानिकों ने जैविक परीक्षण के लिए इसे बेल्जियम के रेगा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल रिसर्च भेज दिया है। वहां प्रयोगशाला में पहले चरण में कोशिका की परत पर और फिर टिशू पेपर पर परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से चूहे और बंदर पर परीक्षण होगा। नतीजे सकारात्मक रहने पर अनुमति लेकर मानव पर परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद इसे बाजार में उतारने की कवायद शुरू की जाएगी।

कोरोना की प्रस्तावित दवा के लिए तैयार यौगिक के बारे में जानकारी देते प्रोफेसर रमेंद्र कुमार सिंह • जागरण

ये रहे शोध टीम में शामिल

इवि रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर रमेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में किए गए इस अहम शोध में बायोइनफार्मेटिक्स विभाग ने भी भूमिका निभाई है। टीम में रसायन विज्ञान विभाग से डाक्टर विशाल सिंह, हिमानी चौरसिया, ऋचा मिश्रा, डाक्टर रितिका श्रीवास्तव, डाक्टर फरहा नाज और डाक्टर अनुराधा सिंह शामिल हैं। बायोइनफार्मेटिक्स विभाग से डाक्टर अनूप सोम और प्रियंका कुमार ने प्रतिभाग किया।

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

राष्ट्रीय फलक

एक नजर

ईडी के सामने पेश नहीं हुए अनिल देशमुख

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख मनी लांड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने हाजिर नहीं हुए। देशमुख ने अपने अधिवक्ता इंद्रपाल सिंह के माध्यम से ईडी को दो पन्नों का पत्र भेजा और उल्लेख किया कि वह अपना प्रतिनिधि भेज रहे हैं। ईडी पहले भी देशमुख को तीन बार बुला चुकी है। (प्रेट्र)

संपत्ति बंटवारे में 11 पक्षकारों ने दर्ज कराई आपत्ति

रामपुर : नवाब खानदान की संपत्ति बंटवारे में सोमवार को 11 पक्षकारों की ओर से जिला जज की अदालत में आपत्ति दर्ज कराई गई। जिसमें विभाजन योजना को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार नहीं बताया गया। रामपुर में नवाब खानदान की 2,600 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति है, जिसके बंटवारे की प्रक्रिया चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में शरीयत के हिसाब से बंटवारा करने के आदेश दिए थे। (जासं)

जौहर यूनिवर्सिटी का गेट तोड़ने का आदेश बरकरार

रामपुर : सांसद आजम खां की अपील को खारिज करते हुए जिला जज ने मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी का गेट तोड़ने संबंधी आदेश को बरकरार रखा है। गेट अवैध मानते हुए दो साल पहले एसडीएम सदर ने तोड़ने के आदेश दिए थे। साथ ही सवा तीन करोड़ रुपये का जुर्माना भी डाला था। एसडीएम के आदेश को चुनौती देते हुए सांसद और जौहर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ने जिला जज के यहां अपील की थी। जिला जज ने एसडीएम के आदेश को बरकरार रखते हुए जुर्माने की धनराशि घटाकर एक करोड़ 63 लाख 80 हजार रुपये कर दी है। (जासं)

उत्तराखंड में स्कूल खोलने के खिलाफ पीआइएल

नैनीताल: हाई कोर्ट में कोविड काल में उत्तराखंड में कक्षा छह से 12 तक के विद्यालयों को खोलने के सरकार के आदेश के खिलाफ जनहित याचिका दायर हो चुकी है। कोर्ट ने मामले में याचिकाकर्ता को 31 जुलाई को जारी शासनादेश को चुनौती देने की छूट प्रदान की है। अगली सुनवाई बुधवार को होगी। (जासं)

अहम मुद्दा : कृष्णा जल विवाद निपटारे को सुप्रीम कोर्ट ने दी मध्यस्थता की सलाह

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आंध्र प्रदेश व तेलंगाना को मध्यस्थता के जरिये कृष्णा जल बंटवारा विवाद सुलझाने की सलाह देते हुए कहा कि वह मामले में बेवजह हस्तक्षेप नहीं करना चाहता।

चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ आंध्र प्रदेश की तरफ से दाखिल याचिका पर विचार कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि तेलंगाना ने उसके हिस्से के नदी जल से वंचित कर दिया है। आंध्र प्रदेश के रहने वाले चीफ जस्टिस रमना ने कहा, 'मैं इस मामले को कानूनी रूप से नहीं सुनना चाहता। मैं दोनों राज्यों से ताल्लुक रखता हूं। अगर मध्यस्थता से मामला सुलझाया जा सकता है, तो कृपया ऐसा करें। हम उसमें सहायता कर सकते हैं। वर्ना, मैं इसे दूसरी पीठ को स्थानांतरित कर दूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि आप दोनों (दोनों पक्षों के वकीलों) अपनी सरकारों को समझाते हुए मामले को सुलझाएं। हम मामले में बेवजह दखल नहीं देना चाहते।' आंध्र प्रदेश की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे व महफूज अहसन नजकी ने निर्देश लेने के लिए वक्त मांगा। तेलंगाना का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन भी इस पर सहमत हुए। इसके बाद पीठ ने मामले को बुधवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार, चीफ जस्टिस ने दोनों राज्यों से ताल्लुक होने का हवाला देते हुए खुद को सुनवाई से अलग कर लिया और मामले को दूसरी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध कर दिया। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश सरकार ने जुलाई में शीर्ष अदालत में मामला दाखिल करते हुए दावा किया था कि तेलंगाना सरकार ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम-2014 के तहत गठित सर्वोच्च परिषद के निर्णयों, अधिनियम तथा केंद्र के आदेशों के तहत गठित कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) के निर्देशों के पालन से इन्कार कर दिया है।

चीफ जस्टिस ने कहा-

- आंध्र प्रदेश व तेलंगाना दोनों से रखता हूं ताल्लुक, बेवजह नहीं देना चाहता दखल
- वर्ना, मैं इसे दूसरी पीठ को स्थानांतरित कर दूंगा

केसीआर ने केंद्र पर लगाया तेलंगाना विरोधी रवैये का आरोप

हैदराबाद, आइएएनएस : मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कृष्णा जल मामले में केंद्र पर तेलंगाना विरोधी रवैये का आरोप लगाया है। नदी प्रबंधन बोर्ड के संबंध में जल शक्ति मंत्रालय की अधिसूचना के बाद राव ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने आंध्र प्रदेश पर दादागीरी का आरोप लगाते हुए कहा कि वह बिना वैध अनुमति के कृष्णा नदी पर सिंचाई परियोजना का निर्माण कर रहा है। नागार्जुन सागर में जनसभा को संबोधित करते हुए केसीआर ने कहा कि तेलंगाना अपने हिस्से का पानी किसी को नहीं देगा। उन्होंने नालगोंडा क्षेत्र में 15 लिफ्ट इरीगेशन परियोजनाओं को अगले साल तक पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती देगी माखी दुष्कर्म पीड़िता

जासं, उन्नाव: सीबीआइ की चार्जशीट पर उठाए गए सवालों को दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने से नाखुश उन्नाव के माखी दुष्कर्म कांड की पीड़िता अब दिल्ली हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती देगी। पीड़िता के मुताबिक इस मामले में लगातार स्थितियां बिगड़ती जा रही हैं। केस को कमजोर करने के लगातार प्रयास हो रहे हैं और फोन से लेकर गतिविधियों तक नजर रखी जा रही है। सुरक्षा को लेकर आशंकित पीड़िता और उसके वकील ने पीएम व कोर्ट से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक को पत्र भेजे हैं। पीड़िता ने कहा कि वह न्यायालय के फैसले से संतुष्ट नहीं है। सड़क हादसे में सबको मारने की साजिश रची गई थी, जिसके मजबूत आधार हैं। उनके वकील डा.आशुतोष ने कहा कि कोर्ट ने अपने फैसले में ही कई ऐसे बिंदुओं का उल्लेख किया है, जिनके आधार पर हम उच्च न्यायालय जाएंगे। जल्दी ही फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती देंगे। 28 जुलाई, 2019 को रायबरेली जेल में बंद चाचा से मिलने के लिए जाते समय माखी कांड की पीड़िता की कार में गुरुबक्शगंज रायबरेली के निकट ट्रक ने टक्कर मार दी थी।

पूर्व पादरी को दुष्कर्म पीड़िता से शादी की नहीं मिली इजाजत

नई दिल्ली, आइएएनएस : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्व कैथोलिक पादरी राबिन वडक्कुमचेरी की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उसने एक लड़की से शादी करने के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी। इस लड़की के साथ उसने उस समय दुष्कर्म किया था, जब वह नाबालिग थी। केरल की रहने वाली दुष्कर्म पीड़िता ने भी पूर्व पादरी से शादी करने के लिए अदालत से अनुमति मांगी थी।

हालांकि, जस्टिस विनीत शरण और दिनेश माहेश्वरी की खंडपीठ ने कहा कि हाई कोर्ट ने हर चीज पर विचार करने के बाद फैसला सुनाया है। हम उसमें दखल देने का कोई कारण नहीं समझते हैं। इससे पहले वडक्कुमचेरी ने दुष्कर्म पीड़िता से शादी करने के लिए केरल हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। लेकिन हाई कोर्ट ने उसके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। सोमवार को दुष्कर्म पीड़िता के वकील ने शीर्ष अदालत से अपील की कि वडक्कुमचेरी को जेल से बाहर आने और लड़की से शादी करने की इजाजत दी जाए। उन्होंने कहा कि यह दोनों का संयुक्त अनुरोध है। पूर्व पादरी के वकील ने जमानत के मामले में हाई कोर्ट द्वारा की गई व्यापक टिप्पणियों का भी हवाला दिया। वडक्कुमचेरी की जमानत याचिका पर बहस करते हुए वकील ने कहा, शादी करने के मौलिक अधिकार से इन्कार कैसे किया जा सकता है? इस पर अदालत ने कहा, आपने इसे खुद बुलावा दिया है। दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने पूर्व पादरी को हाई कोर्ट जाने का निर्देश दिया। फरवरी 2019 में एक अदालत ने वडक्कुमचेरी को नाबालिग से दुष्कर्म और गर्भवती करने का दोषी पाया था। अदालत ने उसे 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने बंगाल पुलिस की भूमिका पर उठाया सवाल

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के नजदीकी और सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए राखाल बेरा को कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को जमानत दे दी। इसके साथ ही बंगाल पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाया। राखाल बेरा को राज्य के सिंचाई और जलमार्ग विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सोमवार को न्यायाधीश राजशेखर मंथा ने कहा कि पुलिस की भूमिका सवालों के घेरे में है। ऐसे में उसको भविष्य में राखाल बेरा के खिलाफ कोई कार्रवाई करने के लिए अदालत की अनुमति लेनी होगी। दूसरी ओर राखाल बेरा के वकील ने अदालत में दावा किया कि उनके मुवक्किल को झूठे मामले में फंसाया गया है। कुछ दिन पहले राखाल बेरा ने पूर्व मेदिनीपुर की कांथी अदालत में चिल्लाकर इच्छा मृत्यु की मांग की थी।

गौरतलब है कि कोलकाता के मानिकतल्ला पुलिस स्टेशन में सुजीत दे नाम के व्यक्ति की शिकायत के आधार पर राखाल बेरा को उनके आवास के बाहर से गिरफ्तार किया गया था। सुजीत दे ने अपनी शिकायत में कहा था कि राखाल बेरा ने जुलाई, 2019 से सितंबर 2019 के बीच कोलकाता के मानिकतल्ला रोड पर साहा इंस्टीट्यूट आफ न्यूक्लियर फिजिक्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के एक फ्लैट के अंदर एक शिविर का आयोजन किया था। आरोपितों ने पश्चिम बंगाल सिंचाई और जलमार्ग विभाग के ग्रुप डी (फील्ड स्टाफ) में नौकरी देने का झांसा देकर जनता से काफी धन इकट्ठा किया था।

राज कुंद्रा के लैपटाप से बरामद हुए 68 पोर्न वीडियो : पुलिस

फैजान खान, मिड डे (मुंबई)

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने सोमवार को बांबे हाई कोर्ट को बताया कि कारोबारी राज कुंद्रा के लैपटाप से 68 पोर्न वीडियो बरामद हुए हैं। कुंद्रा ने अपने आइ क्लाउड अकाउंट को डिलीट कर दिया था, लेकिन एजेंसी साइबर विशेषज्ञों की मदद से कुछ ई-मेल को फिर से हासिल करने में सफल रही है। अदालत कुंद्रा की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद उसने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

अदालत के समक्ष जवाब दाखिल करते हुए अपराध शाखा ने कहा कि जब आरोपित साक्ष्यों को नष्ट कर रहा हो तो तब वह मूक दर्शक नहीं बन सकती। अपराध शाखा ने दावा किया कि कुंद्रा ने आइ क्लाउड अकाउंट को डिलीट कर दिया था, जिसमें से कुछ ई-मेल बरामद करने में सफलता मिली है। लोग अभियोजक ने हाई कोर्ट को बताया कि एजेंसी को कुछ वाट्सएप चैट मिले हैं, जिनमें कुंद्रा, सहयोगी रयान थोर्पे व प्रदीप बक्शी बालीफेम के बारे में चर्चा कर रहे हैं। पुलिस को कुंद्रा के लैपटाप से दस्तावेज (पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन) भी मिला है, जिससे यह साबित होता है कि हाटशाट एप का संचालन मुंबई आफिस से हो रहा था। दस्तावेज में वित्तीय ब्योरा, विपणन रणनीति व कुछ पोर्न सामग्री का भी उल्लेख है।

लोक अभियोजक ने यह भी कहा कि कुंद्रा के दफ्तर से बरामद स्टोरेज एरिया नेटवर्क (सैन) में 51 पोर्न क्लिप थे। कुछ पोर्न क्लिप को कुंद्रा के निर्देश पर आरोपित रयान थोर्पे ने डिलीट कर दिया था। दोनों आरोपितों को नोटिस जारी किया गया था, जिनमें से एक ने स्वीकार किया था जबकि कुंद्रा ने इन्कार कर दिया था। कुंद्रा के पास ब्रिटिश पासपोर्ट भी था। बचाव पक्ष के वकील अबद पोंडा ने मुंबई पुलिस के साक्ष्यों के नष्ट करने के दावे का खंडन करते हुए कहा कि इसके बारे में कोई सूचना पंचनामा में दर्ज नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हार्ड डिस्क व मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए थे तो पंचनामा के दौरान 22 लोगों की उपस्थिति में साक्ष्य नष्ट कैसे किए गए और किसी ने कैसे नहीं देखा?

समाचार एजेंसी प्रेट्र के अनुसार, कुंद्रा के सहयोगी रयान थोर्पे ने भी अपनी गिरफ्तारी को हाई कोर्ट में चुनौती दी है और दोनों की याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। उधर, सत्र न्यायालय ने मुंबई पुलिस द्वारा पिछले साल दर्ज किए गए एक इसी तरह के मामले में कुंद्रा की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत इस मामले में सात अगस्त को फैसला सुनाएगी।

हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें : शिल्पा

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : पोर्न वीडियो बनाने व एप के जरिये प्रसारित करने के आरोप में 19 जुलाई को गिरफ्तार हुए व्यवसायी राज कुंद्रा की पत्नी और अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने अपने परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील की है। उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक बयान साझा किया, 'हां, पिछले कुछ दिन हर तरह से चुनौती भरे रहे हैं। कई तरह के आरोप लगे और अफवाहें भी फैलीं। मीडिया और मेरे शुभचिंतकों ने भी मुझ पर कई अनुचित आरोप लगाए। सिर्फ मुझे ही नहीं, बल्कि मेरे परिवार को भी बहुत ज्यादा ट्रोल किया गया और सवाल उठाए जा रहे हैं। मेरा पक्ष यह है कि मैंने इस मामले में अभी तक कुछ नहीं कहा है और आगे भी इससे परहेज करूंगी, क्योंकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है।' न्याय व्यवस्था में यकीन जताते हुए शिल्पा ने लिखा, 'एक मां के तौर पर मैं आपसे निवेदन करती हूं कि हमारे बच्चों की खातिर हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें। आधी-अधूरी जानकारी पर बिना सच जाने टिप्पणी करना बंद करें।'

राष्ट्रीय संस्करण
मंगलवार 3 अगस्त, 2021
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

पीएनबी का लाभ तीन गुना हुआ

नई दिल्ली : अग्रणी सरकारी कर्जदाता पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1,023.46 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बैंक को 308.45 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही यानी जनवरी-मार्च, 2021 में बैंक को 586.33 करोड़ रुपये लाभ हुआ था। (प्रेट्र)

अगली तीन तिमाहियों का प्रदर्शन पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि लोग सुरक्षा मानकों का किस तरह पालन करते हैं और टीकाकरण की गति क्या रहती है।
- आरसी भार्गव
चेयरमैन, मारुति सुजुकी

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना (प्रति दस ग्राम)	चांदी (प्रति किलोग्राम)	डॉलर	क्रूड (ब्रेंट) (प्रति बैरल)
52,750.63	15,885.15	₹46,917	₹66,473	₹74.34	$ 74.39
363.79	122.10	₹124	₹18	₹0.08	

एक नजर में

टाटा मोटर्स ने बढ़ाए पैसेंजर वाहनों के दाम

नई दिल्ली : टाटा मोटर्स ने अपने पैसेंजर वाहनों के दाम में मंगलवार (तीन अगस्त) से 0.8 फीसद (प्रति एक लाख रुपये पर 800 रुपये) की बढ़ोतरी की है। हालांकि जिन वाहनों की बुकिंग 31 अगस्त या उससे पहले हो गई है, उन्हें कंपनी पुराने दाम पर ही ग्राहक को देगी। कंपनी के प्रेसिडेंट (पैसेंजर व्हीकल्स बिजनेस यूनिट) शैलेष चंद्रा ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान स्टील और अन्य दुर्लभ धातुओं के दाम बहुत बढ़ गए हैं। (प्रेट्र)

सेवा निर्यात जून में 19 अरब डालर के पार : आरबीआइ

मुंबई : जून में सर्विस सेक्टर का निर्यात मासिक आधार पर 24.1 फीसद बढ़कर 19.72 अरब डालर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने यह जानकारी दी। बैंक के अनुसार इस वर्ष मई में सर्विस सेक्टर का निर्यात 17.35 अरब डालर और अप्रैल में 17.54 अरब डालर रहा था। आरबीआइ ने कहा कि ये आंकड़े प्रारंभिक हैं। तिमाही आधार पर बैलेंस आफ पेमेंट्स आंकड़े जारी होने के बाद इनमें बदलाव दिखेगा। (प्रेट्र)

मैन्यूफैक्चरिंग तीन माह के शीर्ष पर

इकोनामी कोरोना-पूर्व मजबूती की ओर, जुलाई में मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआइ 55 के पार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : कोरोना की दूसरी लहर के बाद अर्थव्यवस्था तेजी से रिकवरी की ओर बढ़ रही है और कई आर्थिक गतिविधियां कोरोना-पूर्व की स्थिति में पहुंच चुकी हैं। जुलाई में वस्तुओं के निर्यात में पिछले वर्ष समान अवधि के मुकाबले 47.91 फीसद और जुलाई, 2019 के मुकाबले 34.06 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। विदेशी मांग के साथ घरेलू खपत में बढ़ोतरी से जुलाई में मैन्यूफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआइ) जून के 48.1 से बढ़कर 55.3 के स्तर पर पहुंच गया। पीएमआइ पर 50 से ऊपर का सूचकांक मैन्यूफैक्चरिंग में विस्तार को दर्शाता है तो 50 से कम का सूचकांक गिरावट को इंगित करता है। आइएचएस मार्किट के सर्वे के मुताबिक पिछले तीन महीनों के दौरान जुलाई में मैन्यूफैक्चरिंग में सबसे अधिक बढ़ोतरी रही। पिछले महीने बिजली की खपत भी जुलाई, 2019 से अधिक रही।

आकलन
- मैन्यूफैक्चरर्स नए रोजगार देने की तैयारी में, जुलाई के निर्यात में 48 फीसद की बढ़ोतरी
- जुलाई में बेरोजगारी दर जून और मई से कम, बिजली-पेट्रोल खपत कोरोना पूर्व स्तर से अधिक

पीएमआइ पर 50 से ऊपर का सूचकांक मैन्यूफैक्चरिंग में विस्तार को दर्शाता है तो 50 से कम का सूचकांक गिरावट को इंगित करता है • फाइल फोटो

बिजली की खपत में भी बढ़ोतरी

जुलाई में होने वाली बिजली की खपत भी आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी को जाहिर कर रही है। जुलाई में बिजली की खपत 125.51 अरब यूनिट की रही जो पिछले दो वर्षों के दौरान जुलाई की खपत से अधिक है। पिछले वर्ष जुलाई में 112.14 अरब यूनिट बिजली की खपत रही। जुलाई, 2019 में 116.48 अरब यूनिट बिजली की खपत हुई थी। पेट्रोल की खपत पहले ही कोरोना-पूर्व से अधिक पर पहुंच चुकी है।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के मुताबिक पिछले महीने 35.17 अरब डालर का निर्यात किया गया। पिछले वर्ष जुलाई में 23.78 अरब डालर और जुलाई, 2019 में 26.23 अरब डालर का निर्यात किया गया था। जुलाई में पेट्रोलियम उत्पाद के साथ जेम्स-ज्वैलरी व इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात में सबसे अधिक बढ़ोतरी रही।

मंत्रालय के अनुसार पिछले महीने 46.40 अरब डालर का आयात किया गया जो पिछले वर्ष जुलाई के मुकाबले 59.38 फीसद और जुलाई, 2019 के मुकाबले 14.75 फीसद अधिक है।

आइएचएस मार्किट के सर्वे के मुताबिक मासिक स्तर पर : मैन्यूफैक्चरिंग में तेज बढ़ोतरी हुई है। कोरोना प्रतिबंध में ढील के साथ मांग में तेजी होने से एक तिहाई से अधिक कंपनियों ने अपने उत्पादन का विस्तार किया है। कोरोना में कमी से इस वर्ष औद्योगिक उत्पादन में 9.7 फीसद का इजाफा हो सकता है। उत्पादन में बढ़ोतरी से जुलाई में नई भर्तियां भी शुरू हो गई हैं। इस बात के संकेत सीएमआइई के बेरोजगारी आंकड़ों से मिल रहे हैं। सीएमआइई के मुताबिक जुलाई में बेरोजगारी दर 6.95 फीसद रही जबकि इस वर्ष जून में यह 9.17 फीसद और मई में 11.90 फीसद थी। उद्यमियों ने बताया कि पिछले तीन-चार महीनों से वैश्विक बाजार से निकलने वाली मांग में निर्यात यूनिट तेजी से अपना उत्पादन बढ़ा रही है। वहीं जुलाई से देश के अधिकतर राज्यों में कोरोना महामारी पर नियंत्रण से बाजार खुलने लगे और एफएमसीजी से लेकर सभी प्रकार की वस्तुओं की बिक्री में तेजी दर्ज की जा रही है। इससे भी मैन्यूफैक्चरिंग का विस्तार हो रहा है।

सरकारी बीमा कंपनियों के निजीकरण के लिए लोकसभा में बिल पारित

जाब्यू, नई दिल्ली: सरकारी बीमा कंपनियों के निजीकरण से जुड़े साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक, 2021 को सोमवार को लोकसभा में पारित कर दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 30 जुलाई को इस बिल को लोकसभा में पेश किया था। इस बिल के कानून बन जाने के बाद बीमा कंपनियों में सरकार अपनी हिस्सेदारी 51 फीसद से नीचे ला सकेगी।

इस साल बजट पेश करने के दौरान वित्त मंत्री ने दो सरकारी बैंक तो एक जनरल बीमा कंपनी के निजीकरण की घोषणा की थी। हालांकि वित्त मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में दो सरकारी बैंकों के निजीकरण का काम पूरा होना संभव नहीं लग रहा है। सूत्रों के मुताबिक अभी इस सिलसिले में इन बैंकों के निजीकरण के लिए मंत्रालय की तरफ से विस्तृत प्रारूप नहीं बनाया गया है। वहीं, इन बैंकों के कर्मचारियों के हित को लेकर भी स्पष्ट तस्वीर नहीं खींची गई है।

सरकार की मदद के बिना बंद हो जाएगी वोडा आइडिया : बिड़ला

नई दिल्ली, प्रेट्र : आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने वोडाफोन आइडिया को चलाने में अक्षमता जाहिर की है। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी सरकार को सौंपने की पेशकश के साथ इस वर्ष जून में कैबिनेट सचिव राजीव गौबा को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा कि वोडाफोन आइडिया के परिचालन में बने रहने के लिए जरूरी है कि उसमें आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिस्सेदारी सरकार ले ले। उनके अनुसार सरकार चाहे तो हिस्सेदारी लेने के लिए किसी ऐसी कंपनी का नाम सुझा सकती है जो कंपनी को चलाने में सक्षम हो। सात जून को लिखे इस पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया है कि वर्तमान माहौल में अगर सरकार ने तत्काल सक्रिय मदद मुहैया नहीं कराई, तो कंपनी के बंद होने का अंदेशा है।

वीआइएल में करीब 27 फीसद हिस्सेदारी रखने वाले और कंपनी के चेयरमैन बिड़ला ने पत्र में कहा कि एजीआर देनदारी पर स्पष्टता के अभाव में निवेशक इस कंपनी में निवेश को इच्छुक नहीं हैं। निवेशक कंपनी से इसलिए भी दूर होते दिख रहे हैं क्योंकि देनदारी के भुगतान के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्पेक्ट्रम की फ्लोर प्राइसिंग कंपनी द्वारा मुहैया कराई जा रही सेवाओं के मुकाबले अधिक है। इस बारे में आदित्य बिड़ला ग्रुप या वीआइएल की तरफ से प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला • जागरण आर्काइव

आंकड़ों के अनुसार वोडाफोन आइडिया पर एडजस्टेड ग्रास रेवेन्यू (एजीआर) मद में 58,254 करोड़ रुपये बकाया था। कंपनी ने इसमें से 7,854.37 करोड़ का भुगतान किया है। उसे इस मद में अभी भी सरकार को 50,399.63 करोड़ देने हैं।

फार्च्यून-500 में एसबीआइ की बड़ी छलांग

नई दिल्ली, प्रेट्र : फार्च्यून ग्लोबल 500 सूची में देश के सबसे बड़े कर्जदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) ने बड़ी छलांग लगाई है। इस वर्ष की सूची में बैंक 16 पायदान चढ़कर 205वें स्थान पर आ गया। बैंक पिछले वर्ष भी इस सूची में 15 पायदान चढ़ा था। वहीं, देश की सबसे मूल्यवान कंपनी और एशिया के सबसे बड़े धनकुबेर मुकेश अंबानी नियंत्रित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआइएल) इस वर्ष की सूची में 59 पायदान फिसलकर शीर्ष 100 से बाहर हो गई है। कंपनी को इस वर्ष की सूची में 155वां स्थान मिला है। सूची में 524 अरब डालर राजस्व के साथ अमेरिकी रिटेल दिग्गज वालमार्ट लगातार आठवें वर्ष और 1995 के बाद 16वीं बार पहले स्थान पर काबिज है। चीन की स्टेट ग्रिड 384 अरब डालर राजस्व के साथ सूची में दूसरे स्थान पर है।

205 वें स्थान पर आ गया एसबीआइ 16 पायदान चढ़कर

59 पायदान फिसल गई रिलायंस इंडस्ट्रीज, शीर्ष 100 से भी बाहर

135 कंपनियों के साथ सूची में चीन सबसे आगे, इसमें हांगकांग भी शामिल

फार्च्यून-500 की नवीनतम ग्लोबल सूची में तीसरे स्थान पर रही अमेरिकी आनलाइन रिटेलिंग कंपनी अमेजन ने चीन की चाइना नेशनल पेट्रोलियम को चौथे स्थान पर धकेल दिया है। पांचवें स्थान पर चीन का सिनोपेक ग्रुप है। छठे स्थान पर रही एपल को पिछले वर्ष सबसे ज्यादा लाभ हुआ है। सूची के अनुसार पिछले वर्ष कोरोना संकट के चलते आरआइएल का राजस्व 25.3 फीसद गिरकर 63 अरब डालर रह गया। अन्य पेट्रोलियम कंपनियों को हुआ नुकसान भी सूची में झलकता है। आयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) इस बार पिछले वर्ष के मुकाबले 53 पायदान गिरकर 243वें तथा राजेश एक्सपोर्ट्स 114 स्थान फिसलकर 348वें पायदान पर चली गई। ताजा सूची के अनुसार फार्च्यून-500 कंपनियों का कुल राजस्व पिछले वर्ष पांच फीसद गिरकर 31.7 लाख करोड़ डालर रहा, जो दुनियाभर की जीडीपी के एक-तिहाई से अधिक है। इन कंपनियों का लाभ भी 20 फीसद गिरकर 1.6 लाख करोड़ डालर रहा। इन कंपनियों ने पिछले वर्ष दुनियाभर में 6.97 करोड़ लोगों को रोजगार दिया। समाचार एजेंसी आइएएनएस के अनुसार कोरोना संकट के चलते इन कंपनियों के लाभ में वर्ष 2009 के बाद की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

टैक्स संग्रह में पांच फीसद बढ़ोतरी : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, प्रेट्र: बीते वित्त वर्ष के दौरान सरकार के शुद्ध टैक्स संग्रह में पांच फीसद बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा को एक लिखित जवाब में बताया कि वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान प्रत्यक्ष और परोक्ष कर को मिलाकर कुल टैक्स संग्रह करीब पांच फीसद बढ़कर 14.24 लाख करोड़ रुपये रहा। उससे पिछले वित्त वर्ष के दौरान यह 13.56 लाख करोड़ रुपये रहा था।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रत्यक्ष व परोक्ष कर संग्रह को मजबूती देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें कर चोरी को रोकने, कर आधार बढ़ाने, मुकदमे घटाने तथा डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने जैसे उपाय शामिल हैं। हालांकि बीते वित्त वर्ष के दौरान गैर-कर राजस्व 36 फीसद घटकर 2.08 लाख करोड़ रुपये रह गया। उससे पिछले वित्त वर्ष में इस मद में सरकार ने 3.27 लाख करोड़ रुपये रह गया। बीते वित्त वर्ष के दौरान सरकार का कर और गैर-कर राजस्व 3.09 फीसद गिरकर 16.32 करोड़ रुपये रह गया।

14.24 लाख करोड़ रुपये रहा बीते वित्त वर्ष में कुल टैक्स संग्रह

16.32 लाख करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया सरकार ने

संसद के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई आंकड़े पेश किए • प्रेट्र

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में सीतारमण ने बताया कि कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) नियमों में उल्लंघन से संबंधित 366 मामलों में कंपनी कानून के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी गई है। कंपनी कानून के तहत एक निश्चित सीमा से अधिक लाभ वाली कंपनियों को सीएसआर मद में बीते तीन वर्षों के शुद्ध लाभ के औसत का दो फीसद खर्च करना अनिवार्य है। इसके उल्लंघन को इस वर्ष 22 जनवरी से अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया है।

ईपीएफओ ने शेयरों में किया 7,715 करोड़ रुपये निवेश: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने इस वर्ष अप्रैल-जून तिमाही में शेयरों में 7,715 करोड़ रुपये का निवेश किया है। श्रम व रोजगार राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने लोकसभा को सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने कहा कि ईपीएफओ किसी शेयर विशेष में नहीं, बल्कि ईटीएफ मैन्यूफैक्चरर्स (एसबीआइ-म्यूचुअल फंड व यूटीआइ-म्यूचुअल फंड) के माध्यम से सिर्फ एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेश करता है। ईपीएफ के ट्रस्टी बोर्ड द्वारा अनुमोदित और सरकार द्वारा अधिसूचित नियमों के अनुसार ईपीएफओ अपना अधिकतम 15 फीसद निवेश शेयरों में कर सकता है।

एनएचएआइ ने जुटाए तीन लाख करोड़ से अधिक: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) द्वारा जुटाई गई कुल रकम इस वर्ष मार्च के आखिर में 3,06,704 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा को यह जानकारी देते हुए कहा कि बीते वित्त वर्ष के दौरान एनएचएआइ ने 18,840 करोड़ रुपये का ब्याज चुकाया है। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न न्यायाधिकरणों में मध्यस्थता के 140 मामले चल रहे हैं। इनमें ठेकेदारों ने 91,875.70 करोड़ रुपये और एनएचएआइ ने 44,600 करोड़ रुपये के दावे किए हुए हैं।

सरकार को केयर्न से नहीं मिला विवाद निपटाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने सोमवार को कहा कि केयर्न एनर्जी के साथ टैक्स विवाद मामले में उसे कंपनी ऐसा कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है कि मामले को देश के कानून के दायरे में सुलझा लिया जाए। एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने भारत सरकार के साथ टैक्स सबंधी विवाद में केयर्न एनर्जी के पक्ष में फैसला दिया है। न्यायाधिकरण ने सरकार से कहा है कि वह केयर्न को क्षतिपूर्ति और ब्याज सहित 1.7 अरब डालर का भुगतान करे। तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष दिसंबर के अपने निर्णय में सरकार को आदेश दिया था कि वह केयर्न एनर्जी को 1.2 अरब डालर का मुआवजा और उस पर ब्याज तथा कानूनी लड़ाई का हर्जाना चुकाए। लोस में प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि फ्रांस की एक अदालत ने भारत सरकार की पेरिस स्थित कुछ संपत्तियों को जब्त करने का आदेश पारित किया है। उन्होंने कहा कि केयर्न की तरफ से देश के कानूनी ढांचे के भीतर समाधान के लिए अभी तक कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

भाजपा सांसद रंजीता को जान से मारने की धमकी

जयपुर : भरतपुर की भाजपा सांसद रंजीता कोली को भरतपुर जिले के भुसावर निवासी महेंद्र सिंह नामक वक ने फोन कर जान से मारने की धमकी दी है। सोमवार दोपहर को किए फोन में महेंद्र ने सांसद से कहा कि आप पर पहले जो हमला हुआ था, वह मैंने ही करवाया था, लेकिन इस बार अगर भुसावर दौरा करोगी तो मुश्किल होगी, बचोगी नहीं। 28 मई को हमलावरों ने हलैना में उनकी गाड़ी पर फायरिंग की थी। (जासं)

कुछ ही घंटे में दो बार दुष्कर्म का शिकार हुई नाबालिग

नागपुर : झगड़े के बाद घर छोड़ने वाली किशोरी कुछ ही घंटे में दो बार सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हुई। उससे छह लोगों ने दुष्कर्म किया, जिनमें चार आटो चालक थे। रेलवे पुलिस ने शाहनवाज, यूसुफ व मुशीर को गिरफ्तार करके स्थानीय थाने को सौंप दिया। पीड़िता को चाइल्ड केयर सेंटर को सौंपते हुए मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। (प्रेट्र)

पाक तस्करों ने बांस में डालकर दरिया से भेजी हेरोइन

गुरदासपुर : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तानी तस्करों की ओर से बांस में डालकर रावी दरिया से भारत भेजी गई एक किलो हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, सीमा पर तैनात दस बटालियन हेडक्वार्टर शिकार माछिया की बीओपी नंगली के जवानों ने रावी दरिया से भारत की ओर आ रहे एक बांस को पकड़ा। करीब दो फीट लंबे बांस को खोल कर देखा तो उसमें हेरोइन के दो पैकेट बरामद हुए, जिनका वजन एक किलो निकला। (जासं)

रेमडेसिविर चुराने वाले वार्डब्वाय को पांच साल की सजा

नागपुर : महाराष्ट्र में नागपुर की सत्र अदालत ने कोरोना के इलाज की अहम दवा रेमडेसिविर और अन्य दवाएं चुराने के लिए एक वार्डब्वाय को पांच साल कारावास की सजा सुनाई। शेख आरिफ ने अस्पताल की फार्मेसी से रेमडेसिविर के दो इंजेक्शन, पेंटापैराजोल के चार इंजेक्शन, मेरोपेनेम और सुसाइनेक्स का इंजेक्शन चुराया था। (प्रेट्र)

173 लोगों की मौत के मामले में नूर इस्लाम को उम्रकैद

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के संग्रामपुर में वर्ष 2011 में जहरीली शराब पीने से हुई 173 लोगों की मौत के मामले में कोलकाता की अलीपुर नगर दायरा अदालत ने सोमवार को मुख्य अभियुक्त नूर इस्लाम फकीर उर्फ खोड़ा बादशाह को उम्रकैद की सजा सुनाई। पिछले दिनों अदालत ने हत्या, गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचाने सहित चार धाराओं तथा बंगाल आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत खोड़ा बादशाह को दोषी करार दिया था। दूसरी ओर साक्ष्य के अभाव में अदालत ने सात लोगों को बरी कर दिया है।

गौरतलब है कि दिसंबर, 2011 में दक्षिण 24 परगना के संग्रामपुर तथा उसके आसपास के इलाकों में जहरीली शराब पीने से 173 लोगों की मौत हो गई थी। मामले की जांच के लिए बंगाल सरकार ने विशेष जांच दल का गठन किया था। जांच में पता चला था कि नशे के स्तर को बढ़ाने के लिए शराब में मिथाइल अल्कोहल और जहरीले रसायनों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने 173 लोगों की जान ले ली थी। घटना के एक महीने बाद मुख्य अभियुक्त ने आत्मसमर्पण कर दिया था। उसने सजा कम करने की अपील की. जबकि लोक अभियोजक ने दुर्लभ से दुर्लभतम मामला बताते हुए मौत की सजा की मांग की।

अलीपुर अदालत में जाता जहरीली शराब कांड का मुख्य अभियुक्त नूर इस्लाम फकीर उर्फ खोड़ा बादशाह। इंटरनेट मीडिया

सीआरपीएफ जवान पर हमला मामले में 15 के खिलाफ केस

जागरण संवाददाता, सोनीपत

केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के जवान पर तलवार से जानलेवा हमला करने के मामले में कुंडली थाने की पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हमले का आरोप 15 कृषि कानून विरोधी आंदोलनकारियों पर लगाया गया है। हमला करने के बाद से आरोपित निहंग फरार हैं। पुलिस उनका पता लगाने का प्रयास कर रही है। सड़क पर खड़े आंदोलनकारियों के वाहनों को हटाने को कहने पर सीआरपीएफ के जवान पर तलवार से हमला कर दिया था।

सीआरपीएफ के एएसआइ शंभू प्रसाद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि शनिवार रात को करीब दो बजे पांच-छह जवान अपनी ड्यूटी पूरी कर कैंप पर जा रहे थे। रसोई ढाबे के पास टीडीआइ माल के सामने सड़क पर जाम लगा था। वहां पर कुछ आंदोलनकारी अपनी कार व अन्य वाहनों को रोड पर खड़ा किए हुए थे। जाम लगने के कारण सीआरपीएफ के जवानों ने सड़क पर खड़े वाहनों को किनारे कराने का प्रयास किया। इस पर आंदोलनकारियों में शामिल निहंगों ने जवान शाबिर अंसारी पर हमला कर दिया था। एक निहंग ने तलवार से वार कर सीआरपीएफ के जवान को घायल कर दिया। उसके सिर व पीठ पर तलवार से वार किया गया। उसके अन्य साथियों ने लाठी से भी जवान पर हमला किया। इस दौरान वहां पर अन्य आंदोलनकारी भी ट्रक व टैंपो से उतरकर आ गए। उन्होंने हमला करने वालों को वहां से भगाने में मदद की।

पुलिस ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, हमला करने व धमकी देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम हमलावरों का पता लगाने के लिए आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की पहचान कर उनको जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खेल जागरण

मैं कप्तान होता तो अधिक अभ्यास मैचों की करता मांग : गावस्कर

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के बाद कप्तान विराट कोहली ने टीम इंडिया की हार का कारण अभ्यास मैचों का न होना बताया था। फाइनल और बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के बीच टीम इंडिया के पास इंग्लैंड में करीब एक महीने का समय था लेकिन इस बीच उसने डरहम के साथ सिर्फ एक अभ्यास मैच खेला। भारत के पूर्व कप्तान व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि अगर मैं कप्तान होता तो इंग्लैंड दौरे पर जाने से पहले ही अधिक अभ्यास मैचों की मांग रखता। इसके अलावा भी सीरीज से जुड़े कई मुद्दों पर **सुनील गावस्कर** से **अभिषेक त्रिपाठी** ने खास बातचीत की। पेश है प्रमुख अंश :

साक्षात्कार

• क्या आपको लगता है इंग्लैंड की टीम से उसके घर में निपटने के लिए टीम इंडिया पूरी तरह से तैयार है?

-मेरे हिसाब से अगर वह सीरीज से पहले तीन या चार अभ्यास मैच खेलते तो ज्यादा अच्छा रहता लेकिन टीम इंडिया को एक ही अभ्यास मैच खेलने को मिला, बाकी इंट्रा स्क्वाड मैच (आपसी खिलाड़ियों से बनी टीम के मैच) तो एक तरह से नेट प्रैक्टिस की तरह ही है। बस आपने नेट्स को हटा दिया और वह इंट्रा स्क्वाड मैच बन गया। इसमें गेंदबाज भी खुद को रोककर गेंदबाजी करता है कि कहीं बाउंसर से अपने ही बल्लेबाज को ना चोटिल कर बैठे। गेंदबाज सही तरह से अभ्यास नहीं कर पाते हैं। वहीं बल्लेबाज भी खुलकर नहीं खेल पाते हैं। मैं यह भी समझ सकता हूं कि कोरोना वायरस के चलते ऐसा नहीं हो रहा है। हालांकि मैं आलोचना नहीं कर रहा हूं, बस मेरा मानना है कि अगर दो से तीन अभ्यास मैच और मिलते तो शायद ज्यादा अच्छी तैयारी रहती।

• डब्ल्यूटीसी में जब भारत की हार हुई तो सभी ने अभ्यास मैचों की कमी बताई। वेंगसरकर ने भी कहा था कि हम दौरों में तीन-चार अभ्यास मैच खेलते थे? क्या टीम इंडिया ने कुछ सीखा

-देखिए क्या सीखा है यह तो नहीं बता सकता हूं। उसके लिए हमें टीम इंडिया के मैदान में उतरने का इन्तजार करना होगा। बाकी भारतीय क्रिकेट खेल प्रेमी होने के नाते कहना चाहूंगा कि जिस तरह का संतुलन वर्तमान टीम इंडिया के पास है, ऐसा बहुत कम भारतीय टीमों में देखा गया है। इनके पास विश्व स्तर के तेज गेंदबाज हैं, स्पिनर हैं और उसी स्तर की बल्लेबाजी भी है। ऐसा मिश्रण बहुत ही कम भारतीय टीमों में देखने को मिला है। यही कारण है कि उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं और डब्ल्यूटीसी हारने पर काफी निराशा भी महसूस हुई थी, फिर भी मुझे उम्मीद है कि यह टीम इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज को आसानी से अपने नाम करेगी।

• अगर आप वर्तमान टीम इंडिया के कप्तान होते और इतने दिन इंग्लैंड में होते तो आपकी क्या रणनीति रहती और बीसीसीआइ से आप क्या मांग रखते?

-देखिए, मांग तो सीरीज के लिए भारत से निकलने से पहले की जाती है। उन्हें यह मांग करनी थी कि इतना अधिक समय है अगर एक-दो अभ्यास मैच मिल जाते तो अच्छा रहता। ऐसे में जब आप इंग्लैंड चले गए और डब्ल्यूटीसी फाइनल में हार गए उसके बाद यह कहना कि अभ्यास मैचों की कमी रह गई। इन सब चीजों की मांग बोर्ड से पहले रखनी होती है, क्योंकि इंग्लैंड की कांउटी टीमों का भी कार्यक्रम तय रहता है। मैं कप्तान होता तो पहले ही मांग रखता। आपको पता था कि आइपीएल मई की शुरुआत में स्थगित हो गया था। आप लोग मई के अंत में इंग्लैंड के लिए निकले। इस बीच में पूरे एक महीने का समय डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले बचा हुआ था। इसके अलावा आपको पता था कि अगर एकबार इंग्लैंड चले गए तो कोरोना में वापस आना मुश्किल है। ऐसे में अगर मैं कप्तान होता तो बोर्ड से ये मांग रखता कि इतने बड़े फाइनल से पहले अगर एक या दो अभ्यास मैच मिल जाते तो सही रहता। उससे मेरी टीम की बल्लेबाजी, गेंदबाजी का स्तर इसके अलावा कहां पर कमजोरी नजर आ रही है।

• भारत के खिलाफ खेलने वाली इंग्लैंड की टीम को कैसे देखते हैं?

-मेरे हिसाब से इंग्लैंड कमजोर नजर आ रही है क्योंकि उनका मैच विनर खिलाड़ी बेन स्टोक्स गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों से टीम को योगदान नहीं दे सकेगा। उसने सीरीज से नाम वापस ले लिया है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी नहीं खेल रहे हैं।

• आपने इंग्लैंड में काफी क्रिकेट खेला है। अगस्त के माह में वहां गर्मी रहती है तो इस वातावरण में पिच कैसी रहेगी?

-देखिए अगर धूप खिली होती है तो भारत को फायदा मिलेगा। उससे इंग्लिश गेंदबाज फायदा नहीं उठा पाएंगे। हमारे पास स्पिनर भी हैं। हम तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनरों के प्रभावशाली मिश्रण के साथ उतर सकते हैं। अगस्त और सितंबर के माह में इंग्लैंड में खेलने से यह फायदा होता है कि एक तो उनके तेज गेंदबाज थके हुए होते हैं। दूसरा यह कि पिच के ऊपर घास नहीं नजर आती है, जिससे इंग्लैंड के गेंदबाजों को सीम और स्विंग इतनी मिलती नहीं है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि भारत को यह सीरीज जीतनी चाहिए।

• कई ओपनरों के होते हुए टीम का पृथ्वी शा को बुलाने के लिए परेशान होना क्या यह दिखाता है कि टीम इंडिया को अभिमन्यु ईश्वरन पर विश्वास नहीं है?

-इस तरह का सवाल तो आपको करुण नायर से भी करना चाहिए, जिन्होंने तिहरा शतक मारा और उसके बाद गायब हो गए। उनके साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ था। अभिमन्यु को तो इस तरह का सवाल अभी नहीं पूछना है लेकिन करुण नायर को तो टीम में चुना गया था और उनकी जगह पर दूसरा खिलाड़ी बाहर से आकर टीम में खेलने लगा और आगे बढ़ गया। बाकी इसका सटीक उत्तर मुझे ज्यादा आपको चयनकर्ताओं या टीम ही टीम बता सकती है।

सिर पर गेंद लगने से मयंक चोटिल, पहले टेस्ट से बाहर

नाटिंघम, प्रेट्र : भारत के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल अभ्यास सत्र के दौरान टीम के साथी तेज गेंदबाज मुहम्मद सिराज की शार्ट गेंद सिर पर लगने से चोटिल हो गए। इसके चलते वह बुधवार से शुरू होने वाले इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट से बाहर हो गए।

इंग्लैंड दौरे पर गए भारतीय गेंदबाजों में सिराज सबसे तेज गेंदबाज हैं। अभ्यास के समय मयंक ने उनकी शार्ट गेंद से नजरें हटा लीं, जिसके बाद गेंद उनके सिर के पिछले हिस्से में हेलमेट से टकरा गई। भारतीय उप कप्तान अजिंक्य रहाणे से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मयंक के सिर में चोट लगी है। चिकित्सा टीम उनकी निगरानी कर रही है। अन्य सभी खिलाड़ी फिट है।' मयंक हेलमेट खोलने के बाद कुछ असहज महसूस कर रहे थे और फिर फिजियो नितिन पटेल उनके साथ जमीन पर बैठे गए। इसके बाद वह सिर के पिछले हिस्से पर हाथ रखकर पटेल के साथ नेट से बाहर निकल गए। उम्मीद है कि टेस्ट मैच खेलने के लिए मंजूरी मिलने से पहले अनिवार्य रूप से उन्हें कन्कशन जांच से गुजरना होगा। मयंक की गैरमौजूदगी में लोकेश राहुल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर मौका मिल सकता है।

मयंक अग्रवाल • फाइल फोटो ट्विटर

कोहली बोले, हमें अथक प्रयास व उत्कृष्टता हासिल करने पर ध्यान देना होगा : भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के लिए अथक प्रयास करना जरूरी है। कोहली की अगुआई में भारतीय टीम जो रूट की कप्तानी वाली इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसका आगाज बुधवार को पहले टेस्ट से होगा। कोहली ने भारतीय विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के सवाल पर स्काई स्पोर्ट्स से कहा, 'पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में हमें हर दिन अथक प्रयास के साथ उत्कृष्टता हासिल करने पर ध्यान देना जारी रखना होगा। यहां आपको खुद से यह कहना होगा कि आप कड़ी मेहनत करना चाहते हैं।

दैनिक जागरण

मित्रता जीवन की अनमोल कड़ी है

संसद का गतिरोध टूटे

पेगासस जासूसी मामले को लेकर तीसरे सप्ताह भी संसद के दोनों सदनों में गतिरोध जारी रहने से यही स्पष्ट हो रहा है कि विपक्ष अपने रवैये से पीछे हटने वाला नहीं। इसका पता राहुल गांधी की ओर से विपक्षी दलों के नेताओं के साथ संभावित बैठक से भी चलता है। इस बैठक के बाद विपक्ष पेगासस मामले में अपने रवैये पर और अधिक अडिग हो जाए तो हैरत नहीं। जो भी हो, सरकार इसकी अनदेखी नहीं कर सकती कि उस पर इसके लिए दबाव बढ़ता जा रहा है कि इस मसले पर संसद में बहस हो। गत दिवस बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस मामले पर संसद में बहस की जरूरत जता दी। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि इस प्रकरण की जांच भी होनी चाहिए। वह भाजपा के सहयोगी दलों के नेताओं में से पहले ऐसे बड़े नेता हैं, जिन्होंने पेगासस मामले में विपक्ष के सुर में सुर मिलाया। उन्होंने न केवल भाजपा को असहज किया, बल्कि सरकार पर दबाव बढ़ाने का भी काम किया। पेगासस मामले का सच जो भी हो, सरकार को उन कारणों को स्पष्ट करना चाहिए, जिनके आधार पर वह यह कह रही है कि इस मामले पर बहस की जरूरत नहीं। अच्छा यह होगा कि वह संसद में बहस के लिए तैयार हो और अपने तर्कों से विपक्ष की उन दलीलों को ध्वस्त करे, जिन्हें वह कपोल कल्पित ठहरा रही है।

यह पता चलना ही चाहिए कि पेगासस साफ्टवेयर के जरिये जासूसी हुई या फिर जासूसी की कोशिश हुई अथवा जासूसी होने वाली थी? अभी तो यही नहीं पता चल रहा कि आखिर हुआ क्या है? क्या वह सूची निराधार है, जिसमें कथित तौर पर उन लोगों के नाम दर्ज हैं, जिनकी जासूसी होनी थी? वास्तव में यह सवाल केवल सत्तापक्ष के समक्ष ही नहीं, बल्कि विपक्ष के सामने भी है। विपक्ष कितना भी हंगामा मचाए, तथ्य यही है कि अभी इसके प्रमाण नहीं कि उन लोगों की जासूसी हुई ही है, जिनके नाम एमनेस्टी इंटरनेशनल और फारबिडेन स्टोरीज नामक संस्था ने जारी किए हैं। बेहतर हो कि विपक्ष भी उन कारणों को रेखांकित करे, जिनके तहत वह इस नतीजे पर पहुंच रहा है कि अमुक-अमुक लोगों की जासूसी हुई। जासूसी कोई नई-अनोखी बात नहीं। शायद ही कोई सरकार हो, जो जासूसी न कराती हो, लेकिन उसकी जरूरत के कुछ ठोस आधार होते हैं। सरकार को सदन के भीतर अथवा बाहर विपक्ष को यह भरोसा दिलाना चाहिए कि जासूसी समुचित कारणों से ही हो रही है और उन्हीं तत्वों की हो रही है, जिनकी जरूरी है। उचित यह होगा कि संसद में जारी गतिरोध तोड़ने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष में बातचीत हो।

मुद्दों पर हो बात

किसी भी राज्य के लिए विधानसभा सत्र बेहद अहम होता है। इसमें प्रदेश के भविष्य की दशा और दिशा तय की जाती है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र भी शुरू हो गया है। इस बार सत्र में 10 बैठकें होंगी, जिससे उम्मीद है कि सत्ता पक्ष एवं विपक्ष मुद्दों पर सार्थक बातचीत करेंगे और प्रदेश के विकास का खाका खींचने की दिशा में कदम बढ़ेंगे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक सरकार से प्रदेश के लोगों से जुड़े 953 अधिक सवाल पूछेंगे, जबकि कई अहम विषयों पर भी चर्चा होगी। जनता से जुड़े कई अहम विधेयक भी सत्र के दौरान पेश किए जाएंगे। कोरोना संकट के कारण प्रदेश के विकास की रफ्तार कम हुई है। कई अहम विषय हैं, जिन पर चर्चा किए जाने की जरूरत है। कोरोना संकट के कारण विधानसभा के बजट सत्र में भी कटौती करनी पड़ी थी। निर्धारित समय से पहले अनिश्चितकाल के लिए सदन को स्थगित करना पड़ा था। बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर विपक्ष ने विवाद किया था और कई दिन तक सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया था। ऐसी परिस्थितियां प्रदेश के हित में नहीं हैं। उम्मीद है कि सत्र के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच प्रदेश हित से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी। सत्ता पक्ष को विपक्ष की बातें सुननी चाहिए और उनकी शंकाओं का समाधान करना चाहिए। विपक्ष के सदस्यों को भी चाहिए कि अहम सत्र में किसी तरह का व्यवधान न पड़े। अगर किसी बात या मुद्दे पर असहमति हो तो उसे तर्कों के साथ सदन के पटल पर रखा जाए। बहिर्गमन जैसे कदम से कार्यवाही प्रभावित होने के अलावा कुछ हासिल नहीं होगा। यदि इस दौरान किसी तरह का व्यवधान पड़ता है तो विकास के लिए की जानी वाली चर्चा नहीं हो सकेगी और कई विकास योजनाएं भी छूट सकती हैं। इसलिए सभी का दायित्व है कि इस समय का सदुपयोग किया जाए और सार्थक बहस हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रदेश हित के लिए सभी सदस्य विकास के लिए चर्चा करेंगे।

> उम्मीद है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच प्रदेश हित से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी। सत्ता पक्ष को विपक्ष की बातें सुननी चाहिए और उनकी शंकाओं का समाधान करना चाहिए

ढांचागत सुधारों पर सहमति का समय

जीएन वाजपेयी

> वास्तविक लोकतंत्र विवेक की मांग करता है, जिसमें सभी वर्ग के नेताओं को संकीर्ण राजनीतिक हितों का परित्याग करना पड़ता है

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीसीपी की स्थापना के शताब्दी समारोह में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अपने आक्रामक तेवर दिखाए। ताकतवर देशों को उन्होंने जहां आंखें दिखाईं वहीं अपने पिट्ठू बन चुके देशों को एक प्रकार का लालीपाप दिया। उनके इन तेवरों के पीछे चीन की अर्थव्यवस्था में आई जबरदस्त तेजी एक अहम ताकत है। करीब 14 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर की हैसियत के साथ चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसके बाद पांच ट्रिलियन डालर वाली जापानी अर्थव्यवस्था है। इन दोनों के बीच अंतर की खाई खासी चौड़ी है। चीनी अर्थव्यवस्था 1979 तक महज 202 अरब डालर की थी। उसने 40 वर्षों में इतनी तेज वृद्धि की है। भारत को देखें तो यही लगेगा कि चीन के मुकाबले हम कितना पीछे रह गए और वह भी तब जब पिछली सदी के नौवें दशक में चीन ने जब आर्थिक सुधार शुरू किए थे तब भारतीय अर्थव्यवस्था उससे कहीं बेहतर स्थिति में थी।

इसमें कोई संदेह नहीं कि चीन चाहता है कि भारत उसकी श्रेष्ठता को स्वीकारे, जो स्वाभिमानी भारतीय राज्य कभी स्वीकार नहीं कर सकता। समय-समय पर भारत को उन छोटे देशों से भी चुनौती मिलती रहती है जिनकी न केवल सामरिक, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी कोई खास हैसियत नहीं है। वे इसी धारणा से भारत की परेशानियां बढ़ाने का मुगालता पाल लेते हैं कि उसकी हिचकोले खा रही अर्थव्यवस्था और कोलाहल भरे लोकतंत्र के कारण उनके मंसूबे पूरे हो जाएंगे। आर्थिक रूप से कुछ शक्तिशाली राष्ट्र भी उन्हें इसके लिए उकसाते हैं।

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मैडिसन ने विश्व के आर्थिक इतिहास से जुड़ा एक अध्ययन किया है। इस अध्ययन के अनुसार 18वीं शताब्दी तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जिसकी वैश्विक जीडीपी में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। नीदरलैंड से लेकर ग्रेट ब्रिटेन तक अधिकांश यूरोपीय देशों ने भारत में धन की लालसा में ईस्ट इंडिया कंपनियां स्थापित कीं। धन की लिप्सा ने सज्जन व्यापारियों को दुष्ट उत्पीड़कों में बदल दिया, जिन्हें भारत में लूट-खसोट के लिए अपने-अपने देश की सरकारों से समर्थन मिला। आखिरकार उनकी राष्ट्रीय सेनाओं ने टुकड़ों में बंटी भारतीय रियासतों को परास्त कर दिया। उनकी 'बांटो और राज करो' वाली नीति और बारूद का इस्तेमाल इसमें मददगार रहे। कभी व्यापारी के रूप में आए विजेता बन बैठे और उपमहाद्वीप को अपने कब्जे में लेने के लिए एकजुट हो गए। स्वतंत्रता के लिए करीब एक सदी तक चले संघर्ष के बाद विदेशी हमारा देश तो छोड़ गए, लेकिन उन्होंने एक ऐसा भारत छोड़ा जो आर्थिक रूप से बदहाल हो चुका था, जहां गरीबी और विषमता का बोलबाला था और उद्योग-धंधे चौपट हो चुके थे।

अवधेश राजपूत

प्रखर देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों ने गरीबी और आर्थिक विषमता मिटाने के संकल्प के साथ देश की बागडोर संभाली। उनमें से कई सेनानी ऐसे थे, जिन्होंने आजादी की लड़ाई के लिए अपनी आकर्षक पेशेवर जिंदगी और वैभव संपन्न जीवन शैली को भी त्याग दिया। अपने 74 वर्ष की राजनीतिक स्वतंत्रता के इतिहास में भारत कई राजनीतिक एवं आर्थिक घटनाक्रमों का गवाह बना। इसमें तेज जीडीपी, प्रति व्यक्ति वृद्धि, गरीबी उन्मूलन और सियासी कामयाबियों का दौर भी रहा। इसके बावजूद भारत अभी भी परिणामोन्मुखी राष्ट्र के रूप में पहचान बनाने से दूर है। जब भी हमें कोई चुनौती मिलती है तो शक्तिशाली देशों का समर्थन लेने के लिए हमारी कूटनीतिक कवायदें यकायक तेज हो जाती हैं।

हाल के दौर में मीडिया के कुछ हलकों में 30 साल पहले लाइसेंस-परमिट राज की समाप्ति और आर्थिक सुधारों की शुरुआत से संबंधित विमर्श को धार दी गई। हालांकि इनमें से कुछ बाधाओं की कभी पूरी तरह विदाई नहीं हुई। नीति नियोजन से जुड़े कुछ लोगों ने इस दौरान यह भी स्मरण किया कि आखिर किन मोर्चों पर अवसर गंवा दिए गए। दिलचस्प यह है कि जिस दौर को उन्होंने अवसर गंवाने वाला बताया, उसी दौरान उनमें से कुछ लोग नीति निर्माण के क्षेत्र में सक्रिय भी रहे। उन्होंने ढांचागत सुधारों और देश की आर्थिक वृद्धि में निरंतर बढ़ोतरी की दिशा में कोई मदद नहीं की। असल में राजनीतिक साहस का अभाव इसकी बड़ी वजह रही कि पता नहीं मतदाता इन सुधारों से होने वाली मुश्किलों को लेकर क्या प्रतिक्रिया देंगे? इसके बजाय अपनी सरकारों की मियाद बढ़ाने के लिए चुनावी खैरात बांटने की होड़ लग गई। इससे अर्थव्यवस्था को ही नुकसान होता गया।

चीन सहित अधिकांश शक्तिशाली देशों ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाकर, गरीबी को हटाकर और बेहतरी के व्यापक पहलुओं को स्थापित करके ही प्रतिष्ठा पाई और शक्तिशाली देशों में अपनी जगह बनाई। भारत अब और इंतजार नहीं कर सकता। भूमि, श्रम और पूंजी जैसे संसाधनों का प्राथमिकता के आधार पर निर्धारण और उत्पादकता में वृद्धि से ही ऊंचा आर्थिक विकास सुनिश्चित होता है। हमारे पास पूंजी की आपूर्ति तंग है। तकनीक में भी यही स्थिति है। ऐसे में ढांचागत सुधार अनिवार्य हो गए हैं ताकि संसाधनों की गुणात्मक वृद्धि कर लाभ उठाया जा सके। लोकतंत्र में यह दोनों पक्षों के समर्थन की मांग करता है। अफसोस की बात है कि भारत में किसी आपदा या युद्ध से इतर किसी स्थिति में ऐसा समर्थन संभव नहीं दिखता। राजनीतिक लाभ विवेक पर हावी हो रहा है। वे सभी अर्थव्यवस्था विशेषकर पूर्वी एशियाई, जिन्होंने विगत 50 वर्षों के दौरान चमत्कार करके दिखाया है, उनमें ढांचागत सुधारों की अवधि के दौरान अगर तानाशाही नहीं तो कम से कम अधिनायकवादी शासन अवश्य था। उनमें से कुछ देशों में तो अभी तक यही व्यवस्था कायम है।

मैं लोकतंत्र के अतिरिक्त किसी अन्य शासन पद्धति की पैरवी नहीं करता। वास्तविक लोकतंत्र विवेक की मांग करता है, जिसमें सभी वर्ग के नेताओं को संकीर्ण राजनीतिक हितों का परित्याग करना पड़ता है। उसे घपलेबाजों पर विराम लगाना होता है। ऐसे में विरोध पर अड़े राजनीतिक वर्ग को मौजूदा सरकार का समर्थन करने का जज्बा दिखाना चाहिए, जो मतदाताओं के कोप की परवाह न करते हुए सुधारों की राह में अपनी राजनीतिक पूंजी निवेश करने का साहस दिखा रही है। चलिए ऐसे भारत के निर्माण में जुटते हैं, जिस पर हम सभी हमेशा के लिए गर्व कर सकें।

(लेखक सेबी और एलआइसी के पूर्व चेयरमैन हैं)

response@jagran.com

संकट समाधान का हिस्सा बने विपक्ष

मुख्तार अब्बास नकवी

> पहले विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग कर रहा था, लेकिन अब दोनों सदनों का कामकाज ठप किए बैठा है

विपक्ष एक बार फिर देश को निराश कर रहा है। पिछले छह महीने से संसद का सत्र बुलाने और कोरोना संकट सहित तमाम विषयों पर विस्तृत चर्चा की रट लगाने के बाद जब संसद का सत्र वास्तव में चल रहा है तो विपक्ष ने एक दिन भी कार्यवाही में शामिल होने की दिलचस्पी नहीं दिखाई। यही नहीं, विपक्षी नेताओं ने यह साफ कर दिया है कि उनकी ओर से यह पूरा सत्र वाशआउट यानी धुल चुका है। ऐसी गैर जिम्मेदाराना राजनीति में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस सबसे आगे है। मई की शुरुआत में लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति से मांग की थी कि फौरन संसद का विशेष सत्र आहूत करें। तब कांग्रेस नेता ने कहा था कि सत्र बेहद आवश्यक है, क्योंकि सभी राज्यों से आने वाले तमाम सांसद अपने-अपने क्षेत्र में कोरोना संकट को लेकर उत्पन्न स्थिति के बारे में कुछ न कुछ कहना चाहते हैं। वे लोगों को कोरोना संकट से निजात दिलाने के लिए समाधान चाहते हैं। कांग्रेस के 'नए मित्र' शिवसेना के सांसद संजय राउत ने भी विशेष सत्र की मांग दोहराई थी। जब सरकार की ओर से यह आग्रह किया गया कि पूरा सरकारी तंत्र कोरोना की दूसरी लहर को काबू करने में जुटा है और संसद सत्र में लोगों का जुटना खतरे से खाली नहीं तो विपक्ष ने कई दिनों तक इस पर तीखी बयानबाजी की थी।

सत्र का आगाज हुए दो सप्ताह से ज्यादा का समय हो चुका है। जो विपक्ष कोरोना की दूसरी लहर में अप्रत्याशित संकटों के बीच सत्र के लिए राष्ट्रपति से गुहार लगा रहा था उसने अब तक एक दिन भी कामकाज चलने नहीं दिया है। सत्र के पहले दिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में विपक्षी दलों के नेताओं को कोरोना के खिलाफ चल रही लड़ाई, सरकार के उपायों और भविष्य की तैयारियों का ब्योरा देने के लिए एक विशेष बैठक का आमंत्रण दिया तो कांग्रेस सहित कुछ और दलों के नेताओं ने कहा कि जब सत्र शुरू हो गया है तो अलग से बैठक क्यों? जो कहना है सरकार को संसद के पटल पर ही कहना चाहिए। इससे ही साबित हो गया था कि विपक्ष संसद सत्र को लेकर कितना गंभीर है? जबकि कोरोना पर सर्वदलीय बैठक का सुझाव भी कांग्रेस की तरफ से ही आया था। यह गंभीरता तब काफूर हो गई, जब पहले सप्ताह में ही 'विद्वानों का सदन' कहे जाने वाले राज्यसभा में एक वरिष्ठ मंत्री के हाथ से छीनकर कागज फाड़े गए। लोकसभा में तो स्थिति यहां तक पहुंच गई कि विपक्षी सदस्य अध्यक्ष पर कागज के टुकड़े फेंकने लगे। गैलरी में बैठे पत्रकारों की ओर भी कागज फाड़कर उछाले गए। वे सदन की कार्यवाही का ब्योरा नोट करने वाले अधिकारियों को भी प्रताड़ित करने से नहीं चूके। इन तमाम नाटकीय स्थितियों के लिए विपक्ष कथित पेगासस जासूसी कांड का सहारा ले रहा है। इस विवाद पर सरकार के संबंधित मंत्री दोनों सदनों में बयान दे चुके हैं। मुमकिन है विपक्ष उनके बयान से संतुष्ट न हुआ हो। अगर ऐसा था तो सबसे उत्तम फोरम राज्यसभा है, जहां नियमों के मुताबिक किसी भी मंत्री के बयान पर स्पष्टीकरण पूछने का प्रविधान है, लेकिन वहां तो विपक्ष का फोकस मंत्री के बयान को हंगामे में दबाने और फिर उनके हाथ से कागज छीनने में था।

संसद में अड़ियल रवैये पर अड़ा विपक्ष। फाइल

विपक्ष के अब तक रवैये से कुछ अहम सवाल खड़े होते हैं। क्या कोरोना पर संसद का आपात सत्र बुलाना सिर्फ सरकार का ध्यान भटकाने का पैंतरा था? अगर मंशा चर्चा की थी तो विपक्ष चर्चा के अलावा बाकी सब कुछ क्यों कर रहा है? क्या विपक्ष केरल और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते देख बहस के उलटा पड़ने की आशंका से यू-टर्न ले रहा है या विपक्ष को डर है कि विस्तृत चर्चा हुई तो उसके मुख्यमंत्रियों की कलई खुल जाएगी? कहीं ऐसा तो नहीं कि मोदी सरकार के खिलाफ विपक्षी एकता का दम भर रहे नेता डर रहे हैं कि बिंदुवार चर्चा से यह कथित एकता तार-तार हो जाएगी? हालांकि विपक्ष की एकता का दावा कितना खोखला है, यह आए दिन उजागर हो रहा है। जब कांग्रेस बैठक बुलाती है तो तृणमूल के सांसद गायब रहते हैं और जब तृणमूल नेता क्षेत्रीय दलों से मिलते हैं तो कांग्रेस कन्नी काट लेती है।

वास्तविकता यह है कि कोरोना के संकट काल में संकट के समाधान का हिस्सा बनने के बजाय कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दल सियासी व्यवधान का किस्सा गढ़ रहे हैं। वे एकजुट होकर इस महामारी से लड़ने के बजाय सरकार का काम बाधित कर रहे हैं। भयंकर बीमारी के बीच विशेष सत्र बुलाने का शिगूफा छेड़ने वाले अब संसद को एक ऐसे हवा-हवाई मुद्दे पर ठप किए बैठे हैं, जिस पर आम भारतीयों का न तो कोई ध्यान है और न ही दिलचस्पी। इससे पहले भी जनता के मूड को समझे बगैर इधर-उधर के मुद्दों पर बवाल करने की कीमत विपक्ष चुका चुका है। इस बार भी उसका यही हश्र होगा।

सरकार बार-बार यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह दोनों सदनों के नियमों, प्रविधानों तथा चेयरमैन एवं स्पीकर के दिशा-निर्देशों के तहत कोरोना महामारी, किसान, महंगाई और बाढ़ आदि तमाम ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा को तैयार है। कथित पेगासस जासूसी मामले पर भी सरकार ने बिना समय गंवाए संसद में बयान दे दिया, लेकिन कांग्रेस विपक्ष का 'स्वयंभू चौधरी' बनने की चतुराई में लगी है। कांग्रेस अपनी नकारात्मक सोच को संपूर्ण विपक्ष का फैसला बताकर उन विपक्षी दलों की सकारात्मक सोच को भी बंधक बनाना चाहती है, जो सदन में चर्चा और कार्य करने के पक्ष में हैं।

(लेखक केंद्रीय मंत्री हैं)

response@jagran.com

अहंकार और संस्कार

अहंकार स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ मानने के कारण उत्पन्न हुआ एक व्यवहार है। यह एक ऐसा मनोविकार है जिसमें मनुष्य को न तो अपनी त्रुटियां दिखाई देती हैं और न ही दूसरों की अच्छी बातें। शांति का शत्रु है अहंकार। जब अहंकार बलवान हो जाता है तब वह मनुष्य की चेतना को अंधेरे की परत की तरह घेरने लगता है। भगवान कृष्ण ने गीता में अहंकार को आसुरी प्रवृत्ति माना है, जो मनुष्य को निकृष्ट एवं पाप कर्म करने की ओर अग्रसर करता है। जिस प्रकार नींबू की एक बूंद हजारों लीटर दूध को बर्बाद कर देती है उसी प्रकार मनुष्य का अहंकार अच्छे से अच्छे संबंधों को भी बर्बाद कर देता है। हमारे मनीषियों ने अहंकार को मनुष्य के जीवन में उन्नति की सबसे बड़ी बाधा माना है। अहंकारी मनुष्य परिवार और समाज को अधोगति की ओर ले जाता है।

इसके विपरीत संस्कार मनुष्य को पुनीत बनाने की प्रक्रिया है। श्रेष्ठ संस्कार हमें मन, वचन, कर्म से पवित्रता की ओर ले जाते हैं। ये हमारे मानसिक धरातल को दिव्य प्रवृत्तियों से अलंकृत करते हैं। इससे मनुष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व में उत्कृष्टता आती है। श्रेष्ठ संस्कारों से ही मनुष्य परिवार और समाज में यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करता है। हमारे शास्त्रों में श्रेष्ठ संस्कारों को मनुष्य की सर्वोपरि धरोहर कहा गया है। इस धरोहर को सहेजना आवश्यक होता है।

अहंकार मनुष्य की मानसिक एकाग्रता एवं संतुलन को भंग कर देता है। अहंकारी व्यक्ति सदैव अशांत ही रहता है। वहीं संस्कार हमारे अंतःकरण को दिव्य गुणों से विभूषित करते हैं। संस्कार हमें ईश्वरीय मार्ग की ओर अग्रसर करते हैं। रावण, कंस, सिकंदर इन सबके अहंकार की परिणति दयनीय मृत्यु के रूप में हुई। संस्कार हमारी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति का आधार स्तंभ हैं। ये मनुष्य को सदा ही पुण्य कर्मों की ओर प्रवृत्त करते हैं। हमारी स्वर्णिम वैदिक संस्कृति श्रेष्ठ संस्कारों पर ही अवलंबित है।

दीप चंद भारद्वाज 'आचार्य'

डिग्री के साथ-साथ स्किल भी जरूरी

रंजना मिश्रा

> स्किल यानी कौशल के अभाव में युवाओं का आगे का रास्ता कठिन होता है, चाहे उनके पास किसी भी कालेज की डिग्री क्यों न हो

पोस्ट ग्रेजुएशन करके भी बेरोजगार रहने वाले युवाओं की संख्या हमारे देश में सबसे अधिक है। इस समस्या का हल है स्किल डेवलपमेंट यानी कौशल विकास। छात्रों को चाहिए कि वे अपने कौशल विकास पर काम करें। डिग्री होने पर भी स्किल यानी कौशल के अभाव में उनका आगे का रास्ता बहुत कठिन होता है, चाहे किसी भी कालेज की डिग्री क्यों न हो। वर्ष 2019 की इंडिया स्किल्स की रिपोर्ट के अनुसार देश के ग्रेजुएशन करने वाले 53 प्रतिशत युवा इस लायक ही नहीं हैं कि उन्हें कोई रोजगार दिया जा सके, क्योंकि उनके पास डिग्री तो है, लेकिन स्किल नहीं है। स्किल किसी कार्य को ठीक से करने की क्षमता को कहते हैं। भारत के सुपर पावर बनने के लिए युवाओं में इस क्षमता का होना जरूरी है।

कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 कौशल विकास योजनाओं की शुरुआत की थी। तब उन्होंने कहा था कि युवाओं का कौशल ही भारत को आत्मनिर्भर बना सकता है। वर्ष 2030 तक भारत के 65 प्रतिशत यानी 100 करोड़ युवा नौकरी करने की उम्र में पहुंच जाएंगे यानी उन्हें नौकरी चाहिए होगी। अब सवाल यह है कि क्या सरकारी या प्राइवेट सेक्टर के पास इतनी नौकरियां हैं? इसका जवाब है नहीं। न तो सरकार के पास और न ही प्राइवेट सेक्टर के पास इतनी नौकरियां हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि युवा जनसंख्या का फायदा उठाने का भारत के पास यह आखिरी मौका होगा। इसलिए स्किल डेवलपमेंट की शुरुआत स्कूलों से करनी होगी। इसके लिए बहुत कम उम्र में ही बच्चों की प्रतिभा पहचाननी होगी, लेकिन स्कूलों में पढ़ाई के नाम पर बच्चों को सिर्फ आंकड़े और जानकारियां दी जाती हैं, जिन्हें रटकर परीक्षा में उत्तर पुस्तिका पर लिखना होता है। उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए आज भी हमारे स्कूलों और कालेजों में कुछ खास नहीं किया जाता। जबकि सच यह है कि भारत में इस समय 90 प्रतिशत नौकरियां ऐसी हैं, जिनके लिए किसी न किसी प्रकार के विशेष कौशल की जरूरत पड़ती है। परिणामस्वरूप ज्यादातर लोगों को नौकरियां मिल ही नहीं पातीं।

वर्ल्ड इकोनामिक फोरम के मुताबिक आने वाले समय में पूरी दुनिया में 100 करोड़ नौकरियां अकेले टेक्नोलाजी पर ही आधारित होंगी। इसलिए नई-नई टेक्नोलाजी की जानकारियां जुटाना और उनमें महारत हासिल करना भारत के युवाओं के लिए बहुत जरूरी है। आज जरूरी है कि डिग्री हासिल करने के साथ-साथ छात्र कोई कौशल भी सीखें। भारत की नई शिक्षा नीति भी इसमें बहुत सहायक है। इसके मुताबिक कोई भी छात्र किसी भी वर्ष में कालेज की पढ़ाई को छोड़कर कोई नया स्किल सीख सकता है और फिर वापस आकर कालेज ज्वाइन कर सकता है। अतः अब इस नए समय में नए भारत के निर्माण के लिए छात्रों को डिग्रियों के साथ-साथ अपने कौशल विकास पर भी भरपूर ध्यान देना होगा।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

युद्धरत तालिबान को रोकना जरूरी

संजय गुप्त ने अपने लेख 'फिर खतरा बनता अफगानिस्तान' में मुसीबत बनते तालिबान के संदर्भ में यह ठीक ही कहा है कि अफगानिस्तान में युद्धरत तालिबान यदि अपने मकसद में कामयाब हो गया तो वह न केवल भारत के लिए, अपितु मध्य एशिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों के लिए भी मुसीबत बन जाएगा। निःसंदेह अफगानी सेना को चुनौती दे रहे तालिबान को सामरिक ताकत देने वाला पाकिस्तान ही है, लेकिन क्या अफगानिस्तान में फिर से सिर उठाने वाले तालिबान के लिए अमेरिका जिम्मेदार नहीं है? यदि अमेरिका ने अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक सत्ता को स्थापित करने के लिए अपनी सेना को उसकी जमीन पर उतारा था तो फिर अफगानिस्तान को पूर्ण सुरक्षित करने के बाद ही उसे वहां से हटना चाहिए था। इस संदर्भ में यदि वह अफगानिस्तान के ढांचागत विकास में भरपूर मदद करने वाले भारत से सलाह-मशविरा कर लेता तो ठीक रहता। हालांकि अमेरिका यह नहीं चाहता है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे हिंसक आतंकी संगठनों का समर्थक तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर पुनः काबिज होकर मध्य एशिया के लिए चुनौती बने। शायद इसीलिए उसने युद्धरत तालिबानी आतंकवादियों पर ड्रोन हवाई हमले शुरू कर दिए हैं, लेकिन इन छिटपुट हवाई हमलों से तालिबान रुकने वाला नहीं है। उसके मकसद की कामयाबी में अमेरिका और अधिक दखलंदाजी न करे इसके लिए तालिबानी आतंकवादी शराफत का मुखौटा लगाकर चीन के विदेश मंत्री से भी मिल आए हैं। तालिबान को चीन में मिले सम्मान से उत्साहित पाकिस्तान ने भी पैंतरा बदलते हुए तालिबानी आतंकवादियों को अपने अधिकार के लिए लड़ रहे सामान्य नागरिक बताने में देर नहीं की। निर्दोष भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी की निर्मम हत्या करने वाले तालिबानी आतंकवादी यदि पाकिस्तान की दृष्टि में सुसभ्य नागरिक हैं तो फिर उसके लिए आतंकवाद की परिभाषा क्या है? यह समझ से परे है। बहरहाल अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्से पर काबिज हो चुके तालिबान को रोकने की जिम्मेदारी जितनी अमेरिका की है, उससे कहीं अधिक भारत की भी बनती है, क्योंकि यदि भारत ने ऐसा नहीं किया तो उसकी पश्चिमोत्तर सीमा पर तालिबान शासित अफगानिस्तान के रूप में एक नया दुश्मन देश पैदा हो जाएगा, जो पाकिस्तान के साथ मिलकर उसके लिए नई मुसीबतें खड़ी कर देगा।

डा. वीपी पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर, अलीगढ़

नजरिया बदलने की दरकार

संपादकीय पेज पर प्रकाशित आलेख महिलाओं को कमतर दिखाने की कोशिश में ऋतु सारस्वत ने एक ऐसे महत्वपूर्ण विषय को उठाया है जिस पर विमर्श करना आज के समय की जरूरत है। इसमें उन्होंने महिलाओं अथवा आधी आबादी को लेकर पुरुषों के मुकाबले कमतर मानने की सदियों से चली आ रही पुरुष सत्तात्मक सोच पर कुठाराघात किया है ताकि महिलाओं और पुरुषों के मध्य खिंची लैंगिक असमानता की रेखा को कमजोर किया जा सके। कोविड 19 के दुष्प्रभावों के कारण लैंगिक विभाजन के चलते कामकाजी महिलाओं ने केवल एक महिला होने के नाते अपना कामकाज को खोया है। आनलाइन पेशेवर नेटवर्क लिंक्डइन आपर्चुनिटी सर्वे 2021 की रिपोर्ट को देखें तो प्रत्येक 10 महिलाओं में से नौ महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले अपने कामकाज को खोया है। परिणामस्वरूप पढ़ी लिखी महिलाएं भी सड़कों पर आने को मजबूर हो गई हैं। बहरहाल यदि हम पिछले तीन दशकों का अध्ययन करें तो विभिन्न क्षेत्रों में श्रम उत्पादकता में महिलाओं का बढ़ता योगदान पुरुषों की बराबरी पर जा पहुंचा है। आज खेलों के मैदान से लेकर आसमान की उड़ान तक महिलाओं का धीरे धीरे ही सही, लेकिन पूर्ण मजबूती के साथ वर्चस्व स्थापित होता नजर आ रहा है। वर्तमान सरकार भी श्रम कानूनों में सुधारों संसाधनों के माध्यम से कामकाजी महिलाओं को पहले के मुकाबले ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं प्रदान करने के साथ ही अपनी अनेकों कल्याणकारी अथवा रोजगारपरक योजनाओं के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में जुटी है ताकि इस आधी आबादी को कोई कमतर, अबला अथवा कमजोर जैसे शब्दों से न नवाजे।

पवन कुमार मुरली, गुरुग्राम

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721

100 मिलीमीटर प्रति घंटा या फिर उससे भी अधिक तेजी से बारिश बेहद खतरनाक होती है। भारी नमी से लदी हवा जब रास्ते में पहाड़ियों से टकराती है, तब बादल फटने की घटना घटती है।

आजकल

देश में खेलों को नई दिशा दे रही बेटियां

महिला खिलाड़ी आज लगभग हर खेल में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। आज हमारी बेटियों ने हर प्रतिकूल आवाज को अपने हुनर से, अपनी प्रतिभा के दम पर खामोशी से जवाब दिया है। मुक्का भी जमाया है, वजन भी उठाया है, बैडमिंटन से डिस्कस थ्रो तक सब जगह पदक ही नहीं, सम्मान भी जीता है। टोक्यो में आयोजित ओलिंपिक में हमारी बेटियां किस तरह से अपने देश का नाम ऊंचा कर रही हैं, इसे अब बताने की जरूरत नहीं है। तमाम अभावों के बीच हमारी बेटियों का इस मुकाम तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है

मनु त्यागी
manu@nda.jagran.com

खेल की दुनिया के सबसे बड़े महाकुंभ में बेटियों ने स्वयं को ऐसे साबित कर दिखाया मानो वो अकेले अपने लिए नहीं, बल्कि देश के सम्मान के साथ-साथ, आधी आबादी के गौरव को भी शिखर तक पहुंचाना चाहती थीं। हर घर की प्रेरणा बनना चाहती थीं। उन्होंने सचमुच कर दिखाया। ओलिंपिक ने सात दशक पहले वो दौर भी देखा जब महज चार बेटियां कोरम पूरा करने भर को गईं और आज टोक्यो ओलिंपिक में उससे 14 गुना अधिक बेटियां शामिल हैं। यह लगातार दूसरा ओलिंपिक है जब खेलों के महाकुंभ में शिरकत कर रही देश की बेटियों की संख्या पुरुष खिलाड़ियों के लगभग बराबर है। देश की चार बेटियों ने पहली बार 1952 हेलेसिंकी ओलिंपिक में दो खेलों एथलेटिक्स और तैराकी में हिस्सा लिया था। तो इस बार टोक्यो में रिकार्ड 55 बेटियां रिकार्ड 15 खेलों में चुनौती पेश कर तिरंगे की शान बढ़ा रही हैं।

हाकी की छड़ी से तो हमारी बेटियों ने इतिहास ही रच दिया। मानो पूरे मैदान में तिरंगा लहरा रहा हो। देशवासियों को तो मैदान से जीत की हुंकार भरकर अहसास कराना पड़ा कि देखो बेटियों ने फतेह हासिल कर ली है। इतिहास जिस कहानी को तरस रहा था उसे रच दिया गया है। दरअसल कप्तान रानी रामपाल की अगुवाई में खेल रही भारत की बेटियों को चुनौती देने वाली जो आस्ट्रेलिया की टीम थी वो तीन बार की ओलिंपिक चैंपियन है। हाकी खेल में डटकर डिफेंस करना अभूतपूर्व है। यही तो टीम गेम है जिसने रानी और अपनी टीम के प्रति बनी हर आशंका को उन्होंने ध्वस्त कर दिया। यही तो वो मिसाल है जिसने माटी में पसीना बहाकर न केवल खुदको बनाया है, बल्कि करके भी दिखाया है। महिला हाकी टीम की खिलाड़ियों में तमाम ऐसी हैं, जो समाज की कुरीतियों को झेलकर, उनके तानों से लड़कर, अपनी गरीबी की धूल से माथे पर टीका करके घर से निकली हैं। इतना ही नहीं, इनके परिवार में तो इनके ओलिंपिक मैच का प्रसारण देखने को टीवी तक नहीं। ये सब इसलिए भी जानना जरूरी है, क्योंकि जिस संघर्ष के तप से ये बेटियां बनकर आज ओलिंपिक तक पहुंची हैं और आज जिस जीत को इन्होंने हासिल किया है, उसमें उनका संघर्ष झलकता है।

शाबाश सिंधू! वह इसलिए क्योंकि ये सब कुछ आसान नहीं था। जीत के शिखर को छूने वाली इन बेटियों का आज हर घर की बेटी के लिए प्रेरक बनना किसी चट्टान से कम नहीं है। बेटियों ने नाम किया, और वे ही देश के गौरव की गाथा को हर रंग के पदक में रंगने का माद्दा रखती हैं। इसकी गवाही वह टीस देती है, जिस वक्त पीवी सिंधू सेमीफाइनल में कांस्य जीतती हैं। यहां वे दो-दो इतिहास रच रही थीं। पहला बैडमिंटन खेल में देश के लिए दूसरा पदक लाने का और दूसरा पहली बार कोई महिला खिलाड़ी देश के लिए लगातार पदक लेकर आई।

अब शाबाशी चानू को! टोक्यो ओलिंपिक में भारत के लिए कोई उम्मीदें जगा रहा है तो वो बेटियां ही हैं। शुरुआत तुमने ही की। पूर्वोत्तर से ही की। कहना नहीं चाहिए, पर सच है और जुबां पर आता ही है कि पूर्वोत्तर की बेटियां जब उत्तर में आती हैं तो हम उन्हें वो सम्मान नहीं देते, जिसकी वो हकदार हैं। ओलिंपिक शुरू होते ही मणिपुर की चानू ने देश की चांदी कर दी। सभी ने सर आंखों पर बैठा लिया। मीराबाई सी लगन लगाकर पलभर में पदक लेकर उड़ आई अपने अंगना को। देश के लिए जो गौरव हासिल किया भला उसका कोई मोल अदा कर सकता है। उन्हें तो खुद से ही जिद थी, क्योंकि पहले चूक गई थीं। बात दिल को लग गई थी। यह सच है कि बेटियां जब कोई बात दिल से लगा लेती हैं तो उसे पूरा करके भी दिखाती हैं। वेटलिफ्टिंग में देश के लिए पहला रजत पदक लाकर स्वर्णिम इतिहास रचने वाली हो। कितनी ही बालिकाओं के लिए प्रेरक कहानी हो। चानू तुम नहीं जानती कि तुम क्या हो। तुम्हारी जीत हर मायने में बेमिसाल बन गई है। तुम्हारे आसपास भी तो सैकड़ों बेटियां होंगी, जो बोझ सिर्फ जिम्मेदारियों का ढोती होंगी। किताब, खेल और देश-दुनिया उनसे कोसों दूर होंगी। तुम उनका लक्ष्य बनोगी, उनकी साधना बनोगी, उनकी प्रेरणा बनोगी।

वैसे भी वेटलिफ्टिंग गांव, देहात, कस्बों में तो दूर की कौड़ी है। दिल्ली-एनसीआर, महाराष्ट्र और दक्षिणी राज्यों के समृद्ध शहरों में भी देख लें और अपने आसपास के जिम में नजरें दौड़ा लें तो वेटलिफ्टिंग अभी भी संकोच की बाधाओं से नहीं निकला है। बेटियां बोझ उठा सकती हैं, अतिरिक्त जिम्मेदारियों का, समाज की कुरीतियों का, लेकिन इस खेल में आज भी बहुत पिछड़ी हुई हैं बेटियां। इसलिए मीराबाई तुम्हारी इस लगन से और भी बेटियां इस खेल में जरूर मगन होंगी। वो भी समाज के बीच पड़ी संकोच की बेड़ियों को तोड़ और कुरीतियों का बोझ उठाने के बजाय वेटलिफ्टिंग के खेल में गौरव हासिल करेंगी।

मीराबाई चानू के बाद पूर्वोत्तर की ही लवलीना बोरगोहेन ने भी खुद से सोने से कम की उम्मीद नहीं की है। पदक तय है, भले जो भी आए, लेकिन लवलीना ने जैसे ही जीत हासिल की उनका यह कहना सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि देश के गौरव के लिए है। अपने संघर्ष की कहानी को बताने के लिए है। जिस 69 किलोग्राम भार वर्ग में लवलीना कड़ी टक्कर दे रही हैं, विश्व पटल पर देश का नाम रोशन कर रही हैं, उसमें उन्हें खेलने को अपने देश में ही मेहनत करने को अनुकूल व्यवस्था नहीं मिलती। लेकिन छोटे से घर में की गई कड़ी मेहनत रंग लाई है। और अब बात हर किसी को चौंका देने वाली कमलप्रीत कौर की जिन्होंने डिस्कस थ्रो में वह अभूतपूर्व कर दिखाया कि सब अचंभित रह गए। ये जीत बताती है कि बेटियां अब अपना सम्मान अपने बूते बनाना जानती हैं। जमीं से आसमां तक देश की सुरक्षा ही नहीं, देश के लिए खेलकर तिरंगा लहराकर मैदान फतेह करना भी जानती हैं। शाबाश, बेटियों तुमने सचमुच कर दिखाया।

टोक्यो ओलिंपिक में पदक जीत कर भारत का नाम ऊंचा करने वाली बेटियां- मीराबाई चानू (बाएं) और पीवी सिंधू। इंटरनेट मीडिया

खिलाड़ियों को मिले तकनीकी सहयोग

संजय श्रीवास्तव

ओलिंपिक में शामिल हमारे खिलाड़ी दर्जन भर से ज्यादा पदक लाने में सक्षम हैं, बशर्ते उन्हें सर्वोत्तम तकनीकी सहायता मिले। करीब दर्जन भर पदकों की उम्मीद के साथ हम टोक्यो गए। इस ओलिंपिक के खत्म होने बाद हम अपने सर्वाधिक छह पदकों के कीर्तिमान को तोड़कर वापस लौट रहे होंगे या नहीं, इस पर निर्णायक तौर पर कुछ कहना कयास होगा। सवा सौ साल के ओलिंपिक इतिहास में हमारा सफर ऐसा नहीं रहा जिस पर गर्व किया जा सके। हम आजाद भारत में कभी भी पदक तालिका में 20 से ऊपर नहीं जा पाए, शायद इस बार भी यह परंपरा न टूटे, तो जाहिर है खेलों के आखिर में इस बात पर विलाप होना तय है कि जन और धन में जब हम संसार के बहुतेरे देशों से बहुत आगे हैं तो पदकों के मामले में इतने पीछे क्यों?

यह हर चार साल बाद की एक रूदाली रस्म है। इसका सुर भी समान है, खेल की संस्कृति, सामाजिकता, सरकार की खेलनीति, खेल सुविधाओं की अपर्याप्तता, खेलों में राजनीति और क्रिकेट जैसे खेलों को बढ़ावा देने जैसे परंपरागत राग गाए जाएंगे। जिसका कोई असर अगले चार वर्षों में नहीं होगा। सच तो यह है कि सरकार ने नई खेल नीति में खेलों को बढ़ावा देने के लिए बजटीय प्रविधान बढ़ाए हैं और शिक्षा नीति में भी स्कूली स्तर पर खेलों को शामिल किया है। असल में इस सारी प्रक्रिया में हम एक पहलू को बिल्कुल नजरअंदाज कर देते हैं और वह है खेलों में तकनीक के व्यापक इस्तेमाल का पक्ष। जो हमारे पदकों की संख्या वृद्धि में सबसे बड़ी बाधा है। इस बार भी हम पदक चाहे जितने लाएं, हमारे खिलाड़ी यह साबित करने में कामयाब रहे कि वे पर्याप्त सामर्थ्यवान और कुशल हैं। कई दुर्भाग्यशाली रहे तो कुछ तकनीकी वजह से पदक चूके। इसके बावजूद उन्होंने संभावना जगाई कि अगर खामियों को खत्म किया जा सके तो पदकों की संख्या दहाई पार कर सकती है।

आजकल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और अभ्यास के दौरान उनकी खास तरह की रिकार्डिंग बताती है कि उनके मांसपेशियों को कितना बल और चाहिए व उनका डाइट प्लान कैसे बदला जाए, उनका ट्रेनिंग शिड्यूल कैसा रखा जाए, कितने समय में प्रदर्शन कितना सुधर सकता है। वीयरेबल टेक्नोलाजी, आग्युमेंटेड रियलिटी और थ्रीडी माडलिंग के जरिये खिलाड़ी की शारीरिक क्षमता को आंकते हुए प्रतिस्पर्धा के मुताबिक खिलाड़ी उसमें आपेक्षिक में बढ़ोतरी करता है और चोटों से बचा रहता है। साफ है कि खेल संसार में तकनीक उसके नियमों, आयोजनों सहित खेल के प्रदर्शन और परिणाम को भी प्रभावित कर रहा है। मशीनें और तकनीक मानवीय क्षमता को उसके उच्चतम बिंदु पर पहुंचने में सहायता कर रही हैं। पुराने कीर्तिमान ध्वस्त होने पर हम यह कह सकते हैं कि बेशक खिलाड़ी बेहतर होते जा रहे हैं, परंतु यह पूरा सच नहीं है, एक सच यह भी है कि उनके कीर्तिमान में एक हिस्सा तकनीक का भी है। हमने भी तकनीक को अपनाया तो है, लेकिन हमें उसे कम से कम उस स्तर तक ले जाना होगा जिसपर आज ब्रिटेन, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस और चीन आदि हैं। अगर सदिच्छा हो तो यह मुश्किल नहीं है, खुले बाजार के तहत सभी तरह की तकनीक और उससे संबद्ध तकनीकी विशेषज्ञ पैसे खर्चने पर उपलब्ध हैं।

हमें भी तमाम दूसरी खेल प्रविधियों के अलावा बायोमेकेनिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आभासी वास्तविकता, होलोग्राफिक्स, नैनोटेक, रोबोटिक्स, बिग डाटा, डाटा कलेक्शन, डाटा एनालिसिस, क्लाउड कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम तथा थ्रीडी माडलिंग इत्यादि का अधिकाधिक इस्तेमाल करना होगा। आजकल कंपनियां खेल और खिलाड़ियों के लिए खास तकनीकी कार्यक्रम और उनके लक्ष्य के अनुरूप प्रयुक्त होने वाली तकनीक और उपकरण तैयार कर रही हैं। सरकार इनकी दीर्घकालिक सेवा ले सकती है। यदि हम ऐसा करने में कामयाब हुए तो आगामी ओलिंपिक खेलों में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। (ईआरसी)

खरी-खरी

आखिर पुल क्यों टूटा?

श्रवण कुमार उर्मलिया

भारी बरसात के कारण फिर एक पुल टूटा था। उसके साथ-साथ पुल बनाने वाले ठेकेदार पर टिका विश्वास भी टूटा था। और चूंकि ठेकेदार एक बड़े मंत्री का रिश्तेदार था, इसलिए लोकतंत्र का विश्वास भी टूट गया था।

भारी बारिश से हो रही तबाही से विपक्ष बहुत उत्साहित था और पूरी उम्मीद से था, लेकिन प्रतीक्षा खिंचती ही जा रही थी। किंतु पुल के टूटते ही आरोपों और उनके खंडन का सिलसिला चल पड़ा।

विपक्ष ने आरोप मढ़ा, पुल के निर्माण में बहुत भ्रष्टाचार हुआ है। प्रश्न कितना मूर्खता भरा था? अरे भाई, बिना भ्रष्टाचार के भी कभी कोई पुल बनते देखा है भला?

सत्ता पक्ष ने जवाब दिया, भ्रष्टाचारियों को हर जगह भ्रष्टाचार ही दिखता है। भ्रष्टाचार होता तो पुल उद्घाटन के दिन ही गिर गया होता। इससे साबित होता है कि पुल के निर्माण में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ।

विपक्ष ने कहा, लगता है मंत्री जी अपने उस रिश्तेदार को बचाना चाहते हैं जिसने पुल का निर्माण किया है।

फिर वही बेवकूफी भरा सवाल! एक रिश्तेदार दूसरे को नहीं बचाएगा तो भाई-भतीजावाद संहिता का अपमान नहीं होगा? विपक्ष संतुष्ट होने का नाम नहीं ले रहा था। अंततः मंत्री को जांच कमीशन बैठाना पड़ा।

बाढ़ उतरी तो घटनास्थल का जमीनी दौरा किया गया। मामला थोड़ा उलझ गया था। पुल परियोजना से जुड़ी फाइलें खंगाली गईं, पुल निर्माण से जुड़े अधिकारियों से बात की गई। निर्माण में सही और वांछित मात्रा में मटेरियल का इस्तेमाल हुआ है या नहीं, उसकी छानबीन की गई। कई अधिकारियों ने बताया, दुर्घटना के लिए पुल दोषी नहीं है। वह तो बेचारा निरीह, निर्दोष था। असली दोषी तो हैं बारिश और बाढ़। इसमें पुल बेचारे का क्या दोष?

जांच के बाद कमीशन ने रिपोर्ट दी- पुल निर्माण में कोई लापरवाही नहीं हुई। उसे तो भयानक बाढ़ ने निगल लिया। रिपोर्ट से असंतुष्ट विपक्ष कोर्ट गया। पांच साल सुनवाई चली। छठे साल कोर्ट ने भी जांच कमेटी बनाई। उसे भी दो साल हो गए हैं। सुनवाई जारी है। जारी रहेगी। पुल टूटा है, टूटते रहेंगे। सब चुप हैं, चुप ही रहेंगे।

ट्वीट-ट्वीट

पेगासस मामले की जांच को लेकर नीतीश कुमार ने विपक्ष के सुर में सुर मिलाया। उनकी इस मांग पर वसीम बरेलवी की लाइनें याद आ गईं- उसी को जीने का हक है, जो इस जमाने में इधर का लगता रहे और उधर का हो जाए।
रोमाना इस्सार खान@romanaisarkhan

भारतीय महिला हाकी टीम ने क्वार्टर फाइनल में आस्ट्रेलिया को जिस प्रकार हराया वह ओलिंपिक हाकी इतिहास में प्रतियोगिता के इस स्तर पर हुआ अभी तक का शायद सबसे बड़ा उलटफेर है। हमें अपनी खिलाड़ियों पर गर्व है।
वीरेन रसकिन्हा@virenrasquinha

भारत को अभी तक मिले सभी पदक महिला खिलाड़ियों की ओर से ही प्राप्त हुए हैं और महिला हाकी टीम की जीत इसमें सोने पर सुहागा साबित हुई। यह बहुत ही गर्व की बात है।
सज्जन जिंदल@sajjanjindal

भुवनेश्वर शत-प्रतिशत कोविड टीकाकरण वाला देश का पहला शहर बन गया। पुरी देश का पहला शहर है जहां चौबीस घंटे नलके से पेयजल उपलब्ध है। ओडिशा के लोगों और नवीन पटनायक को इन उपलब्धियों के लिए बधाई और भारतीय पुरुष एवं महिला हाकी टीम के प्रायोजन के लिए भी, जो टीमें ओलिंपिक सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।
अमिताभ कांत@amitabhk87

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या पुलिस सुधार किए बिना पुलिस की छवि में सकारात्मक परिवर्तन आना मुश्किल है?

सभी आकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या कोरोना संक्रमण के बीच स्कूलों का खुलना सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

बेटी 'चक दे इंडिया' मिले विजय का स्वाद,
वर्षों से सूखा पड़ा हो हॉकी आबाद।
हो हॉकी आबाद सभी जन गण मन गाएं,
आगे जीतो स्वर्ण यही सब लोग मनाएं।
सुन बेटी का जन्म समझते थे हम हेठी,
देखो झंडे गाड़ रहीं भारत की बेटी!
- ओमप्रकाश तिवारी

खतरनाक बन रही हैं बादल फटने की घटनाएं

ज्ञानेंद्र रावत
पर्यावरण मामलों के जानकार

बादल फटने की घटनाएं पहले कभी-कभार हुआ करतीं थीं। लेकिन बीते बरसों में खासकर 2015 से देश में बादल फटने की घटनाएं आम होती जा रही हैं या यूं कहें कि इनमें आए दिन बढ़ोतरी हो रही है। इस संबंध में सबसे दुखदाई और चिंता की बात यह है कि आज तक इन पर कोई अंकुश नहीं लग सका है।

इनमें जान-माल का नुकसान तो होता ही है, करोड़ों की संपत्ति भी स्वाहा होती है। पशुधन की हानि होती है, गांव के गांव और घर मटियामेट हो जाते हैं, संचार व्यवस्था भंग हो जाती है, पुल टूट जाते हैं, रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं, परिणामस्वरूप यात्री अधर में फंसे रह जाते हैं। बिजली-पानी का संकट गहरा जाता है और स्थानीय लोग कई-कई दिनों तक भूखे-प्यासे राहत पहुंचने की बाट जोहते रहते हैं। अक्सर बादल फटने की घटनाओं से देश के उत्तरी राज्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर को दो-चार होना पड़ता है। ऐसा लगता है यह इन राज्यों की नियति बन चुकी है।

बीते दिनों हिमाचल प्रदेश के लाहुल स्पीति में तोजिंग नाले के पास, किन्नौर में वीरधम पंचायत और कुल्लू में मणिकर्ण के ब्रह्मगंगा नाला की पहाड़ी पर बादल फटने से आई बाढ़ में 16 लोग बह गए, जिनमें से सात के शव बरामद हुए हैं, जबकि सात लापता हैं। अच्छी बात यह रही कि दो को बचा लिया गया। इसके अलावा, मनाली-लेह मार्ग बंद हो जाने से सैकड़ों पर्यटक फंस गए हैं। राज्य भर में करीब 387 सड़कें बंद हो गई हैं, जिससे राज्य को करीब 500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। प्राकृतिक आपदाओं का पहाड़ों के साथ चोली-दामन का रिश्ता है। मध्य हिमालय का यह भूभाग दुनिया की नवविकसित पहाड़ियों में गिना जाता है। ऐसे में भूस्खलन और बादल फटने

सीमित भौगोलिक दायरे में सौ मिमी प्रति घंटा से अधिक बारिश होना ही बादल फटना कहा जाता है। फाइल

की घटनाएं यहां आम हैं। कोई साल ही ऐसा रहा हो जब इस पर्वतीय क्षेत्र में मानसून के मौसम में इस तरह के हादसे न हुए हों। वर्ष 2015 के जून-जुलाई महीनों में पहाड़ों पर कम से कम दर्जन भर बादल फटने की घटनाएं हुईं। इनमें लगातार जनधन की हानि हुई। इस तरह की घटनाएं अक्सर उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में ही ज्यादा होती हैं। ऐसे हादसों में लगातार हो रही बारिश और बादल फटने से पानी का उफान इतना तेज होता है कि वह कच्चे-पक्के रास्तों तक को अपने साथ बहा ले जाता है। इससे राहतकर्मी और जवानों को कुछ किलोमीटर की दूरी तय कर घटनास्थल तक पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और समय भी काफी लगता है। इससे राहत कार्य में देरी भी होती है। अक्सर होता यह है कि राहतकर्मियों और बचावदल के सदस्यों व सेना के जवानों के पहुंचने से पहले भारी बारिश और मलबा गिरने के बावजूद स्थानीय लोग ही राहत कार्य में अहम भूमिका निभाते हैं।

बादल फटने को अंग्रेजी में क्लाउडब्रस्ट कहते हैं। वातावरण में दबाव जब कम होता है और एक छोटे दायरे में अचानक भारी मात्रा में बारिश होती है, तब बादल फटने की घटना होती है। ऐसा तब होता है जब बादल आपस में या किसी पहाड़ी से टकराते हैं। तब अचानक भारी मात्रा में पानी बरसने लगता है। इसमें 100 मिलीमीटर प्रति घंटा या फिर उससे भी अधिक तेजी से बारिश होती है। भारी नमी से लदी हवा जब-जब अपने रास्ते में पड़ने वाली पहाड़ियों से टकराती है, तब बादल फटने की घटना होती है। ढाई हजार से चार हजार मीटर की ऊंचाई पर आमतौर पर बादल फटने की घटना होती है। बादल फटने के दौरान आमतौर पर बिजली चमकने, गरज और तेज आंधी के साथ भारी बारिश होती है। एक साथ भारी मात्रा में पानी गिरने से धरती उसे सोख नहीं पाती और बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। बादल फटने पर चारों तरफ भारी तबाही मच जाती है। बीच में यदि हवा बंद हो जाए तो बारिश का समूचा पानी एक छोटे से इलाके में जमा होकर फैलने लगता है। उस स्थिति में वह अपने साथ रास्ते में मलबा आदि जो भी आता है, उसे बहा ले जाता है। यह कटु सत्य है कि आज देश की 6.88 फीसद आबादी पर प्राकृतिक आपदा का खतरा मंडरा रहा है। जलवायु परिवर्तन की इसमें अहम भूमिका है। बादल फटने की घटनाओं को भी विज्ञानी जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देख रहे हैं। जबकि उत्तराखंड और हिमाचल जैसे पर्वतीय संवेदनशील राज्यों में अंधाधुंध विकास की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। इसलिए अब भी समय है कि हमारे नीति नियंता इन संवेदनशील पहाड़ी राज्यों में अंधाधुंध विकास पर अंकुश लगाने की सोचें।

मंथन

अनिवार्य रक्षा सेवा विधेयक

पूर्व में अध्यादेश के रूप में लागू किया गया अनिवार्य रक्षा सेवा विधेयक देश की समग्र रक्षा चुनौतियों के हिसाब से तैयार किया गया है जिसका फायदा देश को मिलना तय है

गौरव कुमार
लोक नीति विश्लेषक

देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की पहल के साथ ही सरकार रक्षा क्षेत्र को आधुनिक और उन्नत तकनीकों के साथ रक्षा उत्पादन की व्यवस्था को भी सशक्त करना चाहती है। लोकसभा में पेश होने वाला अनिवार्य रक्षा सेवा विधेयक इसी सशक्त भारत की जरूरत को रेखांकित करता है। हालांकि बीते दिनों संसद में विपक्ष के हंगामे के बीच पेश इस विधेयक की आवश्यकता को काफी पहले से रेखांकित किया जा रहा है।

इस विधेयक की जरूरत को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा सेवाओं के अनुरक्षण और सशक्त रक्षा उत्पादनों को सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है। इसमें अनिवार्य रक्षा सेवाओं को बनाए रखने और अधिकांश जन जीवन और संपत्ति को सुरक्षित रखने व उससे संबंधित विषयों को शामिल किया गया है।

वास्तव में, वर्तमान केंद्र सरकार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता में है। राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र में महत्वपूर्ण सुधार, सामरिक नीति समूह का गठन, रक्षा अधिग्रहण सहित तमाम मुद्दों पर सरकार ने महत्वपूर्ण पहल को अंजाम दिया है। सरकार देश को रक्षा क्षेत्र में केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बनाना चाहती है, बल्कि उसका ध्येय देश को रक्षा उत्पादों के निर्यातक के रूप में भी प्रतिष्ठित करना है। केंद्र सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का नया नारा दिया था। इसके साथ ही सरकार निर्यातक के रूप में भी स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। आज रक्षा क्षेत्र में हम अपनी तैयारी वैश्विक स्तर पर निर्धारित कर चुके हैं। वैश्विक जरूरतों को भी ध्यान में रखते हुए हम अपनी नीतियों को समय समय पर परिष्कृत भी कर रहे हैं।

इसी सशक्त भारत की दिशा में अनिवार्य रक्षा सेवा विधेयक एक ऐसा कदम है जिसका महत्व देश की सुरक्षा से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। वैसे यह विधेयक इस वर्ष 30 जून को लागू अध्यादेश का ही रूपांतरण है जिसे विधेयक के रूप में प्रस्तावित किया गया है। चूंकि सरकार द्वारा आयुध कारखाना बोर्ड के कर्मचारियों की सेवा शर्तों का ध्यान रखने का आश्वासन दिए जाने के बावजूद कर्मचारियों के संघ ने 26 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निश्चय किया था, लिहाजा संसद का सत्र नहीं होने के कारण देश की तात्कालिक आवश्यकता को देखते हुए अध्यादेश लागू किया गया।

ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि ऐसे अध्यादेश या विधेयक की आवश्यकता क्यों पड़ी? रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अंतर्गत आयुध कारखाने काम करते हैं जो रक्षा हार्डवेयर और उपस्कर के स्वदेशी उत्पादक हैं। इनका मुख्य उद्देश्य सशस्त्र बलों को आधुनिक युद्ध संबंधी उपस्करों से सुसज्जित करने में आत्मनिर्भरता प्रदान करना है। सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसले के तहत आयुध आपूर्तियों में स्वायत्तता, जवाबदेही और दक्षता में सुधार के लिए आयुध कारखाना बोर्ड को एक या अधिक शत प्रतिशत सरकारी स्वामित्व के अधीन कारपोरेट अस्तित्व में परिवर्तित करने का निश्चय किया। इसके विरोध में मान्यता प्राप्त संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी। इसके बाद सरकार ने सुलह के कई प्रयास किए, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। चूंकि देश की रक्षा तैयारियों के लिए सशस्त्र बलों को निर्बाध रूप से आयुध की आपूर्ति और कारखानों का सुचारु रूप से चलना जरूरी था, इसलिए किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए और अनिवार्य रक्षा सेवाओं के लिए यह जरूरी था कि इसे कानून के द्वारा नियमित किया जाए।

इनमें ऐसी सेवाएं भी शामिल हैं, जो अगर रुक जाएं तो इस कार्य में संलग्न इस्टेब्लिशमेंट या उनके कर्मचारियों की सुरक्षा पर असर होगा। इसके अलावा,

संबंधित विधेयक के पारित होने से रक्षा सामग्रियों के निर्माण और निर्यात में मजबूत होगा देश। फाइल

सरकार किसी सेवा को तब आवश्यक रक्षा सेवा घोषित कर सकती है, यदि उसके बंद होने से रक्षा उपकरण या वस्तुओं का निर्माण, ऐसा निर्माण करने वाले औद्योगिक इस्टेब्लिशमेंट्स या इकाइयों का संचालन या रखरखाव, या रक्षा से जुड़े उत्पादों की मरम्मत या रखरखाव प्रभावित हो।

हड़ताल को नियंत्रित करने का उपाय : विधेयक में हड़ताल को भी सही तरीके से परिभाषित करते हुए इसे नियमित और नियंत्रित करने का उपाय किया गया है। सामूहिक रूप से आकस्मिक अवकाश लेना, लोगों का काम जारी रखने या रोजगार मंजूर करने से एक साथ इन्कार करना, उस काम में ओवरटाइम करने से इन्कार करना जो आवश्यक रक्षा सेवाओं के रखरखाव के लिए जरूरी है, और ऐसा कोई भी आचरण जिससे आवश्यक रक्षा सेवाओं में रुकावट आती है, या आने की आशंका है, उन सभी को समाप्त करने का प्रविधान किया गया है।

वर्तमान में भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर तनाव कायम है। ऐसे में इस तरह के नियमन की आवश्यकता अनिवार्य हो गई है। एक सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ रहे भारत के लिए ऐसे कानून की नितांत आवश्यकता है। साथ ही ऐसे उपनिवेशवादी व्यवस्था के कारण उपजी प्रक्रिया या व्यवस्था की अब जरूरत नहीं है, जहां आधुनिक लोक कल्याणकारी राज्य के निर्देशक तत्वों और भारत के संविधान के संरक्षण में चलने वाली व्यवस्था निरंतर कारगर तरीके से काम कर रही है।

150 साल पुरानी रेलवे टाइम टेबल बुक 'एट-ए-ग्लांस' अब इतिहास का हिस्सा बनने जा रही है। यह पुस्तक डिजिटल की जा रही है। ट्रेन के परिचालन में जो भी संशोधन होंगे, उसे डिजिटल एट-ए-ग्लांस पर ही अपडेट किया जाएगा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 3 अगस्त, 2021

पंजाब

किसानों की जिद छीन रही रोजगार

पंजाब में अदाणी लाजिस्टिक्स पार्क का बंद होना दुर्भाग्यपूर्ण है। किसानों की जिद के कारण यूं तो प्रदेश को पहले ही बहुत नुकसान झेलना पड़ा है, लेकिन यह नुकसान ऐसा है, जिसकी भरपाई होनी मुश्किल है। आगे चलकर इसके और भी दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। लाजिस्टिक्स पार्क बंद होने से प्रदेश को चौतरफा झटका लगा है। एक तरफ इससे जहां प्रदेश सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान होगा, वहीं इससे बड़ी संख्या में प्रदेश के युवाओं की नौकरियां भी चली गईं।

हैरत की बात यह है कि जिनकी नौकरियां गई हैं, उनमें से अधिकांश कर्मचारी किसानों के ही बेटे हैं। इससे एक बार फिर यही साबित होता है कि आंदोलन की जिद में किसान न सिर्फ प्रदेश की अर्थव्यवस्था और उद्योग-धंधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, अपितु अपना व्यक्तिगत अहित भी कर रहे हैं। उद्योगों के लिए तो यह बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि पंजाब के उद्योगों का अधिकतर तैयार माल दूसरे राज्यों के साथ ही विदेश भी भेजा जाता है। अदाणी ग्रुप के पास खुद के यार्ड और जहाज होने के कारण तैयार माल को तेजी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया जाता था। अब इसके बंद होने से उद्योगों के सामने नई चुनौती खड़ी होना स्वाभाविक है। वर्धमान और हीरो साइकिल्स जैसी बड़ी कंपनियां भी अपना माल इसी लाजिस्टिक्स के माध्यम से अन्य राज्यों को और विदेश भेजती थीं। इसके अलावा अन्य कई बड़ी कंपनियां इस लाजिस्टिक्स पार्क की सेवाएं ले रही थीं। इनके लिए विकल्प तलाशना बेहद कठिन होगा।

> कुछ किसान संगठनों द्वारा कृषि सुधार कानूनों के विरोध में आंदोलन के कारण इतने बड़े लाजिस्टिक्स पार्क के बंद होने से प्रदेश की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है

हैरत की बात यह है कि यह मामला हाई कोर्ट तक पहुंचा था, क्योंकि किसान विगत कई महीनों से इस लाजिस्टिक्स पार्क में काम नहीं होने दे रहे थे। हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार को इस तरफ ध्यान देने के लिए कहा था, लेकिन प्रदेश सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। प्रदेश सरकार और किसानों को यह समझना चाहिए कि इस तरह के आंदोलन से सिर्फ और सिर्फ प्रदेश का ही नुकसान हो रहा है। किसानों के आंदोलन के कारण इतने बड़े लाजिस्टिक्स पार्क के बंद होने से प्रदेश की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। इससे अन्य औद्योगिक घराने यहां निवेश करने से कतराएंगे और इसका सीधा असर प्रदेश के विकास पर पड़ेगा। दुख की बात है कि प्रदेश में इतनी बड़ी घटना हो गई और मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को इसकी जानकारी तक नहीं है। वह कह रहे हैं कि उन्हें मीडिया से इसके बारे में पता चला है। सरकार की यह उदासीनता राज्य के हित में नहीं है।

उत्तर प्रदेश

फिजूलखर्ची पर रोक जरूरी

कोरोना महामारी के कारण आर्थिक मार झेल रही उत्तर प्रदेश सरकार ने फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का समझदारी भरा निर्णय किया है। इसके तहत जिन अधिकारियों को हवाई यात्रा अनुमन्य है, उन्हें भी इकनामी क्लास में चलना होगा। उनकी एक्जीक्यूटिव और बिजनेस क्लास की यात्राएं फिलहाल प्रतिबंधित कर दी गई हैं। पुराने सरकारी वाहनों की जगह नए वाहनों की खरीद पर भी रोक लगा दी गई है।

यथासंभव वीडियो कांफ्रेंसिंग से बैठकें करने, शासकीय दौरे घटाने और जरूरत पड़ने पर किराए के वाहनों का इस्तेमाल करने को कहा गया है। जिन विभागों के पास वाहन सही-सलामत हैं, उन्हें भी ईंधन-व्यय घटाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ कार्यालय व्यय, यात्रा व्यय, स्थानांतरण यात्रा व्यय, अवकाश यात्रा सुविधा, कंप्यूटर अनुरक्षण, स्टेशनरी, मुद्रण और प्रकाशन जैसे खर्च भी घटाने को कहा गया है। जाहिर है, इससे खजाने पर अनावश्यक बोझ घटेगा। इसके पहले भी मई 2020 में सरकार लाखों कर्मचारियों के छह भत्ते खत्म करके 24 हजार करोड़ बचा चुकी है। केंद्र सरकार पहले ही इन भत्तों को खत्म कर चुकी थी। प्रदेश सरकार के 12 लाख

विलासिता संबंधी विविध प्रकार के खर्चों में कटौती का सरकार का सराहनीय फैसला। प्रतीकात्मक

> जनहितैषी जरूरतों पर बेशक कितना ही खर्च किया जाए, लेकिन लग्जरी सुविधाओं में पैसा उड़ाना किसी सूरत में समझदारी नहीं है

कर्मचारी और करीब 13 लाख पेंशनर्स को महंगाई भत्ता (डीए) भी जल्द दिए जाने के आसार हैं, क्योंकि केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को 11 फीसद डीए दे चुकी है। इसे कोरोना काल में राजस्व घटने के कारण लंबित किया गया था। यद्यपि सरकार की आय का आधे से ज्यादा हिस्सा वेतन-भत्ते, पेंशन और ब्याज अदायगी में ही खर्च होता है। यह रकम दो लाख करोड़ से अधिक बैठती है। इसके कुछ मदों पर सरकार हाथ नहीं सिकोड़ सकती, लेकिन अन्य खर्चों को घटा सकती है। इसे काबू किया ही जाना चाहिए। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह कोरोना का विषम दौर चल रहा है, बल्कि इसलिए भी कि यह जनता की गाढ़ी कमाई है, जो टैक्स के रूप में सरकार को हासिल हुई है। इसे जनहितैषी जरूरतों पर बेशक कितना ही खर्च किया जाए, लेकिन लग्जरी सुविधाओं में उड़ाना किसी सूरत में समझदारी नहीं है। कोरोना निपटने के बाद भी फिजूलखर्ची पर ऐसी ही कड़ी पाबंदियां लागू रहनी चाहिए।

बिहार

जिंदगी को रफ्तार देगा टीका

यह सुकून की बात है कि बिहार में कोरोना संक्रमितों की संख्या बेहद कम हो गई है। लाकडाउन के बाद सुधार दिखने लगा था। संक्रमण बेहद कम हो गया है, लेकिन अभी यह कहना उचित नहीं होगा कि स्थिति सामान्य हो गई है। तीसरी लहर की आशंका बनी हुई है। ऐसे में टीकाकरण की रफ्तार तेज रखने की जरूरत है। अगस्त में केंद्र सरकार से बिहार को वैक्सीन की 96 लाख डोज मिलेगी। यह डोज पर्याप्त तो नहीं है, लेकिन कम भी नहीं है। राज्य में छह महीने में छह करोड़ लोगों के टीकाकरण का अभियान चल रहा है।

एक जुलाई से प्रारंभ हुए इस महाभियान के पहले महीने के 31 दिनों में करीब 80.10 लाख लोगों का टीकाकरण किया गया। एक महीने में एक करोड़ लोगों को टीका देने का लक्ष्य था। राज्य सरकार वैक्सीनेशन पर गंभीरता से ध्यान दे रही है। सुकून की बात है कि हरेक दिन टीका लेने वालों की संख्या बढ़ रही है। संक्रमितों की संख्या में कमी से यह साबित हो गया है कि कोरोना अनुशासन के पालन तथा तेजी से

वैक्सीन लगवा चुके लोगों के संक्रमित होने की आशंका कम होती जा रही है। फाइल

> इस माह भी लगभग कोरोना वैक्सीन की एक करोड़ डोज बिहार को मिलेगी। इसकी संख्या और बढ़नी चाहिए। वैक्सीन के भरोसे ही जिंदगी की रफ्तार तेज होगी

वैक्सीनेशन से कोरोना को काबू करने में काफी मदद मिलेगी। छोटे बच्चों के स्कूल भी खुलने हैं। अन्य गतिविधियां भी बढ़ने लगी हैं। नौकरी और कारोबार को कितने दिन ठप रखा जा सकता है। लिहाजा लोग बाहर निकल रहे हैं। जो नहीं निकल पा रहे वे भी छटपटा रहे हैं। वैक्सीन उन्हें ऐसा करने का भरोसा देगी। विशेषज्ञों का मानना है कि टीका लगवाने वाले गंभीर रूप से बीमार नहीं पड़ रहे। इन दिनों देश के कई प्रदेशों से कोरोना संक्रमितों को लेकर जो आंकड़े और अध्ययन सामने आ रहे, उनसे साफ है कि जिन्होंने कोरोना का टीका लगा लिया है, उनमें से अधिसंख्य को संक्रमित होने के बाद भी अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ती। ऐसे अध्ययन टीके के प्रति विश्वास बढ़ाते हैं। कोरोना वैक्सीन को लेकर लोगों के मन में जो भ्रम था वह कम हुआ है। यह अच्छी स्थिति है। गांव से शहर तक लोग वैक्सीन के लिए आगे आ रहे, तो जरूरी है कि उन्हें टीका हर हाल में मिले।

उत्तराखंड

प्रशासनिक तबादले की परंपरा

उत्तराखंड सरकार ने नौकरशाही में एक बार फिर बंपर तबादले किए हैं। सरकार के एक माह के कार्यकाल में अभी तक 60 से अधिक अधिकारियों को इधर से उधर किया जा चुका है। इस बार चार जिलाधिकारी भी बदले गए हैं। प्रदेश सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद नौकरशाही में बदलाव होना कोई नई बात नहीं है। गौरतलब है कि पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी ने तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री पद से हटाकर पुष्कर सिंह धामी को राज्य की कमान सौंपी थी। हर सरकार अपनी सुविधा के हिसाब से शासन और जिलों में अधिकारियों की तैनाती करती है।

उद्देश्य यही होता है कि अधिकारियों की क्षमताओं का लाभ उठाते हुए इनके जरिये सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर सरकार अपने एजेंडे पर आगे बढ़ सके। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव को अब छह-सात महीने का ही वक्त शेष है। अमूमन चुनावी वर्ष में तबादले होते ही हैं। इसका एक कारण तो अधिकारियों की एक जगह पर लंबे समय तक तैनाती होता है। चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार तीन साल से एक ही जगह पर जमे अधिकारियों का तबादला जरूरी होता है। फिर सरकार अपनी योजनाओं को गति देने और इन्हें आमजन तक पहुंचाने के लिए अपने पसंद के अधिकारियों को अहम पदों पर लाती है। सरकार द्वारा इस बार किए गए तबादलों को भी इसी कड़ी से जोड़ कर देखा जा सकता है। हालांकि प्रदेश में तकरीबन एक माह पहले ही नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। इससे पहले विधायकों में अधिकारियों को लेकर खासी नाराजगी देखी गई थी। इसीलिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पदभार संभालने के अगले ही दिन मुख्य सचिव को बदल दिया।

> तबादले सरकारी कामकाज की प्रक्रिया का हिस्सा होते हैं। यह सरकार का विशेषाधिकार भी है। खासकर चुनाव से पहले कई कारणों से तबादले किए जाते हैं

इसके बाद शासन में 24 और फिर 34 अधिकारियों के दायित्वों में बदलाव किया गया। हालिया तबादलों में चार जिलाधिकारियों के तबादलों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इनमें से कुछ को विवादों के कारण बदला गया है। नौकरशाही में इस बड़े फेरबदल के मूल में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए उन्हें बंदोबस्त और लंबे समय से रुके विकास कार्यों को गति देना है। इस बार हर विभाग में बदलाव देखने को मिला है। हालांकि तबादले करना हर सरकार का विशेषाधिकार है, लेकिन इसमें यह ध्यान रखना जरूरी है कि इससे आमजन के हित प्रभावित न हों। जिस जनहित को आधार बनाकर तबादले किए जा रहे हैं, वह धरातल पर भी दिखना चाहिए। जरूरी है कि अधिकारी शासन के प्रतिनिधि के रूप में सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं, लेकिन उनके कार्यों में सियासी दखलंदाजी नहीं होनी चाहिए।

श्रद्धा का महासावन

प्रकृति से जुड़ा शिवत्व

प्रकृति को बचाने के लिए सावन के महीने में शिव पूजन के साथ हर दिन एक पौधा लगाने से बेहतर पर्यावरण संरक्षण होगा। मंदिर व आश्रम के अधिष्ठाता, धर्मगुरु भी लोगों को प्रकृति से जुड़ने और प्रकृति को बचाने का आह्वान कर रहे हैं। प्रकृति खुशहाल होगी तो आम व्यक्ति का जीवन भी खुशियों से भरा होगा। सावन का महीना शिव को प्रिय है। भगवान शिव की महिमा संपूर्ण जगत में व्याप्त है। भगवान शिव की पूजा हमें प्रकृति से जोड़ती है। उनके पूजन के लिए कोई विशेष आडंबर की जरूरत नहीं होती। वही चीजें चाहिए जो हमारे आस-पास सहज सुलभ उपलब्ध होती हैं। मन में आस्था और विश्वास होना जरूरी है। भगवान विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और भगवान कृष्ण भी शिव भक्त हैं। हरिवंश पुराण के अनुसार कैलाश पर्वत पर भगवान कृष्ण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी। शीघ्र प्रसन्न होने वाले शिव को नाराज करने से प्रकृति भी रुष्ट होती है, ऐसा कहा गया है। हरियाली को बचाकर रखना हमारा कर्तव्य है। कोरोना संकट में आक्सीजन से लोग तड़पे, यह सभी ने देखा है। यह एक तरह से हम सब के लिए चेतावनी भी है। यदि अब नहीं चेते तो अच्छी हवा के लिए तड़पना पड़ेगा। यह पावन माह हमें प्रेरित करता है कि अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लें।

महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद परमहंस
अखंड परम धाम हरिद्वार,
मार्गदर्शक गुफा वाला मंदिर समिति, गुरुग्राम

स्कैन करें और पढ़ें 'श्रावण मास' से संबंधित सभी सामग्री

ट्रेन से चारों धाम घूमकर अपने देश को जानें

जागरण संवाददाता, लखनऊ : कोरोना संक्रमण कम होने के साथ ही चार धाम यात्रा की भी शुरुआत हो गई है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आइआरसीटीसी) श्रद्धालुओं को अपनी डीलक्स ट्रेन से चार धाम यात्रा कराएगा। यह यात्रा अक्टूबर में शुरू होगी, जिसके लिए आइआरसीटीसी ने सोमवार को पैकेज की लांचिंग कर दी है।

यह यात्रा दिल्ली के सफदरजंग स्टेशन से 17 अक्टूबर को शुरू होगी। यात्रियों को अपने संसाधनों से दिल्ली पहुंचना होगा, जहां से डीलक्स ट्रेन की एसी फर्स्ट व एसी सेकेंड श्रेणी में श्रद्धालु अपनी यात्रा शुरू कर सकेंगे। आइआरसीटीसी की यह ट्रेन चार धाम यात्रा के साथ आसपास के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी कराएगी। ट्रेन से जाने वाले श्रद्धालुओं को रेलवे स्टेशन से सड़क मार्ग के जरिये बद्रीनाथ में बद्रीनाथ मंदिर, नरसिंघा मंदिर, माना गांव, ऋषिकेश में लक्ष्मण झूला व त्रिवेणी घाट के दर्शन कराए जाएंगे। इसके अलावा पुरी में जगन्नाथ मंदिर, पुरी के गोल्डन बीच, कोणार्क सूर्य मंदिर, चंद्रभागा बीच तथा रामेश्वरम में रामेश्वरम मंदिर व धनुषकोडि के दर्शन कराए जाएंगे। अंतिम पड़ाव पर द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, शिवराजपुर बीच और बेट द्वारका के दर्शन भी कराएगा।

आइआरसीटीसी की इस यात्रा का एसी फर्स्ट का पैकेज 97,195 रुपये और एसी सेकेंड का पैकेज 78,585 रुपये होगा। इस पैकेज में यात्रियों के तीनों समय के खानपान, तीन सितारा होटल में ठहरने और एसी बसों से स्थानीय भ्रमण की व्यवस्था भी शामिल होगी। पैकेज की बुकिंग आइआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism.com पर की जा सकती है।

अल्पसंख्यकों के साथ कमजोर वर्ग जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए

- अल्पसंख्यक आयोग ने कहा, सुरक्षा उपायों के बावजूद अल्पसंख्यकों में है असमानता की भावना
- आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कही यह बात

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि देश में अल्पसंख्यकों के साथ कमजोर वर्ग जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए, जहां बहुसंख्यक समुदाय इतना सशक्त है।

एनसीएम ने कहा कि संविधान में दिए गए सुरक्षा उपायों और यहां लागू कानूनों के बावजूद अल्पसंख्यकों में असमानता और भेदभाव की भावना बनी हुई है। एनसीएम ने एक हलफनामे में कहा, भारत जैसे देश में जहां बहुसंख्यक समुदाय सशक्त है, अनुच्छेद 46 के तहत अल्पसंख्यकों को कमजोर वर्ग माना जाना चाहिए।

40 पृष्ठ के हलफनामे में कहा गया है कि यदि सरकार की ओर से अल्पसंख्यकों के लिए विशेष प्रावधान नहीं किया गया और योजनाएं नहीं बनाई गईं तो तो ऐसी स्थिति में प्रभावशाली बहुसंख्यक समुदाय द्वारा उन्हें दबाया जा सकता है। एक याचिका के जवाब में यह हलफनामा दाखिल किया गया है, जिसमें कहा गया था कि कल्याणकारी योजनाएं धर्म आधारित नहीं हो सकती हैं।

अनुच्छेद 46 में कहा गया है कि राज्य कमजोर वर्गों-विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षणिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देगा और सभी प्रकार के सामाजिक अन्याय और शोषण से उनकी रक्षा करेगा। एनसीएम ने यह भी तर्क दिया कि इसकी स्थापना अल्पसंख्यकों को उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार और उन्हें मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से की गई थी। इससे पहले केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत से कहा था कि धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं कानूनी रूप से वैध हैं, जिनका उद्देश्य असमानताओं को कम करना है और यह हिंदुओं या अन्य समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। इस फैसले के असर पर सबकी निगाहें हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सलाह। फाइल फोटो

हत्या के प्रयास के आरोपित किशोर को मिली अनोखी सजा

जागरण संवाददाता, गोपालगंज : नादानी में अपराध में शामिल एक किशोर को सुधारने के लिए बिहार के गोपालगंज जिले के किशोर न्यायालय ने अनोखी पहल की है। हत्या के प्रयास के मामले में किशोर के दोषी पाए जाने पर किशोर न्यायालय के प्रधान दंडाधिकारी राकेश मणि तिवारी ने उसे अपनी पंचायत के दस निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने की सजा सुनाई है। किशोर दस लोगों को साक्षर बना रहा है कि नहीं, इसकी रिपोर्ट देने का निर्देश मुखिया को दिया गया है।

बताया गया कि कुचायकोट थाना क्षेत्र के एक गांव के किशोर को पुलिस ने एक व्यक्ति की हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया था। किशोर से पुलिस ने हथियार भी बरामद किया था। इस मामले की सुनवाई किशोर न्यायालय में शुरू हुई। सुनवाई के दौरान साक्ष्य के आधार पर आरोपित किशोर को हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट के मामले में दोषी पाते हुए प्रधान दंडाधिकारी राकेश मणि तिवारी तथा सदस्य ममता श्रीवास्तव ने किशोर को सुधारने के लिए अनोखी सजा सुनाई।

फसल तक जरूरत के मुताबिक धूप व पानी पहुंचाएगा 'छाता'

अर्पित त्रिपाठी, ग्रेटर नोएडा : जलवायु परिवर्तन के चलते फसलों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से बचाव का नायाब तरीका ग्रेटर नोएडा के गलगोटिया कालेज के शिक्षक डा. प्रवीण कुमार मढ़ुरी व छात्र कुशाग्र सिंह व छात्रा अपूर्वा सोनी ने 'क्राप शेल्टर ऐंड वाटर हार्वेस्टिंग डिवाइस' बनाया है। यह एक तरह का छाता है, जो खेत में फसलों के मुताबिक धूप व गर्मी और बारिश का पानी का उपलब्ध कराएगा। अगले दो से चार महीने में यह किसानों को उपलब्ध हो जाएगा।

ऐसे करेगा काम : डा. प्रवीण ने बताया कि एडवांस पालिस्टर से बना यह छाता छोटे-छोटे पोल पर लगेगा। उदाहरण के तौर पर कोई फसल है जो 45 डिग्री तापमान तक गर्मी झेल सकती है। छाते में लगी डिवाइस में पहले से तापमान फीड कर दिया जाएगा। तापमान के बढ़ते ही छाता खुल जाएगा और छाते के अंदर का तापमान फसल के मुताबिक बना रहेगा। उदाहरण के तौर किसी फसल के लिए अधिकतम बारिश 100 मिलीलीटर उपयुक्त है। जैसे ही बारिश 102 मिलीलीटर से अधिक होगी तभी ये छाता खुल जाएगा। छाते में एक पेंच लगा होगा, जिसके माध्यम से पानी भूजल स्तर पर लगे टैंक में चला जाएगा। छाते में बनी सिल्वर लाइनिंग बिजली का एहसास कराएगी। जिससे पक्षी करीब नहीं आएंगे।

बंगाल ने रोका हाथियों का रास्ता, झारखंड में बढ़ा आतंक

मुसीबत ▶ कारिडोर प्रभावित होने से बौखलाए पशुओं की मानव से टकराहट बढ़ी, खेतों व घरों पर हमले बढ़े

राज्य ब्यूरो, रांची

बंगाल की सीमा से सटे झारखंड के घाटशिला के किसान जंगली हाथियों के उत्पात से ज्यादा परेशान हैं। घाटशिला के अलावा राज्य के दस से अधिक जिलों में हाथी उत्पात मचा रहे हैं। झारखंड में हाथियों का आतंक बढ़ने की एक बड़ी वजह बंगाल है। दरअसल, बंगाल ने अपने इलाके में हाथियों के प्रवेश को बंद करने के लिए गड्ढे खोद दिए हैं। अपने प्राकृतिक गलियारे (एलिफैंट कारिडोर) से छेड़छाड़ के कारण जंगली हाथियों के गुस्सा किसानों पर उतरता है। खासकर धान की उपज होते ही हाथियों के झुंड की दस्तक से किसानों की रात की नींद गायब हो जाती है। रात भर जागकर वे मेहनत से उपजाई धान की फसलों की पहरेदारी करते हैं, फिर भी वे इसकी रक्षा नहीं कर पाते। कारिडोर में ट्रेंच काटना एक बात हुई, अगर किसी दूसरे रास्ते से हाथी झारखंड से बंगाल चला जाए तो मेदिनीपुर वन रेंज के कर्मचारी अपने इलाके से हाथियों को तत्काल खदेड़ कर झारखंड पहुंचा देते हैं।

बंगाल से सटे झारखंड का घाटशिला हाथियों का प्राकृतिक वन आश्रयणी (सेंक्चुरी) है, जो दलमा एलिफेंट कारिडोर से जुड़ा है। हाथियों का झुंड किसानों के खेतों में यहां अक्सर आतंक मचाता है। वन विभाग ने इससे निपटने की कोई तैयारी तो नहीं की है, बस किसानों को थोड़ा-बहुत मुआवजा बांट दिया जाता है। हर वित्तीय वर्ष लगभग दस करोड़ रुपये इस मद में खर्च हो रहा है। बंगाल के ट्रेंच काटने से हाथियों की बौखलाहट बढ़ी है, उसकी एक बानगी है कि 2013-14 में जहां हाथियों ने 56 लोगों की जान ली, वहीं पिछले दो वर्षों में यह आंकड़ा क्रमशः 78 और 71 पर पहुंच गया है। यानि मानवों पर हाथियों के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। मानवों का हाथियों के प्राकृतिक आश्रय स्थल के आसपास बढ़ता अतिक्रमण भी इन पशुओं को परेशान कर रहा है। बिहार से झारखंड के पृथक होने के 20 वर्ष के भीतर 1400 से ज्यादा लोग मानव-हाथी संघर्ष में मारे गए हैं। इसमें 80 हाथी भी मारे गए हैं। एक आकलन के मुताबिक हर साल औसतन 70 से ज्यादा लोग हाथियों के हमले की भेंट चढ़ते हैं और लगभग 150 लोग घायल होते हैं। खानपान की आदत बदल भी रही है। धान की फसल चट कर जाना उनके व्यवहार में शामिल हो रहा है।

झारखंड-बंगाल सीमा पर मेदिनीपुर जिले में हाथियों को रोकने के लिए खोदे गए गड्ढे। जागरण

1400 से ज्यादा लोग पिछले 20 वर्षों में हाथियों के हमलों झारखंड में मारे गए हैं

80 हाथियों की भी इस संघर्ष में मौत हुई है

4 लाख रुपये मुआवजा दिया जाता है किसी इंसान की मौत पर

खनन गतिविधियों से भी अनियंत्रित हो रहे हाथी

झारखंड और इसके आसपास के प्रदेशों में देश के जंगली हाथियों की कुल संख्या का 11 प्रतिशत है। हाथी के हमले के 45 प्रतिशत मामले ऐसे ही क्षेत्रों में हो रहे हैं। सिंहभूम के जंगल हाथियों के प्राकृतिक आवास के लिए काफी मशहूर थे, लेकिन पिछले 50 सालों में हाथियों की प्राकृतिक आश्रय स्थली को काफी क्षति पहुंची है। इसका मुख्य कारण खनन में बढ़ोतरी है। सड़क एवं रेलवे लाइन का विस्तार तथा हाथियों के कारिडोर में आबादी का बसना भी एक बड़ी वजह है। इससे हाथियों के आवागमन में समस्या आती है। जब जंगली हाथी झुंड में निकलते हैं तो मानव के साथ टकराव हो जाता है।

मौत पर चार लाख रुपये मुआवजा

झारखंड में हाथियों के हमले के शिकार लोगों को सरकार की तरफ से मुआवजा दिया जाता है। इसके तहत मौत होने पर चार लाख रुपये, घायल होने पर 15 हजार से एक लाख रुपये तक देने का प्रावधान है। हमले में स्थाई अपंग होने पर दो लाख रुपये, फसल के नुकसान पर 20 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर दिए जाते हैं।

130 किलो का केक खाकर कार्बेट में 'सावन' ने मनाया जन्मदिन

कार्बेट टाइगर रिजर्व में सोमवार को अपने जन्मदिन पर केक खाता हाथी सावन। जागरण

जागरण संवाददाता, रामनगर (नैनीताल)

वन्यजीवों के प्रति सम्मान व प्रेम की भावना जागृत करने के मकसद से कार्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) प्रशासन ने नटखट हाथी सावन का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। सोमवार को तीसरे जन्मदिन पर गुड़, ब्रेड, केले से तैयार 130 किलो वजनी केक सावन को खिलाया गया। इस खूबसूरत पल के विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, बच्चे व वन्यजीव प्रेमी साक्षी रहे। कार्बेट प्रशासन की यह पहल वन्य जीव संरक्षण की दिशा में लोगों को एक संदेश देने वाली रही।

2017 में कर्नाटक से कार्बेट पार्क में नौ हाथी लाए गए थे। इनमें से एक कंचंभा नाम की हथिनी गर्भवती थी। 2018 में दो अगस्त की सुबह उसने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया था। बच्चे का नाम सावन रखा गया। 2019 में सावन का पहला और इस बार कालागढ़ में सावन का तीसरा जन्मदिन मनाया गया। जन्मदिन पर सावन को नहलाने के बाद पीला वस्त्र पहनाकर उसे हैप्पी बर्थडे की पीली टोपी पहनाई गई।

59 फीसद से ज्यादा आबादी को कोरोना रोधी वैक्सीन लगा चुका है इजरायल। इसके बावजूद यहां कोरोना के साप्ताहिक मामले 73 फीसद की रफ्तार से बढ़े हैं।

हेरात, लश्कर गाह और कंधार में कब्जे को लेकर भीषण लड़ाई

अफगानिस्तान में जंग ▸ कंधार सहित कई शहरों में अफगान सेना और तालिबान आमने-सामने

राष्ट्रपति गनी बोले, अचानक अमेरिकी सैन्य वापसी से हालात बिगड़े

काबुल, एएनआइ : अफगानिस्तान में हेरात, लश्कर गाह और कंधार सहित कई प्रांतीय राजधानियों पर कब्जे को लेकर तालिबान और अफगान सेना के बीच भीषण लड़ाई चल रही है। हेरात में आतंकियों को रोकने के लिए काबुल से सेना भेजी गई है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हेरात शहर में चार दिन से तालिबान आतंकी लगातार गोलीबारी कर रहे हैं। वहां अब काबुल से सेना भेजी गई है। सेना के साथ उप गृह मंत्री अब्दुल रहमान रहमान भी हैं। हेरात के पास मालन ब्रिज पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है। पश्चिमी क्षेत्र के गुजारा और करोख जिलों पर नियंत्रण को लेकर कई दिन से लड़ाई चल रही है। सैकड़ों परिवार यहां से पलायन कर गए हैं। कंधार में संघर्ष के दौरान मोर्टार हमले में पांच नागरिकों की मौत हो गई।

हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह पर कब्जे के लिए तालिबान पूरा दबाव बनाए हुए है। पुलिस मुख्यालय और गवर्नर कार्यालय के पास सेना व तालिबान के बीच गोलीबारी चल रही है। सूत्रों ने बताया कि इस शहर में कई हिस्से तालिबान के कब्जे में हैं। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि यहां 38 आतंकी मारे गए। घटना उस समय हुई, जब तालिबान आतंकी जेल में घुसने का प्रयास कर रहे थे।

राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश की बिगड़ती स्थिति के लिए अमेरिकी सेना की वापसी को जिम्मेदार ठहराया है। गनी ने संसद में दिए भाषण में कहा, हमारी सरकार की छह माह में स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में लाने की योजना थी। अमेरिका के अचानक निर्णय से इस योजना पर ठीक से अमल नहीं हो सका।उन्होंने कहा,तालिबान तब तक शांति वार्ता की ओर नहीं बढ़ेगा, जब तक खराब स्थिति सुधारी नहीं जाती। गनी बोले, तालिबान ने अन्य आतंकी संगठनों से संबंध नहीं तोड़े हैं। वह महिलाओं व बच्चों को मार रहा है।

ताकत से सत्ता हथियाने पर तालिबान को मान्यता नहीं देगा ईयू : एएनआइ के अनुसार यूरोपीय यूनियन (ईयू) के अफगानिस्तान में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थामस निकोलसन ने कहा है कि ताकत के बल पर यदि तालिबान सत्ता पर काबिज हुआ तो ईयू व अन्य देश उसे मान्यता नहीं देंगे।

रूस और उज्बेकिस्तान का अफगान सीमा पर युद्धाभ्यास शुरू: रूस के 1500 सैनिकों ने उज्बेक सेना के साथ पांच दिनी युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। अगले सप्ताह ताजिकिस्तान के साथ भी अभ्यास होगा।

काबुल में सोमवार को संसद की कार्यवाही के दौरान राष्ट्रपति अशरफ गनी (सेंटर में) व अन्य नेता। रायटर

अपने अफगान सहयोगियों को शरण देगा अमेरिका

न्यूयार्क टाइम्स से

न्यूयार्क: अमेरिकी सेना की अचानक वापसी के बाद तालिबान उन लोगों को निशाना बना रहे हैं जिन्होंने उसके खिलाफ लड़ाई में अमेरिकी व नाटो सैनिकों का साथ दिया था। इसे देखते हुए अमेरिका उन अफगानियों को अपने यहां शरण दे रहा है। बाइडन प्रशासन ने ऐसे नागरिकों के लिए विशेष वीजा कार्यक्रम शुरू किया है। इन्हें संभावित शरणार्थी का दर्जा दिया जा रहा है और एक अलग श्रेणी बनाई गई है। इन लोगों में अमेरिकी समाचार एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने वाले, दुभाषिए, ड्राइवर इत्यादि शामिल हैं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा,यह कदम उन लोगों की रक्षा करने के लिए उठाया गया है जो उसका साथ देने की वजह से खतरे में पड़ सकते हैं। ऐसे लोगों को अमेरिका में बसने का अवसर दिया जाएगा। अमेरिका अब तक दो सौ अफगान नागरिकों को अमेरिका ले जा चुका है। इस कार्य में अब तेजी लाई जा रही है। 20 हजार अफगान सहयोगियों ने वीजा के लिए आवेदन किया है। इनकी संख्या और ज्यादा हो सकती है।

और अधिक क्रूर व दमनकारी हो गए हैं तालिबान आतंकी : गनी

- अफगानिस्तान के राष्ट्रपति बोले, पिछले दो दशकों में तालिबान में नकारात्मक बदलाव हुआ
- अफगान उपराष्ट्रपति ने तालिबान को मदद पहुंचाने के लिए पाकिस्तान को लगाई फटकार

आतंकियों से जंग को मुस्तैद अफगान सेना का जवान। फाइल फोटो

काबुल, एएनआइ : अफगानिस्तान में जारी भारी हिंसा के बीच राष्ट्रपति अशरफ गनी का कहना है कि पिछले दो दशक में तालिबान आतंकी और अधिक क्रूर और दमनकारी हो गए हैं। वहीं, अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति ने तालिबान को मदद पहुंचाने के लिए पाकिस्तान को फटकार लगाई है।

गनी ने वर्चुअल कैबिनेट मीटिंग में कहा, 'हां, वे (तालिबान) बदल गए हैं लेकिन नकारात्मक रूप से। उन्हें शांति, समृद्धि या प्रगति की कोई इच्छा नहीं है, हम शांति चाहते हैं लेकिन वे समर्पण (दबे हुए लोग और सरकार) चाहते हैं।'

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी और नाटो सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान ने अपने हमले तेज कर दिए हैं और कई इलाकों को कब्जे में ले लिया है। गनी ने कहा कि जब तक युद्ध के मैदान में हालात नहीं बदलेंगे, तालिबान के साथ सार्थक बातचीत में शामिल नहीं होंगे। इसलिए देश भर में लोगों को एकजुट करने की जरूरत है। वहीं, अफगानिस्तान के पहले उप राष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह ने तालिबान को मदद पहुंचाने के लिए पाकिस्तान को फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का इरादा सार्थक बातचीत में शामिल होने का नहीं है।

नागरिक हताहतों की संख्या 80 फीसद बढ़ी

अफगानिस्तान के स्वतंत्र मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि तालिबान आतंकी आम लोगों को निशाना बना रहे हैं। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस साल के पहले छह महीने में 1,677 नागरिक मारे गए हैं और 3,644 घायल हुए हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल हताहतों की संख्या 80 फीसद बढ़ी है।

छद्म युद्ध लड़ रहा पाकिस्तान

▸ कनाडा के पूर्व मंत्री ने खोली इस्लामाबाद की करतूतों की पोल

इस्लामाबाद, प्रेट्र : कनाडा के पूर्व मंत्री और राजनयिक क्रिस अलेक्जेंडर ने पाकिस्तान की नापाक करतूतों की पोल खोलते हुए कहा, यह देश अफगानिस्तान में छद्म युद्ध लड़ रहा है। उन्होंने इस्लामाबाद पर छद्म युद्ध, युद्ध अपराधों व अफगानिस्तान के खिलाफ आक्रामक करतूतों में शामिल होने के आरोप भी लगाए हैं। अलेक्जेंडर वर्ष 2013 से 2015 तक कनाडा के नागरिकता और आव्रजन मंत्री रहे। वह 2003 से 2005 तक अफगानिस्तान में कनाडा के राजदूत भी रह चुके हैं।

अलेक्जेंडर ने रविवार को एक ट्वीट में कहा, 'तालिबान आतंकी पाकिस्तान से अफगानिस्तान सीमा पार करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान अपने पड़ोसी देश अफगानिस्तान के खिलाफ आक्रामक कृत्यों और छद्म युद्ध में लिप्त है।' हालांकि पाकिस्तान ने कनाडा के पूर्व मंत्री के इस ट्वीट पर नाराजगी जाहिर की है। पाकिस्तान के विदेश मामलों के दफ्तर ने एक बयान में कहा कि वरिष्ठ कनाडाई नेता का बयान जमीनी हकीकत और तथ्यों पर आधारित नहीं है। उनका दावा भ्रामक है। बता दें कि अफगान सरकार पाकिस्तान पर तालिबान की मदद करने के आरोप कई बार लगा चुकी है। हाल में सरकार ने कहा था कि तालिबान पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आइएसआइ की मदद से हमले कर रहा है।

क्रिस अलेक्जेंडर। फाइल/इंटरनेट मीडिया

तालिबान ने क्षत-विक्षत कर दिया था दानिश का शव

नई दिल्ली, आइएएनएस: अफगानिस्तान में तालिबान और अफगानिस्तान की सेना के बीच सीमांत शहर स्पिन बोल्डक में लड़ाई के दौरान मारे गए भारतीय फोटोग्राफर दानिश सिद्दीकी को तालिबान ने यातना देकर मारा था। उसके शव को क्षत विक्षत कर दिया था। चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था।

स्थानीय मीडिया के अनुसार स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जब दानिश का शव अस्पताल लाया गया, तब बुरी हालत में था। उसका चेहरा भी पहचान में नहीं आ रहा था। न्यूयार्क टाइम्स ने भी फोटोग्राफर दानिश की उस समय ली गई कई तस्वीरों की समीक्षा की। दानिश के शरीर पर एक दर्जन गोलियों के निशान थे। शरीर पूरी तरह विकृत हो चुका था।

पुलित्जर पुरस्कार प्राप्त दानिश सिद्दीकी 16 जुलाई को स्पिन बोल्डक में उस समय हत्या कर दी गई थी, जब वह कवरेज करने के लिए गए हुए थे।

अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता लाने की कोशिश करेगा भारत

▸ यूएनएससी का अध्यक्ष बनने पर तिरुमूर्ति ने बताई प्राथमिकता

▸ आतंकवाद के खिलाफ भारत की जंग रहेगी जारी

न्यूयार्क, एएनआइ: अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता लाना भारत की पहली प्राथमिकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत के अध्यक्ष पद संभालने के पहले दिन स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने प्राथमिकता बताते हुए यह बात कही।

इस मौके पर विशेष साक्षात्कार में तिरुमूर्ति ने अफगानिस्तान की नीति के संबंध में बात की। उन्होंने कहा कि हम इस महीने अफगानिस्तान की स्थिति का जायजा लेंगे। यहां सुरक्षा परिषद की सक्रियता को किसी भी रूप में कम नहीं होने देंगे। अध्यक्ष पद पर रहकर हम उन सभी सदस्यों की पहल का समर्थन करेंगे, जो अफगानिस्तान में शांति लाने के प्रयास कर रहे हैं या वहां स्थिरता ला सकते हैं। तिरुमूर्ति की यह टिप्पणी तब आती है, जब उनसे पूछा गया कि अफगानिस्तान के मामले में भारत की क्या योजना है।

स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि भारत ने सुरक्षा परिषद के अंदर और बाहर हमेशा से ही आंतकवाद की समस्या पर दुनियाभर का ध्यान केंद्रित किया है। यही नहीं भारत की हमेशा कोशिश रही है कि आतंकवाद की फंडिंग रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। आतंकवाद का पूरी तरह खात्मा हो। भारत के संयुक्त राष्ट्र में शीर्ष राजदूत तिरुमूर्ति ने कहा कि अफगानिस्तान के मामले में हमने हमेशा उसके स्वतंत्र, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक देश होने के लिए पैरवी की है। जो पूरी तरह से स्थिर और खुशहाल रहे। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही कह चुके हैं कि अफगानिस्तान में ऐसी सरकार रहनी चाहिए, जो वहां की जनता की नजर में कानून सम्मत और वैध होनी चाहिए। यही चिंता सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों की भी होगी। तिरुमूर्ति ने अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लगातार हिंसा बढ़ रही है। नागरिकों विशेषकर महिलाओं, लड़कियों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति। टिवटर से

भारत पर हम सावधानी से नजर रखेंगे : पाकिस्तान

भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बनने पर पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र में दूत मुनीर अकरम ने कहा है कि उनकी भारत की अध्यक्षता के दौरान नजर रहेगी। उन्होंने एक्सप्रेस ट्रिब्यून से कहा, 'हम नजर रखेंगे, लेकिन चिंतित नहीं हैं।'

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक गायक एंथोनी वोंग गिरफ्तार

हांगकांग, एपी : लोकतंत्र समर्थक प्रख्यात गायक एंथोनी वोंग को हांगकांग प्रशासन ने भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। वोंग ने चुनाव के दौरान लोकतंत्र समर्थक नेता की रैली में दो गाने गाए। यहां लोगों को मनोरंजन के साथ नाश्ता दिया गया। प्रशासन ने इसे भ्रष्टाचार की श्रेणी में माना है।

हांगकांग में भ्रष्टाचार के खिलाफ बने एक स्वतंत्र आयोग की रिपोर्ट पर एंथोनी वोंग की गिरफ्तारी की गई। बाद में अदालत ने उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया। वोंग पर आयोग ने आरोप लगाया है कि उन्होंने 2018 में लोकतंत्र समर्थक औ नोक हिन के विधान परिषद के उपचुनाव में रैली में भाग लेकर कार्यक्रम किया।

आयोग ने इसको भ्रष्टाचार माना है। रैली का वोंग के नाम से सोशल मीडिया में प्रचार भी किया गया था। नेता औ नोक हिन इस समय जेल में है। वह भी उन 47 लोगों में शामिल हैं, जिनकी पिछले साल चुनाव में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी की गई थी। एंथोनी वोंग हांगकांग के बड़े गायक हैं।

अमेरिका में डेल्टा वैरिएंट के साथ ही आरएसवी से भी बच्चे हो रहे पीड़ित

न्यूयार्क टाइम्स से

वाशिंगटन : कोरोना महामारी की दो लहरों का सामना करने वाले अमेरिका में इस घातक वायरस का कहर फिर बढ़ रहा है। इस बार डेल्टा वैरिएंट कारण बन रहा है। बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। बच्चों में डेल्टा वैरिएंट का संक्रमण बढ़ने पर चिंता जताई जा रही है। यहां के बच्चों पर डेल्टा के अलावा रेस्पिरेटरी सीनसीटियल वायरस (आरएसवी) का भी कहर देखने को मिल रहा है। यह बेहद संक्रामक वायरस है। इससे आमतौर पर बच्चे और बुजुर्ग प्रभावित होते हैं।

अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन के डाटा के अनुसार, देश में आरएसवी के मामले गत जून से लगातार बढ़ रहे हैं। इस वायरस के मामलों में सबसे बड़ी वृद्धि गत माह आई। इस बीमारी के सामान्य लक्षण नाक बहना, खांसी, छींक और बुखार हैं। इस बीच, ह्यूस्टन के टेक्सास चिल्ड्रेंस अस्पताल की बाल रोग विशेषज्ञ हीथर हक ने ट्वीट के जरिये बताया कि अस्पतालों में कोरोना और आरएसवी के मामले बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा, 'कई महीने से बच्चों में कोरोना के मामले नहीं मिल रहे थे, लेकिन अब इनके मामलों में उछाल आया है।' उन्होंने बताया, 'दो हफ्ते के शिशु से लेकर 17 साल के बच्चे तक कोरोना पीड़ित मिल रहे हैं। आरएसवी के साथ कोरोना के मामले बढ़ने से चिंता बढ़ गई है।' अमेरिका में आरएसवी का प्रकोप ऐसे समय बढ़ रहा है, जब बीते दो हफ्ते में कोरोना संक्रमण में 148 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में भी 73 फीसद की बढ़ोतरी आई है। कोरोना संक्रमण बढ़ने के लिए टीकाकरण की धीमी रफ्तार और डेल्टा वैरिएंट को कारण बताया जा रहा है।

प्रतिबंधों के विरोध में प्रदर्शन : जर्मनी में कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए सरकार द्वारा किए गए कठोर प्रतिबंधात्मक उपायों के विरोध में हजारों की संख्या में लोगों ने राजधानी बर्लिन में प्रदर्शन किया। इस दौरान महात्मा गांधी का पोर्ट्रेट लेकर प्रदर्शन में शामिल हुई महिला को हिरासत में लेते पुलिसकर्मी। रायटर

अमेरिका में बिगड़ रहे हालात : फासी

समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार, अमेरिका के संक्रामक रोग विशेषज्ञ एंटोनी फासी ने कहा कि देश में डेल्टा वैरिएंट के चलते हालात बिगड़ रहे हैं। इस वैरिएंट के चलते नए मामलों में तेज उछाल आ रहा है। हालांकि उन्होंने अमेरिका में फिर लाकडाउन लगाने की संभावना से इन्कार किया है। फासी कोरोना महामारी पर बाइडन प्रशासन के सलाहकार भी हैं।

चीनी लैब से ही लीक हुआ कोरोना वायरस

▸ ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की रिपोर्ट में किया गया दावा

वाशिंगटन, रायटर: अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी ने दावा किया है कि कोरोना वायरस चीन की एक लैब से ही लीक हुआ। ठोस साक्ष्यों से यह साबित हुआ है। यह रिपोर्ट सोमवार को जारी की गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति रहते ट्रंप ने भी यह दावा किया था कि चीनी लैब से ही कोरोना बाहर निकला। इसके ठोस प्रमाण हैं। ट्रंप के बाद सत्ता में आए राष्ट्रपति जो बाइडन ने गत मई में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को आदेश दिया था कि वे 90 दिनों में कोरोना के स्रोत का पता लगाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। लेकिन एजेंसियां अभी तक किसी नतीजे पर पहुंच नहीं पाई हैं।

विपक्षी रिपब्लिकन की रिपोर्ट के अनुसार, इसके पर्याप्त साक्ष्य हैं कि चीनी लैब वुहान इंस्टीट्यूट आफ वायरोलाजी के विज्ञानी कोरोना वायरस पर काम कर रहे थे। यह रिपोर्ट जारी करते हुए शीर्ष रिपब्लिकन सांसद माइक मैककाल ने सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी से आग्रह किया कि दोनों दल मिलकर कोरोना की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए जांच करें। यह संदेह जताया जाता है कि चीनी लैब से ही किसी चूक के चलते कोरोना लीक हुआ और पूरी दुनिया में फैल गया।

12 सितंबर, 2019 से पहले लीक हुआ था वायरस

चीन वुहान लैब से कोरोना के लीक के आरोपों को खारिज करता रहा है। कुछ विशेषज्ञ भी वुहान के समीप स्थित सीफूड मार्केट से संक्रमण शुरू होने को लेकर संदेह जता चुके हैं। रिपब्लिकन रिपोर्ट कहती है, 'हमारा मानना है कि सीफूड मार्केट को स्रोत मानने की बात खारिज करने का वक्त है। ठोस प्रमाण से साबित होता है कि वायरस वुहान लैब से लीक हुआ था। यह घटना 12 सितंबर, 2019 से पहले हुई थी।' चीन में कोरोना के पहले की पुष्टि दिसंबर, 2019 में हुई थी।

न्यूज गैलरी

पाक में लगातार दूसरे दिन एक और पुलिसकर्मी की हत्या

पेशावर: खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान में पोलियो टीकाकरण की टीम की सुरक्षा में जा रहे एक पुलिसकर्मी की मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी। दो दिन में इस तरह की यह दूसरी घटना है। एक दिन पहले पेशावर के ही दौदजाई क्षेत्र में भी ऐसी ही घटना हुई थी। यहां पुलिसकर्मी पोलियो टीम को सुरक्षा देकर अपने घर लौट रहा था। पाक में पांच दिन का पोलियो अभियान चल रहा है। (प्रेट्र)

कैलिफोर्निया में हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त, चार लोग मरे

कोलुसा: उत्तरी कैलिफोर्निया के दूरस्थ क्षेत्र में हेलीकाप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। कोलुसा काउंटी शेरिफ कार्यालय से यह जानकारी दी गई। हेलीकाप्टर में सवार लोगों की पहचान नहीं बताई गई है। एजेंसियां घटना की जांच कर रही हैं। (एपी)

युद्धाभ्यास इंद्र 2021 के लिए भारतीय सेना रूस पहुंची

वोल्गोग्राद : भारतीय सैनिकों का दल रूस में संयुक्त युद्धाभ्यास के लिए वोल्गोग्राद पहुंच गया है। यहां भारतीय सैनिकों का रूसी मिलिट्री बैंड ने स्वागत किया गया। इंद्र 2021 में भारत और रूस के 250 सैनिक भाग ले रहे हैं। इस अभ्यास में आतंकवाद से निपटने के लिए भी ट्रेनिंग होगी। (एएनआइ)

पाक के खिलाफ पश्तूनों की न्यूयार्क में रैली

न्यूयार्क: पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट ने अपने नेता अली वजीर की अवैध नजरबंदी और अफगानिस्तान में छद्म युद्ध लड़ने के विरोध में न्यूयार्क में कार रैली निकाली। अली वजीर मानवाधिकार और सेना के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाते रहते हैं। इस रैली में न्यूयार्क और कनेक्टिकट के लोगों ने भाग लिया। (एएनआइ)

जलवायु कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

दुनियाभर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अनेक संगठन सक्रिय होकर संघर्ष कर रहे हैं। यह संगठन ऐसी परियोजनाओं का मुखर विरोध कर रहे हैं, जो पर्यावरण की दृष्टि से नुकसानदायक हैं। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली जीवाश्म ईंधन परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण करने वाले बड़े बैंकों के विरोध में राइज अप फार चेंज के जलवायु कार्यकर्ताओं ने जर्मनी के ज्यूरिख में यूबीएस के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन किया। यूबीएस स्विस बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी है, जिसकी गिनती दुनिया के सबसे बड़े निजी बैंक के रूप में की जाती है। रायटर

बेलारूस की रेसर ने जापान से वापस जाने से किया इन्कार

टोक्यो, एपी : जापान में ओलंपिक खेलों के दौरान सोमवार को एयरपोर्ट पर हंगामा हो गया। खेलों में भाग लेने आई बेलारूस की एथलीट क्रिस्टसीना सीमानौस्काया (24) ने अपने देश लौटने से इन्कार कर दिया। कहा कि वहां पर उन्हें खतरा है। हवाई अड्डे पर ही उन्होंने वहां तैनात जापानी पुलिस की मदद ले ली। इसके बाद उन्हें टोक्यो स्थित पोलैंड के दूतावास ने मानवीय आधार पर अपने देश का वीजा उपलब्ध करा दिया। चेक गणराज्य ने भी एथलीट को शरण देने का प्रस्ताव रखा है। क्रिस्टसीना ने यूरोप में रहने की इच्छा जताई है।

इससे पहले अपने देश में सरकार विरोधी आंदोलनों से विचलित क्रिस्टसीना ने आरोप लगाया कि जापान आए बेलारूस ओलंपिक एसोसिएशन के अधिकारी और कोच उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर रहे। उन पर गुरुवार को 4 गुणा 400 मीटर रिले रेस में भाग लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है, जिसमें वह पहले कभी नहीं दौड़ीं। बीते शुक्रवार को क्रिस्टसीना 100 मीटर की रेस में दौड़ी थीं और सोमवार को उन्हें 200 मीटर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेना था। लेकिन उससे पहले ही रविवार को विवाद के चलते बेलारूस के अधिकारियों ने उनसे वापस जाने के लिए कह दिया। भविष्य के दुष्परिणामों से आशंकित क्रिस्टसीना ने भी इस्तांबुल जाने वाले विमान में बैठने से इन्कार कर दिया। साथ ही उन्होंने इंस्टाग्राम व अन्य माध्यमों से समाचार एजेंसियों और न्यूज चैनलों को मैसेज भेजकर अधिकारियों के भेदभाव और अपनी इच्छा से अवगत करा दिया। ऐसे ही एक मैसेज क्रिस्टसीना ने लिखा-मैं दबाव में हूं। अधिकारी मेरी इच्छा के विरुद्ध मुझे जबर्दस्ती जापान से बाहर ले जाना चाहते हैं। इसके बाद सक्रिय हुए मानवाधिकार संगठनों ने एथलीट के पक्ष में बोलना शुरू कर दिया। बेलारूस स्पोर्ट सोलिडेरिटी फाउंडेशन ने कहा है कि ग्रुप ने क्रिस्टसीना के लिए टोक्यो से पोलैंड की राजधानी वारसा जाने का चार अगस्त का हवाई टिकट बुक करा दिया है। बेलारूस के सरकार विरोधी लोग पहले भी पोलैंड में शरण लेते रहे हैं। बेलारूस में राष्ट्रपति एलेक्जेंडर ल्यूकाशेंको की सत्ता के खिलाफ 2020 में हुए चुनाव के बाद से ही आंदोलन चल रहा है। विरोधियों का आरोप है कि 1994 से सत्ता में काबिज ल्यूकाशेंको ने गड़बड़ी करके चुनाव जीता है। क्रिस्टसीना के भी सरकार विरोधी आंदोलन के प्रति सहानुभूति रखने की खबर है।

दशकों बाद खिलाड़ी ने किया वापस न जाने का एलान

ओलंपिक और विदेशी दौरों पर आने वाले खिलाड़ियों के अन्य देशों में शरण लेने की घटना नई नहीं है। दुष्परिणामों की आशंका और राजनीतिक कारणों से खिलाड़ी ऐसा करते रहे हैं। 1972 में म्यूनिख ओलंपिक के दौरान विभिन्न देशों के 117 खिलाड़ियों ने अपने देश वापस जाने से इन्कार कर दिया था। इसी प्रकार से चार रोमानियाई खिलाड़ियों और उनके एक रूसी सहायक ने 1976 के मान्ट्रियल ओलंपिक के दौरान अन्य देशों से शरण मांगी थी। क्यूबा के एथलीट बाद के ओलंपिक खेलों में भी अपने देश को छोड़ते रहे। लेकिन कई दशकों के बाद क्रिस्टसीना बेलारूस न जाने की घोषणा करने वाली पहली एथलीट हैं।

जापान के हनेडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस अधिकारियों से बात करती बेलारूस की एथलीट क्रिस्टसीना सीमानौस्काया। रायटर

पति भी देश छोड़कर यूक्रेन पहुंचे

कीव, रायटर : स्वदेश लौटने से इन्कार करने वाली बेलारूस की एथलीट क्रिस्टसीना सीमानौस्काया के फैसले की जानकारी मिलने पर उनके पति आर्सेनी जदानेविच भी बेलारूस छोड़कर यूक्रेन चले गए। यूक्रेन के गृह मंत्रालय ने एक व्यक्ति के सीमा पार से यूक्रेन आने की पुष्टि की है लेकिन जदानेविच की प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई है।

भारतीय छात्र की चीन में संदिग्ध मौत

बीजिंग, प्रेट्र: चीन के तियानजिन शहर में बीस वर्षीय भारतीय छात्र की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह अपने कमरे में मृत पड़ा मिला। अभी मौत का स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है।

बिहार के गया जिले का निवासी 20 वर्षीय अमन नागसेन तियानजिन फारेन स्टडीज यूनिवर्सिटी में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कर रहा था। 29 जुलाई को वह अपने कमरे में मृत पड़ा मिला। चीनी अधिकारियों का कहना है कि अमन की मौत कैसे हुई, इस संबंध में जांच की जा रही है। इससे ज्यादा विवरण नहीं दिया गया है। अमन उन चुनिंदा छात्रों में थे, जो कोरोना महामारी में चीन में ही रह गए हैं। जबकि 23 हजार भारतीय छात्र अपने देश लौट आए हैं। घटना के संबंध में अमन के परिजनों व भारतीय दूतावास को जानकारी दे दी गई है। छात्र के शव को भारत लाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि वर्तमान में भारत व चीन के बीच कोई फ्लाइट नहीं है। कोरोना के कारण सभी फ्लाइट बंद हैं।

ओलिंपिक में महिला टीम का प्रदर्शन

वर्ष	मेजबान	प्रदर्शन
1980	मास्को	चौथा स्थान
2016	रियो	12वां स्थान
2020	टोक्यो	सेमीफाइनल

कठिनाइयों को मात देकर बनीं देश की रानियां

रियो ओलिंपिक में 12वें स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम टोक्यो में पहली बार खेल महाकुंभ के सेमीफाइनल में पहुंची, जगाई पहले पदक की उम्मीद

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

किसी के पिता घोड़ा बुग्गी चलाते थे तो किसी के पिता दर्जी या किसान हैं, किसी ने बांस की स्टिक से हाकी खेलनी सीखी तो किसी की मां ने दूसरों के घरों में काम करके अपनी बेटी को हाकी खिलाई। अब ये बेटियां झोपड़ियों से निकलकर 1.3 अरब भारतीयों के दिलों तक पहुंच गईं हैं। भारतीय महिला हाकी टीम पहली बार ओलिंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची है लेकिन टीम की 16 खिलाड़ियों ने निजी जिंदगी में हर रोज कठिनाइयों के फाइनल जीते हैं।

2016 रियो ओलिंपिक में महिला टीम 12वें स्थान पर रही लेकिन टोक्यो में टीम कुछ कर गुजरने के लिए आई थी। शुरुआती तीन मुकाबलों में शिकस्त के बाद रानी रामपाल की टीम ने लगातार दो मैच जीते और क्वार्टर फाइनल में पहुंची। अब आस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर टीम सेमीफाइनल में पहुंची है जहां उसका मुकाबला अर्जेंटीना से होना है। हम आपको भारत को गर्व के क्षण देने वाली इन खिलाड़ियों के बारे में बता रहे हैं।

आत्मविश्वास जगाने वाली फिल्म देखने से मिला फायदा : मारिन

टोक्यो : भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि तीन हार से टीम का मनोबल टूट गया था, लेकिन इसके बाद खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास जगाने वाली फिल्म देखी जिससे उनमें नई ऊर्जा भरी और वे पहली बार ओलिंपिक सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने में सफल रही। उन्होंने कहा, 'खुद पर विश्वास करने व अपने सपनों पर विश्वास करने से अंतर पैदा हुआ। यह अहम चीज थी और हमने यही किया। यदि आप हार जाते हैं तो आप स्वयं पर विश्वास करना नहीं छोड़ते हैं और यही मैंने लड़कियों से कहा। सबसे महत्वपूर्ण उस पल में जीना होता है। मैंने उन्हें एक फिल्म दिखाई। यह फिल्म वर्तमान पल को जीने से जुड़ी थी व मुझे लगता है कि इससे वास्तव में मदद मिली।' मारिन ने फिल्म का नाम बताने से इन्कार करते हुए कहा, 'मैंने इसका जिक्र अपनी किताब में किया है जो मैंने लाकडाउन में भारत में अपने अनुभवों के बारे में लिखी है।'

रानी बोलीं, बस खुद पर विश्वास करें, हम यह कर सकते हैं: टोक्यो : भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान रानी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या कहूं, क्योंकि इस समय जज्बात पर काबू रखना मुश्किल हैं। हम सभी बहुत खुश हैं क्योंकि आस्ट्रेलिया के खिलाफ जीतना आसान नहीं था। मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है। हर खिलाड़ी ने वास्तव में पूरे मैच में काफी मेहनत की है। हमने एक-दूसरे से बस एक ही बात कहा था, बस खुद पर विश्वास करो, हम इसे (आस्ट्रेलिया पर जीत दर्ज) यह कर सकते हैं।' रानी ने कहा, 'मुझे विश्वास था कि हम पूरे मैच के दौरान वास्तव में कड़ी मेहनत कर सकते हैं। यह सिर्फ 60 मिनट तक पूरी एकाग्रता के साथ खेलने के बारे में था। हम आगे क्या होगा इसके बारे सोचने की जगह मैच के 60 मिनट पर ध्यान देने के साथ अपना सब कुछ झोकने को तैयार थे। सभी ने ऐसा ही किया।

रानी रामपाल | फारवर्ड

कप्तान रानी के पिता रामपाल मजदूरी करते थे। मां राममूर्ति गृहिणी हैं। रामपाल बेटी को घोड़ा बुग्गी में हाकी के मैदान तक लेकर जाते थे। हाल में ही उनको कोरोना हो गया था। वह इसके बाद लगातार बेड पर हैं। रानी के माता-पिता के पास हाकी किट व जूते खरीदने के पैसे नहीं थे। जब वह महज 13 साल की थीं तभी उन्हें जूनियर इंडिया के कैंप के लिए चयनित किया गया था। वह लगातार दूसरी बार ओलिंपिक में खेल रही हैं।

शोर्ड मारिन | कोच

नीदरलैंड्स के मारिन 2017 में कोच बने थे, लेकिन बाद में उन्हें उसी साल पुरुष टीम का कोच बना दिया। 2018 में उन्हें फिर महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया। मारिन नीदरलैंड्स के लिए खेल चुके हैं। वह नीदरलैंड्स की अंडर-21 महिला टीम के कोच थे और टीम को विश्व कप दिलाया था। उनके मार्गदर्शन में ही नीदरलैंड्स की महिला सीनियर टीम 2015 हाकी विश्व लीग में चैंपियन बनी थी। मारिन कोविड-19 के कारण अपने परिवार से नहीं मिल पाए।

निक्की प्रधान | डिफेंडर

खूंटी की निक्की के पिता सोमा प्रधान भी किसान हैं। निक्की पांच भाई बहनों में दूसरे नंबर की हैं। बड़ी बहन शशि, छोटी बहन कांति व सरीना भी हाकी खिलाड़ी हैं। नंगे पांव और टूटी स्टिक से निक्की ने हाकी खेलना शुरू किया। माड़-भात खाकर पहचान बनाई।

सलीमा टेटे | मिडफील्डर

झारखंड के पिछड़े जिलों में शुमार सिमडेगा की सलीमा के पिता सुलक्षण

टेटे किसान हैं। आर्थिक तंगी में पली बढ़ी सलीमा बांस की स्टिक से लड़कों के साथ अभ्यास करती थीं। ऊबड़-खाबड़ मैदान पर सलीमा दिन रात मेहनत करते हुए इस मुकाम तक पहुंचने में सफल हुई है। ओलिंपिक में बेटी को खेलते हुए देखना इस परिवार के लिए सपना ही था। परिवार के पास टीवी नहीं था। कुछ दिनों पहले जिला प्रशासन ने परिवार को टीवी दिया है।

लालरेमसिआमी | फारवर्ड

ओलिंपिक में खेलने वाली मिजोरम की पहली खिलाड़ी लालरेमसियामी को साथी प्यार से सियामी बुलाती हैं। उनके परिवार के कई सदस्य नही चाहते थे कि वह हाकी खेलें। वह मुश्किल से हिंदी और अंग्रेजी बोल पाती थी। उन्हें साथियों के साथ इशारों के से संवाद करना पड़ता था। उन्होंने पिछले साल एफआइएच सीरीज फाइनल्स में चिली के खिलाफ मैच से पहले अपने पिता को खो दिया था।

शानदार प्रदर्शन। महिला हाकी टीम हर कदम पर इतिहास रच रही है। आस्ट्रेलिया को हराकर हम पहली बार ओलिंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।
अनुराग ठाकुर, केंद्रीय खेल मंत्री

अद्भुत सुबह। अपनी महिला हाकी टीम पर बहुत गर्व है। जिस तरह से खेल हमें एकजुट करता है, वैसा कुछ और नहीं करता।
– **अभिनव बिंद्रा**, ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज

भारतीय महिला हाकी टीम को बधाई। टीम ने आस्ट्रेलिया पर जोरदार जीत दर्ज की। टीम अपनी जीत का सिलसिला जारी रखे और देश का नाम रोशन करे। टीम को शुभकामनाएं।
नवीन पटनायक, मुख्यमंत्री, ओडिशा

दोनों भारतीय हाकी टीम को बधाई। हाकी इंडिया के पूर्व अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय हाकी संघ के अध्यक्ष नरेंद्र बत्रा का भी भारतीय हाकी को बढ़ाने में काफी योगदान है।
सीके खन्ना, पूर्व अध्यक्ष, बीसीसीआइ

दीप ग्रेस एक्का | डिफेंडर

आदिवासी किसान परिवार में जन्मी ग्रेस तीन बेटों और दो बेटियों में

सबसे छोटी हैं। उन्होंने 12 साल की उम्र तक स्टिक को छुआ भी नहीं था। जब उन्होंने खेलना शुरू किया तो उनके परिवार वालों को आलोचनों का शिकार होना पड़ा क्योंकि दीप घर के काम करने की बजाय हाकी खेल रही थीं। 27 वर्षीय ग्रेस शुरू में गोलकीपर बनना चाहती थी, लेकिन उनके भाई और मामा ने उन्हें डिफेंडर बनने के लिए प्रेरित किया।

उदिता | डिफेंडर

उदिता के पिता यशवीर सिंह दूहन पुलिस में थे। बीमारी के कारण उनका नवंबर

2015 में निधन हो गया जिसके बाद माता गीता देवी ने कठिन परिस्थितियों में उदिता का पालन-पोषण किया था। परिवार के लोग चाहते थे कि वह पैतृक गांव भिवानी के नांगल में बस जाएं लेकिन गीता ने बेटी को शहर में रखा ताकि वह खेल में नाम कमाकर पिता के सपने को पूरा कर सके। पिता का सपना था कि वह हाकी खिलाड़ी बनें।

शर्मिला देवी | फारवर्ड

हिसार के कैमरी की रहने वाली शर्मिला के पिता सुरेश कुमार किसान हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण वह आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। जब वह चौथी क्लास में थी, तब स्टिक थाम ली। इसी दौरान कोच प्रवीण सिहाग से मुलाकात हुई और उन्होंने उसकी खेल प्रतिभा को निखारा।

सुशीला चानू | मिडफील्डर

टीम की सबसे अनुभवी 29 वर्षीय खिलाड़ी चानू ने 11 वर्ष की उम्र में ही हाकी पकड़ ली थी। इंफाल की चानू के पिता ड्राइवर थे। सुशीला ने हार नही मानी और हाकी खेलती गई। चानू खुद टिकट कलेक्टर रही हैं। वह 2014 और 2018 कामनवेल्थ गेम्स में भारतीय टीम की सदस्य रही थीं।

नवजोत कौर | मिडफील्डर

नवजोत मूल रूप से शाहाबाद की रहने वाली है। पिता सतनाम सिंह

की कुरुक्षेत्र में दुकान है और मां मंजीत कौर गृहिणी हैं। नवजोत की दूसरी बहन सिमरनजीत मोहाली में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही । नवजोत दूसरी बार ओलिंपिक टीम में शामिल हुई। वह 2014 से भारतीय महिला हाकी टीम में है।

वंदना कटारिया | फारवर्ड

हरिद्वार की रहने वाली वंदना ने 2004 से 2006 तक मेरठ में खेल

का ककहरा सीखा था। वंदना के पिता नाहर सिंह भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में कार्यरत हैं। टोक्यो में भी पहली बार हैट्रिक मारकर वंदना ने नया इतिहास रचा है। वह ऐसा करने वाली एकमात्र भारतीय हैं।

नेहा गोयल | मिडफील्डर

नेहा के पिता के पास कमाई का साधन नहीं था। एक सहेली ने बताया कि हाकी खेलने से अच्छे जूते और कपड़े मिलेंगे। उन्हें जिला स्तर का मुकाबला जीतने के बाद उन्हें दो हजार रुपये का इनाम मिला। बेटी को आगे बढ़ाने के लिए मां सावित्री फैक्ट्री में काम करने लगीं। इसके बाद नेहा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सविता पूनिया
गोलकीपर

महिला हाकी टीम की उपकप्तान सविता रियो ओलिंपिक में भी टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। सिरसा के जोधकां गांव निवासी इस खिलाड़ी को खेल में उम्दा प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवार्ड भी मिल चुका है। सविता के पिता महेंद्र सिंह पूनिया फार्मासिस्ट हैं। वह किसान परिवार से जुड़ी हैं। इन्होंने गांव की पगडंडियों से खेलना शुरू किया था।

निशा वारसी | मिडफील्डर

निशा के पिता सोहराब दर्जी का काम करते हुए किराए के मकान में रहकर

परिवार का पेट पालने की जद्दोजहद में उलझे थे। इस बीच सोहराब को लकवा मार गया। तब बेटी का सपना साकार करने की जिम्मेदारी मां महरून ने निभाई। वह फैक्ट्री में काम कर परिवार चलाने लगी, जिसके बाद निशा का खेलना जारी रह पाया।

मोनिका मलिक | मिडफील्डर

मोनिका गांव गामड़ी की गलियों में खेलते हुए पहली बार हाकी पकड़ी थी। दादी चंद्रपति ने पोती की प्रतिभा को परखा था। चंद्रपति ने बेटे तकदीर सिंह को प्रेरित किया। चंडीगढ़ पुलिस में कार्यरत तकदीर तब पत्नी कमला, बेटी मोनिका और बेटों को चंडीगढ़ ले गए।

गुरजीत कौर | डिफेंडर

अमृतसर की गुरजीत के पिता सरदार सतनाम सिंह किसान हैं। गुरजीत का सपना अंतरराष्ट्रीय फलक पर शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करना था। गुरजीत अब उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डीआरएम कार्यालय में बतौर वरिष्ठ लिपिक सेवाएं दे रही हैं।

(हरियाणा, उप्र व झारखंड के इनपुट सहित)

भारत के आज के मैच

अन्य मुकाबले

एथलेटिक्स
- भाला फेंक (महिला वर्ग) : क्वालीफिकेशन, सुबह 5 :50 बजे से
  खिलाड़ी : अनु रानी
- गोला फेंक (पुरुष वर्ग) : क्वालीफिकेशन, सुबह 3 :45 बजे से
  खिलाड़ी : तजिंदरपाल सिंह तूर

हाकी (पुरुष)
- सेमीफाइनल, सुबह 7 :00 बजे से, बनाम बेल्जियम

कुश्ती
- अंतिम-16, सुबह 8 :00 बजे से
  खिलाड़ी : सोनम मलिक

प्रसारण : सोनी नेटवर्क पर

बेल्जियम को फाइनल में पहुंचने से रोक सकती है हाकी टीम

धनराज पिल्लै
टॉनिक

भारतीय खेल प्रशंसकों के लिए ये शानदार रविवार रहा। लगातार दो ओलिंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने के लिए पीवी सिंधू को बहुत बधाई। पदक तक का उनका सफर बहुत प्रेरणादायी है और इससे युवा भारतीयों को ये भरोसा भी मिलेगा कि वो अपने सपनों को पूरा करने में यकीन कर सकें। अब हाकी की बात करते हैं। कहा जाता है कि रोम एक दिन में नहीं बना था। उसी तरह इस हाकी टीम ने भी इन सात दिनों में वो कुछ दिखाया है जिसकी तैयारी उन्होंने पांच साल से की। आस्ट्रेलिया से मिली 1-7 की करारी हार के बाद मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम ने ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ मजबूती से खड़े रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। खेल गलतियों से सबक लेने का नाम है।

भारतीय टीम का ये सफर अपने तीसरे ओलिंपिक में हिस्सा ले रहे ग्रेट इंडियन वाल गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सुरक्षित हाथों में है। तीसरे और चौथे क्वार्टर में जब ब्रिटेन की टीम गोल करने के लिए बेहद आक्रामक थी तब श्रीजेश ने बेशकीमती बचाव किए। एक जीत के बाद सुधार पर बात करना अजीब हो सकता है, लेकिन हमें 2-0 की बढ़त बनाने के बाद गेंद पर अधिक से अधिक कब्जा जमाने पर फोकस करना चाहिए था। सेमीफाइनल में बेल्जियम के खिलाफ नया मैच होगा। भारत बेल्जियम को फाइनल तक पहुंचने से रोक सकता है। अभी तक टीम ने मैदान के अंदर और बाहर जिस तरह खुद को संभाला है, उस पर पूरे देश को नाज है। हमें खिलाड़ियों को कार्ड मिलने से बचाना होगा क्योंकि बेल्जियम के खिलाफ 10 खिलाड़ियों से खेलना मुश्किल हो सकता है। देश को पूरा विश्वास है कि ये ऐतिहासिक दिन होगा। वहीं, महिला टीम ने भी जिस तरह चीजें अपने पक्ष में की वो सराहनीय काम है। मैंने सोमवार ये मैच देखा और जिस तरह भारतीय महिला टीम ने अपनी योजना को लागू किया उसे देखकर मैं खुश हूं। गुरजीत कौर ने पेनाल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया, उसे देखकर मैं काफी खुश हूं। (टीसीएम)

जिम्नास्टिक्स की बैलेंस बीम स्पर्धा में नजर आएंगी सिमोन

टोक्यो, एपी : अमेरिका की दिग्गज जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स टोक्यो ओलिंपिक की स्पर्धाओं में वापसी करते हुए मंगलवार को बैलेंस बीम के फाइनल में चुनौती पेश करेंगी। 2016 रियो ओलिंपिक की चैंपियन बाइल्स ने एक सप्ताह पहले मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने का हवाला देते हुए कुछ स्पर्धाओं से हटने का फैसला किया था।

अमेरिकी जिम्नास्टिक्स ने कहा गया, 'हम यह पुष्टि करते हुए बहुत उत्साहित हैं कि आप दो अमेरिकी एथलीटों सुनि ली और सिमोन बाइल्स को बैलेंस बीम फाइनल में देखेंगे।'

24 साल की बाइल्स ने पांच साल पहले रियो डि जेनेरियो में बैलेंस बीम में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने टोक्यो में पिछले सप्ताहांत एरियाके जिम्नास्टिक्स केंद्र में आठ महिलाओं के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। इसके बाद 27 जुलाई को वाल्ट पर पहले रोटेशन के दौरान निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्होंने खुद को टीम फाइनल से हटा लिया।

सिमोन बाइल्स ने सभी पांच व्यक्तिगत स्पर्धाओं के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था लेकिन उनमें से चार में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया।

पदक तालिका

	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	29	17	16	62
अमेरिका	22	25	17	64
जापान	17	6	10	35
आस्ट्रेलिया	14	4	15	33
आरओसी	12	21	17	50
ग्रेट ब्रिटेन	11	12	12	35
फ्रांस	6	10	7	23
जर्मनी	6	6	11	23
द. कोरिया	6	4	9	19
नीदरलैंड्स	5	7	6	18
भारत	0	1	1	2

नोट : भारत तालिका में 62वें स्थान पर है। आरओसी (रूसी ओलिंपिक समिति)

छठे स्थान पर रहीं कमलप्रीत

टोक्यो, प्रेट्र : भारतीय चक्का फेंक खिलाड़ी कमलप्रीत कौर ओलिंपिक में वर्षा बाधित फाइनल में 63.70 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो लगाकर छठे स्थान पर रहीं। शनिवार को क्वालीफाइंग दौर में दूसरे स्थान पर रही कमलप्रीत आठ दौर के फाइनल में कभी भी पदक की दौड़ में नहीं रहीं। बारिश के कारण मुकाबला एक घंटे तक बाधित रहा। कमलप्रीत ने तीसरे दौर में 63.70 मीटर का थ्रो फेंका और छठे स्थान पर रहीं। इससे पहले 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा पूनिया भी लंदन ओलिंपिक 2012 में छठे स्थान पर रही थीं। अमेरिका की वालारी आलमैन 68.98 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण, जर्मनी की क्रिस्टीन पुडेंज को रजत और मौजूदा विश्व चैंपियन क्यूबा की येमे पेरेज को कांस्य पदक मिला।

कमलप्रीत कौर • प्रेट्र

दुती अंतिम स्थान पर रहकर बाहर : फर्राटा धाविका दुती चंद ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन वह अपनी हीट में सातवें और अंतिम स्थान पर रहकर ओलिंपिक से बाहर हो गईं। दुती ने चौथी हीट में 23.85 सेकेंड का समय निकाला जो उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

ऐश्वर्य और राजपूत ने भी किया निराश : ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और संजीव राजपूत पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।

कहानी टोक्यो में कांस्य पदक जीतने के बाद गोपीचंद ने वधाई दी लेकिन साइना नेहवाल ने वात नहीं की

सेमीफाइनल में हारने के बाद निराश थी : पीवी सिंधू

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी पीवी सिंधू ने सोमवार को कहा कि सेमीफाइनल में हार के बाद मैं निराश थी क्योंकि मैं स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश नहीं कर पाई। कोच पार्क ने इसके बाद मुझे समझाया कि अगले मैच पर ध्यान दो। कोच के शब्दों ने मुझे प्रेरित किया और मैंने अपना पूरा ध्यान कांस्य पदक के मुकाबले पर लगाया। मैच जीतने के बाद पांच से 10 सेकेंड तक मैं सब कुछ भूल गई थी। इसके बाद मैंने खुद को संभाला और जश्न मनाते हुए चिल्लाई।'

पीवी सिंधू • प्रेट्र

सिंधू ने कहा कि पिछले एक साल से अधिक समय में महामारी (कोविड-19) के कारण स्थिति पूरी तरह बदल गई। काफी टूर्नामेंट रद हो गए, लेकिन इस दौरान मुझे अपने खेल पर अधिक काम करने का मौका भी मिला जो टूर्नामेंटों के दौरान संभव नहीं हो पाता।' सिंधू ने जब हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम स्टेडियम को छोड़कर लंदन में ट्रेनिंग करने का फैसला किया था तो काफी विवाद हुआ था और भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि अगर आपको बेहतर जगह ट्रेनिंग का मौका मिल रहा है तो इसमें कोई दिक्कत नहीं है। सिंधू ने रियो से टोक्यो के बीच तीन कोचों के साथ काम किया। पार्क ने मिल रही बधाइयों के लिए भारतीय प्रशंसकों को धन्यवाद दिया।

साइना ने बधाई नहीं दी : यह पूछने पर कि क्या पदक जीतने के बाद गोपीचंद और साइना ने उनसे बात की, सिंधू ने कहा, 'बेशक गोपी सर ने मुझे बधाई दी। मैंने अब तक इंटरनेट मीडिया नहीं देखा है। मैं धीरे-धीरे सभी को जवाब दे रही हूं। गोपी सर ने मुझे संदेश भेजा। साइना ने नहीं। हम काफी बात नहीं करते।' पिछले साल सिंधू तीन महीने की ट्रेनिंग के लिए लंदन गई थी जिसके बाद उनके और गोपीचंद के बीच मतभेद की खबरें सामने आई थी।

ट्रेनिंग की जिम्मेदारी मिलने के बाद दबाव में था : पार्क

नई दिल्ली : भारत के विदेशी कोच पार्क ताई-सांग ने कहा है कि सिंधू को टोक्यो के लिए ट्रेनिंग की जिम्मेदारी दिए जाने के बाद वह दबाव महसूस कर रहे थे। दक्षिण कोरिया के 42 वर्षीय पार्क को पुरुष सिंगल्स खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के लिए चुना गया था, लेकिन किम जि ह्युन के 2019 में पद छोड़ने के बाद उन्होंने सिंधू के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने कहा, 'यह पहला मौका है जब मेरे कोचिंग करियर में मेरे खिलाड़ी ने पदक जीता है। मैंने जब सिंधू को कोचिंग देनी शुरू की तो वह स्टार थीं। कोरिया के मेरे खिलाड़ी भी ओलिंपिक पदक नहीं जीत पाए थे इसलिए मैं सिंधू को स्वर्ण दिलाने का प्रयास कर रहा था।

आज भारत के कुश्ती अभियान की शुरुआत करेंगी सोनम मलिक

टोक्यो, प्रेट्र : भारत के सात पहलवान टोक्यो खेलों में जब अपने अभियान की शुरुआत करेंगे तो सभी की नजरें बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट पर टिकी होंगी जिन्होंने ओलिंपिक से पहले शानदार प्रदर्शन करके पदक की उम्मीदें जगाई है।

कुश्ती में भारत के अभियान की शुरुआत मंगलवार को यहां सोनम मलिक करेंगी। भारत की ओर से 19 साल की सोनम सबसे पहले महिला 62 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करने उतरेंगी। उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू से भिड़ना है। सोनम सीनियर सर्किट पर नई पहलवान हैं और ऐसे में विरोधी खिलाड़ियों को उनके खेल की अधिक जानकारी नहीं है और भारतीय पहलवान विरोधियों को हैरान कर सकती हैं। सोनम पर दबाव नहीं है और वह पदक के बिना भी लौटती हैं तो इन्हें भविष्य में यहां मिलने वाले अनुभव से फायदा ही होगा।

सोनम मलिक • फाइल फोटो, ट्विटर

एथलेटिक्स : चक्का फेंक एथलीट कमलप्रीत कौर को छोड़ दिया जाए तो अन्य एथलीट अपनी-अपनी स्पर्धा में देशवासियों को निराश कर चुके हैं। अब मंगलवार को भाला फेंक एथलीट अनु रानी और गोला फेंक में तजिंदरपाल सिंह तूर जब मैदान पर उतरेंगे वे अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
मंगलवार, 3 अगस्त, 2021

निर्झरिणी

हजारों योद्धाओं पर विजय प्राप्त की जा सकती है। लेकिन जो अपने मन पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही असली योद्धा कहलाता है।

– महात्मा बुद्ध

सृष्टि के संचालन हेतु शिव हुए अर्द्धनारीश्वर

श्रावण विशेष

रघोत्तम शुक्ल
भारतीय संस्कृति के अध्येता

भगवान शंकर का अर्द्धनारीश्वर श्रीविग्रह सृष्टि के संचालन का प्रतीक रूप तथा स्त्री-पुरुष के एक-दूसरे के पूरक होने व अनिवार्य आमेलन को रेखांकित करता है। आदिकाल में जगत रचयिता ब्रह्मा जी जब सृष्टि सृजन करने का उपक्रम कर रहे थे तो वे ऊहापोह की स्थिति में थे कि कैसे क्या किया जाए? तब उन्हें आकाशवाणी सुनाई दी- 'स्पर्शेषु यत्षोडशमेकविंशः' अर्थात् स्पर्शाक्षरों में सोलहवां और इक्कीसवां यानी 'त' और 'प' करो। वर्णमाला में अ से अः तक स्वर हैं तथा क से ह तक व्यंजन या स्पर्शाक्षर। क्ष त्र ज्ञ संयुक्ताक्षर हैं। निर्देश था- 'तप करो, तप करो'। इस दैवी निर्देश का पालन कर वे कठोर तप करने लगे।

शिव महापुराण, तृतीय शतरुद्र संहिता, अध्याय-तीन के अनुसार, यथा समय उन्हें शक्ति से संयुक्त शिव जी के दर्शन हुए। ब्रह्मा जी का मनोरथ जानते हुए ही उन्होंने इस अर्द्धनारीश्वर रूप में दर्शन दिए और निर्दिष्ट किया कि, 'आप स्त्री-पुरुष के संयोग वाली संयुक्त सृष्टि सृजित करें।' ऐसा कहकर उन्होंने अपनी शक्ति भगवती को शरीर से पृथक करके दिखा दिया। ब्रह्मा जी ने भगवती शक्ति की भक्तिमयी प्रार्थना की और निवेदन किया कि वे दक्ष प्रजापति की कन्या के रूप में जन्म ग्रहण करें, ताकि नारी-कुल की स्थापना हो सके। भगवती मां ने यह प्रार्थना तो मान ही ली, साथ ही अपनी भृकुटियों के मध्य से अपने ही समान एक अन्य नारी भी प्रकट कर दी। विधाता का उद्देश्य पूर्ण हो गया था। वे सब कुछ समझ गये। अतः भोलेनाथ ने शक्ति मां को पुनः अपने में समाहित कर लिया।

आद्य शंकराचार्य ने भी कहा है कि, 'शिव यदि शक्ति से युक्त हों तभी 'प्रभु' होने में समर्थ हैं; उनके बिना वे हिलने-डुलने में भी सक्षम नहीं हैं।' (शिवः शक्त्या युक्तो यदि भवति शक्तःप्रभवितुम्। न चेदेवं देवो न खलु कुशलः स्पन्दितुमपि।।) वैसे भी शिव शब्द से यदि शक्ति अर्थात् छोटी इ की मात्रा हटा ली जाए तो 'शव' शब्द रह जायगा। यह है शक्ति की महिमा और विश्व के सुचारु संचालन में नारी की महत्ता, जिसका रूपक भूतभावन भगवान शंकर का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप है।

'युग तुलसी' राम के किंकर

पुण्यतिथि (9 अगस्त) पर

जैसे सरस्वती खुद प्रवाहमयी हो गई हों। मानस की चौपाइयों के साथ उनकी तल्लीनता समाधि के स्तर पर पहुंच जाती थी और हजारों लोगों का कोरस पूरे वातावरण को आध्यात्मिकता के शीर्ष पर ले जाता था। तुलसी के 'रामचरितमानस' के कितने छोर हो सकते हैं, यह कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन पं. राम किंकर जी (1 नवंबर, 1924 - 9 अगस्त, 2002) हर छोर को मानो पकड़े रहते थे।

जैसे ही वह कहते-'आप सब नेत्र बंद करें और भगवान की राज्यसभा में चलें, जहां सरयू के किनारे स्वर्णिम सिंहासन पर प्रभु श्रीराम सीता जी के साथ विराजमान हैं। श्री भरत जी पीछे छत्र लेकर, दाहिनी ओर श्रीलक्ष्मण जी धनुष-बाण लेकर खड़े हैं और बाईं ओर शत्रुघ्न जी चंवर डुला रहे हैं। हनुमान जी महाराज हमेशा की तरह चरणों में बैठे हैं।' तो लगता था कि पूरा त्रेता आंखों के सम्मुख है और श्रोता भी एक पात्र है। लोगों ने तमाम विशेषण दिए 'युग तुलसी' को, पर वे केवल राम के किंकर (सेवक) ही रहे। श्रीरामचरितमानस की किसी एक चौपाई पर सात अथवा नौ दिवसीय प्रस्तुति में वे मन, बुद्धि और चित्त में सीधे उतरते थे।

रामकिंकर जी तुलसीदास जी की ही तरह पात्रों के संवादों में अपने व्यक्तित्व को नहीं लाए। वह पहले ऐसे मानस मर्मज्ञ थे, जिनका प्रवचन राष्ट्रपति भवन में नौ दिन तक चला और प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने पूरे समय उपस्थित रहकर कथा का श्रवण किया। राम को ज्ञान, सीता को भक्ति और लक्ष्मण को वैराग्य का प्रतीक बनाना रामकिंकर जी से ही संभव था। रामायण को आध्यात्मिक प्रतीकों से वेद और लोक को जोड़ने वाली उनकी व्याख्या होती थी। प्रयागराज में महीयसी महादेवी वर्मा प्रवचन श्रवण के लिए रोज आतीं और कहतीं कि रामकिंकर जी को सुनना राम को जान व देख लेने जैसा है। जब वे कहते थे- 'सारे देवी-देवता और अयोध्या के लोग उस सभा में उपस्थित हैं। वस्तुतः दिखाई देने वाला जो वक्ता है, उसके अंदर प्रभु वक्तृत्व रूप में और आप सब श्रोताओं के अंदर श्रोता रूप में प्रभु ही कथा सुन रहे हैं और सुना रहे हैं।' तो श्रोता जैसे समाधिस्थ होने लगता था।

राजू मिश्र

कोरोना के दौर तक आते-आते हम परिवर्तन के कई पड़ावों से होकर गुजरे हैं। आज जीवन में अधिक चिंताएं व तनाव हैं, जिनसे कुशलता से होकर गुजरना ही हमारे मनुष्य होने की असल परीक्षा है। जीवन प्रवाहमय है, इसके साथ हमें भी गतिशील रहना होगा तथा परिवर्तन को स्वीकारना होगा...

फोटो : इमेजेज बाजार

उन्मुक्त प्रवाह है हमारा जीवन

सामयिक चिंतन

श्री श्री रविशंकर
'आर्ट आफ लिविंग' के प्रणेता
आध्यात्मिक गुरु

जीवन प्रवाहमय है। इसमें परिवर्तन आवश्यक है, जो निरंतर हो भी रहा है। कोरोना के दौर में तो मानव जीवन में व्यापक परिवर्तन हुआ है। कुछ बुरा, तो कुछ अच्छा परिवर्तन। पिछले दो दशकों में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए। महिलाएं अधिक सशक्त हुई हैं, बच्चे और युवा कम उम्र में अधिक समझदार हो रहे हैं। एक तरफ तो ऐसी सकारात्मक बातें हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ नकारात्मक बातें भी हुई हैं। जैसे कि लोगों में उद्विग्नता अधिक बढ़ गई है। पहले सहनशीलता बहुत थी, क्योंकि हम संयुक्त परिवार में रहते थे। अब छोटे-छोटे परिवार हो गए हैं। उसमें भी हम व्यक्तिगत रुचियों में फंस जाते हैं। अड़े रहते हैं, इस कारण परिवार में क्लेश बढ़ता नजर आ रहा है। यह तो शहरों की बात है। गांवों का जीवन भी बदला है। वहां वैसे तो आज भी मैत्रीभाव और प्रेम है, लेकिन वह उस मात्रा में नहीं रह गया है, जिस मात्रा में पहले था। गांव में जाति, धर्म के नाम पर लोग अधिक बंटे हुए नजर आते हैं, जबकि अस्पृश्यता और महिलाओं को पढ़ने न देने जैसा सोच कम होता नजर आ रहा है।

एक तरफ समाज में सहनशीलता कम होती नजर आ रही है, दूसरी तरफ बड़ी मात्रा में युवा वर्ग अध्यात्म की तरफ अपना झुकाव दिखा रहा है, समाज सेवा के लिए झुकाव दिखा रहा है। साथ ही, स्वार्थ भाव या सिर्फ खुद का ही न सोच कर समाज के लिए सोचने वाले युवाओं की संख्या भी बढ़ती हुई नजर आ रही है। कोरोना के दौर में भी नकारात्मक बातों के साथ-साथ कुछ सकारात्मक बातें भी हुई हैं। लोगों ने समाज सेवा, मदद करने आदि का महत्व समझा है। इंसान इस दौर में सीख रहा है कि हम दुखों के बीच या थोड़े में ही कैसे खुश रह सकते हैं?

दरअसल, जब इंसान 'थोड़ा' समझता है तो खुश नहीं रह सकता। जब वह समझता है कि जो उसके पास है, वह पर्याप्त है, तभी खुश रह सकता है। उदाहरणार्थ, बहुत सारे व्यंजन होते हुए भी आप उतना ही खा सकते हैं, जितना आपका पेट स्वीकार कर सकता है। ऐसे ही जीवन में चीजों का उपयोग कितना कर सकते हैं? अगर आपके पास 10 गाड़ियां हैं तो आप एक साथ 10 गाड़ियों में नहीं जा सकते। जाएंगे तो एक में ही।

पहले लोग जो दिखावे के लिए ये सब काम करते थे, अब वह कम हो चुका है। आजकल युवा उपयोगिता पर ही ज्यादा ध्यान देते हैं। इसीलिए लोगों की रुचि अधिक गहने या कपड़े खरीदने में भी कम होती नजर आती है। जो हमारे पास है, उससे तृप्त रहना आवश्यक भी है। इस प्रौढ़ विचारधारा को आज की पीढ़ी समझ रही है।

आज के मुश्किल समय में खुशी की तलाश हर किसी को है। कई लोग धन, बल, ऐश्वर्य में खुशी ढूंढ़ते हैं। कुछ लोग दुख का भी आनंद लेते हैं, क्योंकि इससे उन्हें खुशी मिलती है! लेकिन यह खुशी स्थायी या असली नहीं होती। दरअसल, खुश रहने के लिए हम कुछ चाहते हैं, लेकिन इसे पाने के बावजूद हम खुश नहीं होते। स्कूल जाने वाला लड़का सोच सकता है कि अगर वह कॉलेज जाता है, तो वह अधिक स्वतंत्र होगा और इसलिए खुश होगा। यदि आप कॉलेज जाने वाले एक लड़के से पूछते हैं कि क्या वह खुश है, तो उसे लगता है कि अगर उसे नौकरी मिलती है, तो वह खुश होगा। हम सोच सकते हैं कि जब कोरोना मिट जाएगा और उसकी बंदिशें हट जाएंगी तो हम खुश हो जाएंगे। हमारा सारा जीवन भविष्य में किसी दिन खुश रहने की तैयारी में निकल जाता है, जबकि वह दिन कभी नहीं आता। कोरोना खत्म होना ही है, लेकिन उसके बाद हम किसी और चीज में खुशी तलाश करने लगेंगे।

जीवन को देखने के दो तरीके हैं। एक सोच है कि, 'मैं एक निश्चित उद्देश्य को प्राप्त करने के बाद खुश रहूंगा।' दूसरा है कि, 'मैं खुश हूं कि आगे बेहतरी के लिए कुछ हो सकता है!' आप कौन-से तरीके के साथ जीना चाहते हैं? जीवन 80 प्रतिशत आनंद और 20 प्रतिशत दुख है, लेकिन हम 20 प्रतिशत पर टिके रहते हैं और इसे 200 प्रतिशत तक बढ़ा देते हैं! यह एक सचेत कार्य नहीं है, यह सिर्फ होता है। हमें इसका ज्ञान ही नहीं होता, जबकि खुशी या आनंद सतर्कता और जागरूकता के साथ आता है। हर क्षण में जीना आत्मज्ञान है। बच्चे जैसा होना आत्मज्ञान है। यह बिना किसी बाधा के भीतर से मुक्त होने जैसा है।

आज काम का दबाव अधिक है, घर में तनाव अधिक है। इस आपाधापी में खुद को तनाव से बचाना बहुत आवश्यक है। यह गान, ज्ञान और ध्यान से ही संभव है। हर व्यक्ति को कुछ समय अवश्य संगीत के साथ बिताना चाहिए। जो मनपसंद संगीत हो, उसे गुनगुनाएं, दिल खोलकर गाएं, डूब कर गाएं। नहीं गा सकते, तो उसके गाने के सुरों में खो जाएं। उसे दिल से सुनें। दूसरा है-ज्ञान। जीवन को एक विशाल दृष्टिकोण से देखना भी आवश्यक है। हमें अपने जीवन में क्या चाहिए, हमारी मांग क्या है, हमसे दूसरों की क्या मांग है, हम दूसरों के लिए क्या कर सकते हैं, इस तरह की विचारधारा को अपने भीतर जगाना ही ज्ञान है। तीसरी बात है ध्यान। प्रतिदिन थोड़ी देर बैठकर ध्यान के द्वारा अपने मन को शांत करें।

हालांकि नदी विशाल है, लेकिन एक घूंट जल आपकी प्यास बुझाता है। जीवन में सब कुछ का एक छोटा-सा अंश स्वीकार करें, जो आपको पूर्णता की ओर ले जाएगा। आध्यात्मिक मार्ग पर व्यक्ति तृप्ति से पूर्णता की ओर बढ़ता है। कृतज्ञता के साथ पूर्णता में जिएं, लेकिन पूर्णता के नाम पर सुस्त नहीं होना है। पूर्ण हुए लोग कभी सुस्त नहीं होते, क्योंकि पूर्ति और गतिशीलता एक साथ चलती है। जीवन प्रवाहमय है, गतिशील है।

अंतर प्रेम तासु पहिचाना...

रामकथा के स्तंभ

संत मैथिलीशरण
(भाई जी)
मानस मर्मज्ञ

मारीच रामकथा का वह पात्र है, जो रावण की ओर से खल पात्र की भूमिका निभाने के बावजूद भगवान की कृपा को प्राप्त करता है...

विश्वामित्र जी के साथ अयोध्या से जनकपुर की प्रथम यात्रा में जब श्रीराम ने सुबाहु और ताड़का का वध किया था, उस समय मारीच को केवल बिना फण का बाण चलाकर सौ योजन दूर फेंक दिया था, क्योंकि भविष्य की लीला में प्रभु को मारीच का सहयोग चाहिए था। वह तभी से हृदय से प्रभु का भक्त हो चुका था। देखें 'खल बधि तुरत फिरे रघुबीरा' और 'अंतर प्रेम तासु पहिचाना।'

मारीच एक ओर खल है, दूसरी ओर प्रेमी भी। जब वह रावण की ओर से कपट मृग बनकर आता है तो वह खल और दुष्ट है। वहीं जब वह भगवान के द्वारा बाण प्रहार से अपनी मृत्यु को भी धन्यता के रूप में देखता है, तब वह भक्त और प्रेमी के रूप में सामने आता है। यही दशा हमारे मन की भी है। मन भी मारीच है, जो खल और प्रेमी दोनों है। जब यह भगवान के प्रेम और भक्ति में लग जाता है तो भगवान से संयोग कराने में इसकी भूमिका होती है, पर जब यही मन मोह रूपी रावण के वशीभूत होकर हमें भगवान से दूर करता है, तो वह खल की भूमिका में होता है।

जब मारीच को पता चला कि भगवान उसे मारने का संकल्प कर चुके हैं और उसे स्वर्णमृग बनकर सीता जी के अंदर अपने प्रति आकर्षण पैदा करना है, तो वह सोचने लगा कि सीता जी में सोने को देखकर लालच आ जाए, यह संभव नहीं। किंतु जब असंभव भी संभव होने जा रहा है, तो इसके पीछे भी कोई राम की ही इच्छा होगी। क्योंकि भक्ति सिद्धांत है कि :

करन राम चाहहिं सोई होई।
करइ अन्यथा अस नहिं कोई।।

और यदि राम की इच्छा है तो मेरी सुगति का इससे सुंदर कौन-सा समय होगा, जब मुझ जैसा कपटी भगवान के मुक्तिदायक क्रोध का पात्र बनकर कृपाभाजन बन जाएगा। भगवान के ध्यान से उसका कपट बाहर आ गया और प्रेम अंदर छिप गया। भगवान ने उसके कपट का उपयोग अपनी लीला में कर लिया और हृदय में छिपे प्रेम का सदुपयोग उसे अपने चरणों में भक्ति और मुक्ति देकर कर दिया। परिणाम यह हुआ कि मारीच का मन 'मन' न रहकर 'सुमन' हो गया। क्योंकि सीता जी को वह परम रुचिर लगा। जब वह भगवान का ध्यान करने लगा तो सीता जी को उसके अंग-प्रत्यंग सुमनोहर लगने लगे। वह भगवान से कहने लगीं, इस मृग की छाल मुझे बहुत अच्छी लग रही है। भगवान समझ गये कि अब सीता जी पर मेरी लीला का रंग पूरा चढ़ गया है, क्योंकि विदेह कुमारी को कपटी देह में सुंदरता दिखाई देने लगी तो अब मुझे भी पूरा अभिनय करना चाहिए। कमर में फेंटा कसकर भगवान मारीच के पीछे धनुष-बाण लेकर दौड़े। मारीच आगे-आगे भाग रहा है और पीछे मुड़-मुड़ कर देख रहा है कि प्रभु आ रहे हैं न? वह भगवान को सीता से दूर ले जाकर लक्ष्य पूरा करता है। अंत में भगवान का बाण उसको लगा तो वह 'लक्ष्मण लक्ष्मण' कहकर चिल्लाया, जिसको सुनकर सीता को सोने के मृग के स्वर को सुनकर श्रीराम के स्वर का भ्रम हो गया और फिर हृदय में भी श्रीलक्ष्मण की श्रीराम के प्रति तात्विक दृष्टि और निष्ठा पर भी भ्रम हो गया। उसकी परिणति राम से सीता के वियोग के रूप में हो जाती है।

भगवान ने मारीच के इस प्रेम और त्याग को देखकर अपना परम पद दे दिया और यह सोचकर मुक्त कर दिया कि जिसने मेरी लीला की पूर्णता के लिए अपने को कपटी, मायावी और छली कहलाने में संकोच नहीं किया, जिसने मृत्यु के लिए भी मेरे बाण का चुनाव किया, उसको तो मेरी कृपा मिलनी ही चाहिए।

श्रीराम सेना लेकर लंका पहुंचे, तो वहां के उस पवित्र शिखर 'सुबेलशैल' पर जाकर श्रीलक्ष्मण ने स्वयं अपने हाथों से कुश और पुष्प का आसन बनाकर उस पर मारीच का चर्म बिछा दिया। उस पर परम कृपालु प्रभु श्रीराम विराजमान हो गये। गोस्वामी जी का शब्द विन्यास कितना सांगोपांग है कि सीता ने जब पहली बार मारीच को देखा था तो उन्हें मृग रुचिर लगा था और लक्ष्मण जी ने जब वही मृगचर्म बिछा दिया तो गोस्वामी जी ने लिखा :

ता पर रुचिर मृदुल मृगछाला।
तेहिं आसन आसीन कृपाला।।

उनका भाव यह था कि मेरी प्रिया सीता ने जिसको अपनी रुचि मान लिया तो मेरी रुचि और उनकी रुचि कभी अलग नहीं हो सकती है। परम कृपालु भगवान, रावण की भूमि में भी परम शुचिता और विरक्त आसन की खोज कर लेते हैं :

एहि बिधि कृपा रूप गुन धाम राम आसीन।
धन्य ते नर एहिं ध्यान जे रहत सदा लयलीन।।

चराचर में, जड़ चैतन्य सब में भावना और धन्यता भर देना ही राम का रामत्व है। भगवान से यही प्रार्थना है कि वे कृपा कर हमारे मन रूपी मारीच के चर्म को अपने बैठने का आसन बना लें। उसे रक्त रहित करके मन को संसार से विरक्त कर दें, ताकि हमारा मन-मारीच भी भगवान की लीला में उनके कृपा रूपी बाण को प्राप्त करके धन्य हो जाए।

maithili.sharan@yahoo.com

संत सान्निध्य

इस स्तंभ के तहत जाने-माने गुरुओं/संतों के आनलाइन प्रवचनों/उपदेशों/कथाओं आदि की जानकारी साझा की जाती है, ताकि इन्हें सुनकर लोगों को निराशा, अकेलापन, एकरसता दूर करने और मनोबल बढ़ाने में मदद मिल सके...

मानस अमरकंटक

(नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक, मध्य प्रदेश से रामकथा का सीधा प्रसारण)
वक्ता : मोरारी बापू
यूट्यूब चैनल : chitrakutdham talgajarda/
समय : सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक (रविवार, 8 अगस्त तक प्रतिदिन)

अनुरोध : इस तरह के प्रमुख कार्यक्रमों की प्रामाणिक संक्षिप्त जानकारी इस मेल आइडी पर साझा की जा सकती है : feature@jagran.com

अनमोल विचार

स्वयं को मुक्त मानने वाला सच में मुक्त है और स्वयं को बद्ध मानने वाला वास्तव में बद्ध है। इस बात पर विश्वास रखें कि व्यक्ति की जैसी बुद्धि होती है, वैसी ही उसकी गति होती है।

– अष्टावक्र

सप्ताह के पर्व-त्योहार

3 अगस्त : गौरी दुर्गा पूजा।
4 अगस्त : कामदा एकादशी व्रत
8 अगस्त : स्नान-दान-श्राद्धादि की हरियाली अमावस्या।
9 अगस्त : श्रावण सोमवार व्रत

आलेखों में लेखकों के निजी विचार हैं। उनसे संपादकीय सहमति होना जरूरी नहीं है।
अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

प्रेरक प्रसंग

पूर्णता में आनंद

जापानी दार्शनिक परंपरा 'जेन' के एक गुरु ने अपने चार शिष्यों की परीक्षा लेने और उन्हें आशीर्वाद देने का निश्चय किया। वे चारों साइकिल से आते थे। गुरु ने उनसे एक ही सवाल पूछा, 'तुम साइकिल क्यों चलाते हो?' पहले शिष्य ने उत्तर दिया, 'इससे मुझे सामान अपनी पीठ पर नहीं ढोना पड़ता। सामान लाने-ले जाने में सुविधा रहती है'। गुरु जी ने उससे कहा, तुम बहुत बुद्धिमान हो। तुम्हारा शरीर हमेशा स्वस्थ रहेगा।

दूसरे शिष्य ने उस प्रश्न का उत्तर दिया, 'मुझे साइकिल चलाते समय प्रकृति के विभिन्न रंग देखना अच्छा लगता है।' गुरु जी ने उससे कहा, 'तुम सचेत होकर प्रकृति के आनंदमय रूप को स्वीकार करते हो। तुम हमेशा सुखी रहोगे।'

तीसरे शिष्य ने कहा, 'जब मैं साइकिल चलाता हूं, तब ईश्वर के बारे में सोचता रहता हूं।' गुरु जी ने कहा, तुम्हारा खोजी मन है, तुम्हारी एकाग्रता सधी रहेगी।'

चौथे शिष्य ने उत्तर दिया, 'मेरे साइकिल चलाने का कारण यह है कि मैं साइकिल चलाने के लिए साइकिल चलाता हूं।' गुरु जी उठकर उसके चरणों के पास बैठ गए और बोले, 'आज से आप मेरे गुरु और मैं आपका शिष्य।'

कथा-मर्म : अपने कार्य का जब हम पूर्णता में आनंद लेते हैं, तभी हम उस काम में प्रवीण हो पाते हैं।

आज का भविष्यफल

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थितिः 3 अगस्त, 2021 मंगलवार श्रावण मास कृष्ण पक्ष दशमी का राशिफल।
आज का राहुकालः दोपहर 03:00 बजे से 04:30 बजे तक।
आज का दिशाशूलः उत्तर।
पर्व एवं त्योहारः मंगलागौरी पूजन।
आज की भद्राः दोपहर 01:00 बजे तक।

मेषः किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद हो सकती है। व्यक्ति विशेष के कारण तनाव मिलेगा। संयम से काम लें। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

वृषः संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मकान, संपत्ति के निर्माण की दिशा में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में तनाव स्थिति रहेगी। संयम से काम लें। कुछ नए संबंध बनेंगे।

मिथुनः चली आ रही समस्या का समाधान होगा। मन खिन्न होगा। व्यावसायिक मामलों में जोखिम न उठाएं। व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। संयम से काम लेना हितकर है।

कर्कः स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। किसी बहुप्रतिक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग एवं सान्निध्य मिलेगा।

सिंहः कर्मक्षेत्र में बाधा आएगी। स्वास्थ्य के प्रति उदासीन न रहें। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

कन्याः महिला अधिकारी या घर की महिला प्रमुख का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से तनाव मिल सकता है। व्यक्ति विशेष के कारण मन अशांत रहेगा। संयम से काम लें।

तुलाः संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। चल या अचल संपत्ति की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।

वृश्चिकः निर्माण कार्य या शोध कार्य की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रचनात्मक कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

धनुः जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

मकरः आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कुंभः बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपसी रिश्तों में मजबूती आएगी। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

मीनः व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी, लेकिन पारिवारिक महिला से तनाव मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

कल 4 अगस्त का पंचांग

कल का दिशाशूलः उत्तर।
पर्व एवं त्योहारः कामदा एकादशी।
विक्रम संवत 2078 शके 1943 दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास कृष्ण पक्ष की एकादशी 15 घंटे 18 मिनट तक, तत्पश्चात् द्वादशी मृगशिरा नक्षत्र 28 घंटे 25 मिनट तक, तत्पश्चात् आर्द्रा नक्षत्र व्याघात योग तत्पश्चात् हर्षण योग वृष में चंद्रमा 15 घंटे 08 मिनट तक तत्पश्चात् मिथुन में।

वर्ग पहेली-1656

बाएं से दाएं
1 [illegible] [3]। 3 [illegible] [4]। 5 [illegible] [3]। 7 [illegible] [3]। 8 [illegible] [2]। 9 [illegible] [3]। 11 [illegible] [3]। 13 [illegible] [3]। 15 [illegible] [3]। 17 संसार, दुनिया [2]। 18 [illegible] [3]। 19 [illegible] [3]। 21 [illegible] [4]। 22 [illegible] [3]।

ऊपर से नीचे
1 [illegible] [4]। 2 [illegible] [2]। 3 कारण, हेतु, साधन [3]। 4 [illegible] [3]। 6 दिमाग, मस्तिष्क [3]। 8 [illegible] [3]। 10 [illegible] [3]। 12 [illegible] [3]। 13 [illegible] [3]। 14 [illegible] [3]। 16 लूट, डकैती [4]। 17 [illegible] [3]। 18 [illegible] [3]। 20 [illegible] [2]।

कल का हल

जागरण सुडोकू-1656

8				7				1
	3	9	1		5	2		
	5			3			9	
	1				7	9		
5		6	9	2			1	
				1				6
		8				6	2	
3	7		6		2			
	2			9		4		5

कल का हल

5	2	1	4	3	8	6	7	9
6	7	9	1	5	2	3	4	8
8	3	4	9	6	7	5	2	1
9	4	7	5	1	6	8	3	2
3	1	8	2	9	4	7	5	6
2	5	6	8	7	3	1	9	4
7	6	2	3	4	1	9	8	5
1	8	5	7	2	9	4	6	3
4	9	3	6	8	5	2	1	7

मौसम

कल पढ़ें

लक्षण वही मगर कोविड नहीं

भारत के समुद्री रास्ते की खोज में निकला कोलंबस

वर्ष 1492 में आज ही इटली का नाविक क्रिस्टोफर कोलंबस स्पेन से तीन नावों सांता मारिया, पिंटा और नीना से 90 साथियों के साथ भारत के समुद्री रास्ते की खोज में रवाना हुआ था। हालांकि वह गलती से अमेरिकी द्वीप पहुंच गया था।

इंजन में खराबी से बोइंग 707 विमान क्रैश

वर्ष 1975 में आज ही मोरक्को में बोइंग 707 विमान इंजन में खराबी के बाद लैंडिंग से दो मिनट पहले रडार से गायब हुआ और एटलस पर्वतों पर क्रैश हो गया। विमान में सवार सात क्रू मेंबर समेत सभी 188 लोगों की मौत हो गई थी। यह उस समय दुनिया का चौथा सबसे बड़ा विमान हादसा था।

सिर्फ एक लाइन से बदायूंनी को मिल गया फिल्मों में मौका

देशप्रेम और रोमांटिक गाने लिखने वाले शकील बदायूंनी का जन्म आज ही 1916 में उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हुआ था। 1944 में दिल्ली से सरकारी नौकरी छोड़कर मुंबई चले गए। वहां संगीतकार नौशाद से मिले, उनके पूछने पर 'हम दर्द का अफसाना दुनिया को सुना देंगे' लिखा, नौशाद ने फिल्म दर्द में मौका दे दिया। इसके बाद दोनों ने 20 साल से ज्यादा समय तक साथ काम किया और मदर इंडिया, मुगल ए आजम जैसी कई फिल्मों में संगीत दिया। उन्हें तीन साल लगातार फिल्म फेयर अवार्ड मिला। 20 अप्रैल 1970 को मुंबई में निधन हो गया।

सोलर रेडियो सिग्नल से की जा सकेगी बर्फ के पिघलने की निगरानी

वाशिंगटन, एएनआइ : ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों की बर्फ पिघल रही है, जिसके चलते समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। दुनियाभर के विज्ञानी इस बदलाव पर निरंतर नजर रखे हुए हैं। अब इस कार्य में कुछ आसानी हो सकेगी। दरअसल, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक नए तरीके की तलाश की है, जिसकी मदद से बर्फ की परतों की निगरानी की जा सकेगी। इसके लिए विज्ञानियों ने सोलर रेडियो सिग्नल का प्रयोग किया है, जो वर्तमान में मौजूद तरीकों की तुलना में सस्ता और कम ऊर्जा की खपत करने वाला है। इसके जरिये पता लगाया जा सकेगा कि किस तेजी से बर्फ पिघल रही है और उससे समुद्र के जलस्तर में कितना इजाफा होगा।

सूर्य विद्युत चुंबकीय अवस्था का एक कठिन स्रोत प्रदान करता है। गैसों की विशाल गेंदों के जरिये रेडियो आवृत्तियों के व्यापक स्पेक्ट्रम पृथ्वी पर आते हैं। इस प्रक्रिया में विज्ञानियों ने एक शक्तिशाली टूल बनाने का तरीका खोजा है, जिसके जरिये बर्फ और धरती के ध्रुवों पर होने वाले बदलावों की निगरानी की जा सकेगी। इस तकनीक के बारे में जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स नामक जर्नल में विस्तार से बताया गया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, वर्तमान में जिस तकनीक का प्रयोग उपरोक्त चीजों का डाटा एकत्र करने के किया जाता है उसकी तुलना में यह तरीका कम खर्चीला, कम ऊर्जा की खपत करने वाला व ज्यादा व्यापक है। इसके जरिये न केवल बर्फ की चादरों और ग्लेशियरों के पिघलने की व्यापक निगरानी की जा सकेगी, बल्कि समुद्र के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण का पता अधिक सटीकता से लगाया जा सकेगा। ग्लेशियोलॉजिस्ट और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों की टीम ने अपने अध्ययन के माध्यम से दिखाया कि कैसे सूर्य द्वारा कुदरती रूप से उत्सर्जित रेडियो सिग्नल बर्फ की चादरों की गहराई को नापने के लिए एक निष्क्रिय रडार प्रणाली में बदले जा सकते हैं। टीम के सदस्यों ने ग्रीनलैंड के ग्लेशियर में इसका सफल परीक्षण किया। वर्तमान में ध्रुवीय उपसतह के बारे में व्यापक जानकारी एकत्र करने के लिए एयरबोर्न आइस-पेनेट्रेटिंग रडार का प्रयोग किया जाता है। इसमें हवाई जहाज प्रयोग किए जाते हैं, जिनसे बर्फ की सतह पर रडार सिग्नल प्रेषित किए जाते हैं। हालांकि, इस तरीके से केवल उस समय की ही जानकारी मिल पाती है, जिस वक्त हवाई जहाज सिग्नल प्रेषित करता है।

वहीं, शोधकर्ताओं द्वारा तलाशे गए नए तरीके से बर्फ के पिघलने की व्यापक जानकारी एकत्र की जा सकती है, क्योंकि सूर्य से रेडियो तरंगें निरंतर ही पृथ्वी पर आती रहती हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इस नए तरीके की मदद से बर्फ के पिघलने की दर का पता लगाने के लिए हवाई जहाज को उड़ाने और उससे रडार सिग्नल भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सूर्य से धरती पर निरंतर प्रेषित की जा रहीं तरंगों के जरिये ही बर्फ की घटती ऊंचाई का पता लगाया जा सकेगा।

अध्ययन के प्रमुख लेखक शान पीटर्स के मुताबिक, हमारा उद्देश्य कम संसाधन में ऐसा सेंसर नेटवर्क विकसित करना है, जिससे निगरानी स्तर को बढ़ाया जा सके। इसलिए इसका विकल्प तलाशने का प्रयास किया। यह नया तरीका न केवल सस्ता और आसान है, बल्कि इसमें कम ऊर्जा की खपत कर अधिक जानकारी एकत्र की जा सकती है।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने तलाशा मानिटरिंग का नया तरीका

वर्तमान तरीकों की तुलना में है सस्ता और कम ऊर्जा की खपत वाला

निगरानी का सस्ता तरीका खोजा। फाइल फोटो

मेंढक की नई प्रजाति की खोज

दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के पश्चिमी घाट क्षेत्र में मेंढक की नई प्रजाति का पता लगाया है। इसका नाम पूर्व कुलपति और प्रसिद्ध पादप आनुवांशिकीविद् प्रोफेसर दीपक पेंटल के नाम पर 'मिनरवार्या पेंटली' रखा गया है। अनुसंधानकर्ता प्रो. एसडी बीजू और छात्र सोनाली गर्ग के अनुसार विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त जैव विविधता वाले क्षेत्र में डिक्रोग्लोसिडे परिवार से संबंधित नई प्रजाति के इस मेंढक की खोज की गई है। प्रेट्र

इधर-उधर की

साढ़े चार दशक से गुम अंगूठी हकदार को मिली

न्यूयार्क, एजेंसी : कभी-कभी किसी की रुचि दूसरे के लिए खुशी का कारण बन जाती है। अमेरिका के न्यूयार्क का ये मामला इस बात की तस्दीक करता दिखता है। बुफैलो अग्निशमन विभाग के अधिकारी डैन मिलोविच को रोजाना के व्यायाम के दौरान 46 साल पहले खोई अंगूठी मिल गई। दरअसल वह योग के रूप में नदी में मैटल डिटेक्टर के जरिये चीजों को ढूंढ रहे थे, इसी दौरान उन्हें एक शख्स का नाम लिखी हुई अंगूठी मिली। अब उनके सामने उसके असली मालिक तक पहुंचाने की चुनौती थी। कोशिशें सफल नहीं होने पर फेसबुक का सहारा लिया। इसके जरिये अंगूठी के मालिक की पत्नी का फोन नंबर मिला और रिंग वापस लौटा दी। अंगूठी मिलने और उसे उसके असली हकदार तक पहुंचाने की यह कहानी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही है।

वर्ष 1975 में गायब हो गई थी रिंग। इंटरनेट मीडिया

टीबी से इम्युनिटी में कमी की गुत्थी सुलझी

शोध ▶ संक्रमित लोगों में इम्यून सिग्नलिंग सिस्टम को बाधित करने वाले जीन की हुई खोज

पीएलओएस पैथोजेंस जर्नल में प्रकाशित हुआ शोध

मैरीलैंड (अमेरिका), एएनआइ : ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) रोगियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता के कम होने से इलाज में और भी जटिलताएं पैदा होती हैं। इसलिए, रोगियों में प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बनाए रखने के लिए तरह-तरह के जतन किए जाते रहे हैं। लेकिन अब इम्युनिटी कम होने की एक गुत्थी सुलझी है। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसे जीन की खोज की है, जो टीबी रोगियों में इम्यून सिग्नलिंग सिस्टम को बंद करने या बाधित करने में अहम भूमिका निभाता है। यह शोध हाल ही में पीएलओएस पैथोजेंस जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

इसमें बताया गया है कि टीबी पैदा करने वाला माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस बैक्टीरिया (एमटीबी) जब इंसान को संक्रमित करता तो शरीर का इम्यून रिस्पांस की स्थिति बड़ी नाजुक हो जाती है कि रोग किस प्रकार से बढ़ेगा? मतलब यह कि इम्यून रिस्पांस शरीर को बैक्टीरिया से लड़ने के लिए तैयार करेगा या फिर संक्रमण को बढ़ने देगा।

जीन आधारित इलाज होगा संभव। फाइल फोटो

यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड के शोधकर्ताओं ने इसकी गुत्थी सुलझाई है कि एमटीबी किस प्रकार से संक्रमित व्यक्ति के इम्यून सेल की प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है। खासतौर पर उन्होंने बैक्टीरिया में एक ऐसे जीन की खोज की है, जो संक्रमित व्यक्तियों के इम्यून डिफेंस को दबा देता है या उसे कम कर देता है, जिससे संक्रमण तेज हो सकता है। इस नए निष्कर्ष से टीबी के इलाज या इसकी रोकथाम के लिए जीन आधारित प्रभावी तरीके खोजे जा सकते हैं।

यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड में सेल बायोलाजी एंड मालीक्यूलर जीनेटिक्स के प्रोफेसर तथा अध्ययन के सह लेखक वोल्कर ब्रिकेन ने बताया कि इस शोध से बैक्टीरियल प्रोटीन के इंसानी कोशिका से अंतरक्रिया के मालीक्यूलर मैकेनिज्म का पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम अपनी खोज से इसलिए उत्साहित हैं कि यह पहली बार पता चला है कि बैक्टीरिया और इंसानी सेल के सिग्नलिंग सिस्टम के बीच कोई संबंध है, जो पैथोजेंस (रोगाणुओं) के प्रति प्रतिरोध के लिए अहम है। शोध की मुख्य लेखक शिवांगी रस्तोगी तथा ब्रिकेन और उनकी टीम ने अपनी इस खोज के क्रम में एक खास प्रकार के व्हाइट ब्लड सेल, जिसे मैक्रोफेज कहते हैं, को एमटीबी से और नान-विरुलेंट (कमजोर) बैक्टीरिया से संक्रमित करा कर उसकी प्रतिक्रिया का अवलोकन किया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि एक जटिल प्रोटीन, जिसे इन्फ्लैमासोम कहते हैं, एमटीबी से संक्रमित कोशिकाओं में नाटकीय ढंग से सीमित हो गया, जबकि नान-विरुलेंट बैक्टीरिया से संक्रमित कोशिकाओं में ऐसा नहीं पाया गया। इन्फ्लैमासोम कोशिका के अंदरूनी हिस्से में रोगाणुओं की तलाश कर सेल को इम्यून रिस्पांस शुरू करने का सिग्नल देता है। ब्रिकेन ने बताया कि यह देखना बड़ा ही अप्रत्याशित था कि एमटीबी इन्फ्लैमासोम को बाधित कर सकता है। इतना ही नहीं, संक्रमण इन्फ्लैमासोम को थोड़ा-बहुत सक्रिय भी करता है, जिससे किसी ने इस बात पर ध्यान ही दिया कि एमटीबी सिग्नलिंग प्रक्रिया को बाधित भी कर सकता है।

इसके बाद, शोध टीम ने यह जानने की कोशिश की कि क्या एमटीबी का कोई विशिष्ट जीन इन्फ्लैमासोम को दबाने के लिए जिम्मेदार है? इसके लिए एमटीबी को एक नान-विरुलेंट माइकोबैक्टीरियम प्रजाति में प्रवेश कराया गया और इस म्यूटेंट से नए मैक्रोफेज को संक्रमित कराया गया। इसमें पाया गया कि नान-विरुलेंट बैक्टीरिया, जिसमें एमटीबी के जीन -पीकेएनएफ - की मौजूदगी थी, उसमें इन्फ्लैमासोम रिस्पांस सीमित रहा।

युवाओं में डायबिटीज से खड़ी हो सकती हैं दूसरी समस्याएं

अनुसंधान

डायबिटीज से होती हैं और भी बीमारियां। फाइल

युवावस्था में डायबिटीज की चपेट में आने वाले लोगों को लेकर एक नया अध्ययन किया गया है। इसका दावा है कि युवाओं में टाइप-2 डायबिटीज रोग का स्वास्थ्य पर दीर्घकालीन असर पड़ सकता है। इसके चलते जीवन में आगे चलकर दूसरी गंभीर समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। अध्ययन के नतीजों को न्यू इंग्लैंड जर्नल आफ मेडिसिन में प्रकाशित किया गया है।

अध्ययन के नतीजों के अनुसार, टाइप-2 डायबिटीज की पहचान के 15 वर्ष के बाद 60 फीसद प्रतिभागियों में डायबिटीज संबंधी कम से कम एक जटिलता पाई गई। जबकि एक तिहाई प्रतिभागियों में दो या इससे ज्यादा जटिलताओं की पहचान की गई। यह निष्कर्ष 500 प्रतिभागियों पर किए गए एक अध्ययन के आधार पर निकाला गया है। यह अध्ययन वर्ष 2004 में शुरू किया गया था। शोधकर्ताओं ने 15 वर्ष के दौरान प्रतिभागियों में ब्लड ग्लूकोज नियंत्रण में निरंतर गिरावट दर्ज की। 67 फीसद प्रतिभागियों को उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित पाया गया। करीब 55 फीसद को किडनी रोग की चपेट में पाया गया। 32 फीसद प्रतिभागी नर्व डिजीज और 51 फीसद आंख रोग से पीड़ित पाए गए। यह अध्ययन अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ के तहत आने वाले नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डायबिटीज एंड डाइजेस्टिव एंड किडनी डिजीज (एनआइडीडीके) की ओर से कराया गया। यह इस तरह का पहला अध्ययन है।

-एएनआइ

स्क्रीन शॉट

लोग कहते थे कि ये हीरो है या हीरोइन : टाइगर श्राफ

ट्रोल्स पर टाइगर ने दिया जवाब। इंस्टाग्राम

ट्रोल्स से सामना होना सितारों के लिए आम बात है। उन ट्रोल्स से गुजरते हुए कलाकारों को अपना काम करते रहना पड़ता है। बागी अभिनेता टाइगर श्राफ ने भी अरबाज खान के टाक शो पिंच के दूसरे सीजन में इंटरनेट मीडिया पर हुई ट्रोलिंग को लेकर बात की। उसमें उन्होंने करियर के शुरुआती दौर में उन पर किए गए नकारात्मक कमेंट्स को लेकर बात की। टाइगर ने कहा कि फिल्म की रिलीज के बाद भी मुझे ट्रोल किया जाता था।

लोग बोलते थे कि ये हीरो है या हीरोइन। जैकी दादा (जैकी श्राफ) का बेटा तो लगता ही नहीं है। मैंने जानबूझ के अलग रास्ता चुना, मैंने अपनी स्टंट का सहारा लिया। अगर लोग आपको ट्रोल कर रहे हों या आपका मजाक उड़ा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आपने लोगों को प्रभावित किया है। मैं जो हूं दर्शकों की वजह से हूं। दर्शकों के दिलों में नंबर वन जब तक हूं, वही मेरे लिए मायने रखता है। ट्रोल्स के पास पावर होती है आपको भला-बुरा कहने की जो बहुत डरावना है। इस मौके पर अरबाज ने जब टाइगर से पूछा कि क्या आप वर्जिन हैं। इस पर टाइगर ने कहा कि मैं सलमान भाईजान की तरह वर्जिन ही हूं।

फिल्म प्रतिकार 1922 गोरखपुर में हुए चौरी चौरा कांड पर आधारित होगी। इसमें रवि किशन युवा क्रांतिकारी का किरदार निभाएंगे।

क्रांतिकारी भगवान अहीर का रोल निभाएंगे रवि

इतिहास में हुई वास्तविक घटनाओं पर आधारित फिल्मों की सूची में अब एक और फिल्म प्रतिकार 1922 का नाम भी शामिल हो गया है। यह फिल्म साल 1922 में गोरखपुर में हुए चौरी चौरा कांड पर आधारित होगी। इस फिल्म में अभिनेता रवि किशन युवा क्रांतिकारी भगवान अहीर का किरदार निभाएंगे। फिल्म के प्रस्तुतकर्ता रविशंकर खरे ने दैनिक जागरण से बातचीत में बताया कि 'चौरी चौरा कांड के बारे में इतिहास में कई चीजें लोगों से छुपाई गई हैं। यह फिल्म उन सभी चीजों पर प्रकाश डालेगी। फिल्म की शूटिंग 16 अगस्त से गोरखपुर में की जाएगी।' वहीं फिल्म का निर्देशन कर रहे अभिक भानु ने बताया कि 'चौरी चौरा के इतिहास से कभी बाबा राघवदास को नहीं जोड़ा गया, इस घटना के क्रांतिकारियों को बचाने में उनकी मुख्य भूमिका रही। फिल्म की शूटिंग गोरखपुर और प्रयागराज के आस-पास करीब 100 दिनों के शेड्यूल में होगी। फिल्म में रवि किशन के अलावा बाकी के सभी कलाकार नेशनल स्कूल आफ ड्रामा (एनएसडी), थिएटर और भारतीय नाट्य अकादमी से होंगे।' उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के दौरान चार फरवरी, 1922 को गुस्साई भीड़ ने चौरी चौरा के पुलिस थाने में आग लगा दी थी। इसमें 23 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी। हिंसा के कारण महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन रोक दिया था। इसके बावजूद इस घटना के आरोप में ब्रिटिश सरकार ने 19 क्रांतिकारियों को फांसी पर चढ़ा दिया था।

अपने संसदीय क्षेत्र गोरखपुर में फिल्म की शूटिंग करेंगे रवि किशन ● जागरण आर्काइव

संघर्षरत लेखक के फोन काल से आया डायल 100 का आइडिया : रेंसिल डिसिल्वा

फिल्मकारों की निगाहें हमेशा दिलचस्प कहानियों की तलाश में होती हैं। यह उन्हें भी नहीं पता होता कि कौन सी घटना या वक्त उन्हें किसी फिल्म के लिए आइडिया दे देगा। छह अगस्त को जी5 पर रिलीज होने जा रही मनोज बाजपेयी और नीना गुप्ता अभिनीत फिल्म डायल 100 का आइडिया निर्देशक रेंसिल डिसिल्वा को कुछ इसी तरह से आया था। इस फिल्म की कहानी को लेकर दैनिक जागरण से बातचीत में रेंसिल बताते हैं, 'इस फिल्म की कहानी का आधार मेरे साथ कुछ साल पहले हुई हुई एक घटना थी। उस समय मैं एक विज्ञापन एजेंसी में था और मुझे एक संघर्षरत लेखक का काल आया। वह लेखक नशे में था और खुद को मारने की बात कर रहा था। इससे पहले कि मैं उससे बात कर पाता, उसने फोन काट दिया। उसके बाद मुझे वास्तव में कभी पता नहीं चल सका कि उसके साथ क्या हुआ था। कोरोना महामारी के दौर में डिप्रेशन के बहुत गहरे लेवल सामने आए। इस दौरान मुझे बहुत से ऐसे लोगों के बारे में पता चला जो बहुत डिप्रेस्ड (निराश) महसूस कर रहे थे। पिछले साल लाकडाउन में मैंने इस विषय के बारे में फिर से सोचना शुरू कर दिया। फिर मैंने फिल्म के निर्माता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस पर चर्चा की और हम मुंबई के पुलिस कमिश्नर से मिलने गए। उन्होंने हमारे साथ उदारता दिखाई और हमें एक इमरजेंसी कंट्रोल रूम में बैठने और वहां कार्यरत पुलिस अधिकारियों की गतिविधियां देखने की अनुमति दी। वहीं से इस स्क्रिप्ट को लिखने का मेरा सफर शुरू हुआ। मैंने इस स्क्रिप्ट को सिर्फ छह दिनों में लिखा, जो कि मेरी अब तक की सबसे तेज लिखी स्क्रिप्ट में से एक है।'

इससे पहले कुर्बान और उंगली जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके हैं रेंसिल। टीम जी5

शहर में साधारण चीजों से दूर होते जा रहे हैं लोग : हर्षवर्धन राणे

सितारे अपनी फिल्मों की ट्रेनिंग के लिए काफी कुछ करते हैं। बात करें अगर अभिनेता हर्षवर्धन राणे की तो वह पिछले कई महीनों से नैनीताल में हैं। जंगल और प्रकृति के बीच रह रहे हर्षवर्धन इंटरनेट मीडिया पर अक्सर पेड़ की डालों के साथ वर्कआउट करते हुए, तो वहीं कभी हिरणों के बीच बेड लगाकर आराम करते हुए नजर आते हैं। दरअसल, हर्षवर्धन वहां निलेश सहाय के प्रोडक्शन में बनने वाली एक्शन फिल्म की तैयारियां कर रहे हैं। अपनी एक्शन ट्रेनिंग को लेकर हर्षवर्धन ने दैनिक जागरण से बातचीत में बताया कि 'यहां एक्शन की तैयारियां करने को लेकर फायदा यह है कि यहां किसी प्रकार का कोई प्रतिबंध या रोक नहीं है। ऐसे में एक्शन की ट्रेनिंग में कोई दिक्कत नहीं आ रही है। आराम से ट्रेनिंग कर पा रहा हूं। जहां तक बात है यहां पर आकर ट्रेनिंग की तो मैं हमेशा से आउटडोर वाला शख्स रहा हूं। मेरे पापा ने मुझमें यह आदत डाली है। वह घूमने-फिरने के शौकीन थे। उनको देखकर मुझमें भी वह आदत आ गई है। मेरा मानना है कि जीवन जीने के लिए बहुत ही बेसिक चीजों की जरूरत होती है, लेकिन हम उसे बहुत मुश्किल बना देते हैं, अपनी ख्वाहिशें बढ़ाकर। मेरा मानना है कि पहाड़ों से गिर रहा पानी भी हम पी सकते हैं, लेकिन लोग घर में फिल्टर लगाते हैं। जिससे पर्यावरण को नुकसान होता है। हालांकि मैं मानता हूं कि हर किसी के लिए पहाड़ों में आकर यह करना संभव नहीं है। शहर में काम करना होता है, लेकिन शहर में भी जीने का जो तरीका है, वह साधारण होना चाहिए।

एक्शन फिल्म के लिए नैनीताल में हैं हर्षवर्धन। इंस्टाग्राम

3डी में भी रिलीज होगी बेल बाटम

सोमवार को अक्षय कुमार ने अहम ऐलान किया कि फिल्म बेल बाटम 19 अगस्त को सिनेमाघरों में 3डी में भी रिलीज की जाएगी। अक्षय ने यह जानकारी इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के जरिये दी है। वीडियो में 3डी का चश्मा अक्षय बार-बार लगाते और निकालते हैं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि पूरी फैमिली के साथ रोमांच अनुभव करना, बेल बाटम 3डी में भी आ रही है। अक्षय ने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए यह भी बताया कि फिल्म का ट्रेलर आज (तीन अगस्त) को रिलीज किया जाएगा। फिल्म में अक्षय के साथ वाणी कपूर ने भी काम किया है। वाणी दैनिक जागरण से बातचीत में कह चुकी हैं कि इस फिल्म में काम करने की सबसे बड़ी वजह उनके लिए अक्षय कुमार ही रहे हैं क्योंकि उनके पापा अक्षय के बहुत बड़े फैन हैं। उन्हें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि वह अक्षय कुमार के साथ काम करने वाली हैं। वकौल वाणी, 'मैंने यह खबर जब उन्हें सुनाई वह खुशी से सातवें आसमान पर पहुंच गए थे। इस फिल्म को करना है या नहीं इसको लेकर कोई सवाल मन में नहीं था।' फिल्म में लारा दत्ता और हुमा कुरैशी भी हैं। फिल्म में अक्षय भारतीय खुफिया एजेंसी रा के एजेंट का किरदार कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन रंजीत तिवारी ने किया है।

अक्षय ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करके दी जानकारी ● इंस्टाग्राम

प्रियदर्शन के साथ फिर होंगे मीजान

हाल ही में प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी मीजान जाफरी अभिनीत फिल्म हंगामा 2 डिजिटल प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज हुई। यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। हालांकि, इस फिल्म की असफलता का असर प्रियदर्शन और मीजान की जोड़ी पर पड़ता नजर नहीं आ रहा है। खबर है कि मीजान ने प्रियदर्शन के निर्देशन में एक और फिल्म साइन कर ली है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, मीजान ने हंगामा 2 की शूटिंग खत्म होते ही प्रियदर्शन के निर्देशन में दूसरी फिल्म साइन कर ली थी। यह फिल्म हंगामा 2 की तरह कोई कामेडी नहीं, बल्कि काप (पुलिसकर्मी) थ्रिलर फिल्म होगी, जो एक मर्डर मिस्ट्री (हत्या के रहस्य) के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिलहाल बाकी कलाकारों की कास्टिंग के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि प्रियदर्शन मीजान के साथ जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। हालांकि अभी तक इस फिल्म के बारे में कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। इससे पहले मीजान भी दैनिक जागरण से बातचीत में इच्छा व्यक्त कर चुके हैं कि वह अब रोमांस और कामेडी से कुछ अलग करना चाहते हैं। उन्होंने एक्शन फिल्में करने की इच्छा जताई थी। ऐसे में वह एक्शन करते हुए भी नजर आ सकते हैं। हंगामा 2 में मीजान के साथ शिल्पा शेट्टी, परेश रावल, प्रणिता सुभाष और राजपाल यादव अहम भूमिकाओं में हैं।

मीजान जल्द शुरू कर सकते हैं प्रियदर्शन के साथ दूसरी फिल्म की शूटिंग ● इंस्टाग्राम

एक्स कोच कबीर ने भारतीय महिला हाकी टीम के कोच से मांगा गोल्ड

टोक्यो में चल रहे ओलिंपिक 2020 खेलों में सोमवार को भारतीय महिला हाकी टीम ने आस्ट्रेलिया की टीम को हराते हुए सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। इस मौके पर देश की तमाम हस्तियों ने भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं। शुभकामनाएं और बधाइयां देने में हिंदी सिनेमा के सितारे भी पीछे नहीं रहे। इस दौरान हिंदी सिनेमा के बादशाह शाह रुख खान द्वारा दी गई शुभकामनाओं ने लोगों को खास तौर पर आकर्षित किया। दरअसल, जीत के बाद भारतीय महिला हाकी टीम के कोच सोजर्ड मारिजने ने विजेता खिलाड़ियों के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि घरवालों माफ करना, एक बार फिर मैं घर बाद में आऊंगा। सोजर्ड के इस ट्वीट को रीट्वीट करते हुए शाह रुख ने लिखा, 'हां हां, कोई समस्या नहीं। बस लौटते वक्त अपने परिवार के करोड़ों सदस्यों के लिए थोड़ा स्वर्ण लेते हुए आना। इस बार तो धनतेरस भी दो नवंबर को है। - एक्स कोच कबीर खान की तरफ से।' उल्लेखनीय है कि महिला हाकी पर आधारित साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म चक दे! इंडिया में शाह रुख ने टीम के कोच कबीर खान का किरदार निभाया था, जो कि पूर्व भारतीय महिला हाकी टीम के वास्तविक कोच रंजन नेगी के किरदार से प्रेरित बताया गया था। शाह रुख के इस पोस्ट पर कुछ लोगों ने कोच रंजन नेगी का नाम लेकर उन्हें ट्रोल भी किया। शाह रुख के अलावा कंगना रनोट, आयुष्मान खुराना, तापसी पन्नू और विक्की कौशल समेत कई हस्तियों ने भारतीय महिला हाकी टीम को शुभकामनाएं दीं।

हाकी पर आधारित फिल्म चक दे इंडिया में कोच के किरदार में थे शाह रुख। इंटरनेट

डिजिटल प्लेटफार्म पर भी डेब्यू करेंगे शाहिद ● इंस्टाग्राम

शाहिद कर सकते हैं अली की थ्रिलर फिल्म में काम

शाहिद कपूर इन दिनों मुंबई में अपनी आगामी वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। राज एंड डीके निर्देशित यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। शाहिद ने सोमवार को सेट से एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें वह कैमरे की तरफ देखकर आंख मार रहे हैं। इस वीडियो के साथ शाहिद ने लिखा है कि वह सेट पर राज और डीके का इंतजार कर रहे हैं और विजय सेतुपति के साथ फ्रेम साझा करने के लिए तैयार हैं। जहां एक ओर शाहिद इस सीरीज से डिजिटल पर डेब्यू करने वाले हैं, वहीं उनकी आगामी फिल्म को लेकर भी खबरें आ रही हैं। सूत्रों की मानें तो फिल्ममेकर अली अब्बास जफर जो पहले कट्रीना कैफ के साथ दो पार्ट वाली एक्शन ड्रामा सुपरहीरो फिल्म बनाने वाले थे, वह अब शाहिद के साथ अपनी अगली फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। महामारी की वजह से कट्रीना वाली फिल्म फिलहाल अगले साल के लिए टाल दी गई है। शाहिद के साथ अली थ्रिलर फिल्म बनाने की तैयारी में हैं, जिसमें एक रात की कहानी दिखाई जाएगी। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक विदेशी फिल्म की हिंदी रीमेक होगी। इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग अबु धाबी में शुरू हो सकती है। अली इस फिल्म को अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनाएंगे। खबरें हैं कि शाहिद काफी समय से अली के साथ काम करना चाहते थे। यह फिल्म टिपिकल मसाला फिल्म से अलग होगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म को लेकर अली और शाहिद के बीच पेपर वर्क हो चुका है।